रांची, शनिवार | 08 मार्च 2025 | वर्ष-26, अंक- 37, पृष्ठ-12 | फाल्गुन कृष्ण पक्ष 09, संवत 2081 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

महिला वह शक्ति है, जो हर कठिनाई को मात देती है और दुनिया को **नई दिशा** दिखाती है...

अंतराष्ट्रीय **महिला दिवस** की शुभकामनाएं

रांची का तापमान

	कांके	रांची
अधिक.	26.2°	28.8°
न्यून.	12.6°	13.1°

₹ 80600 (10 ग्राम)

₹ 102000 (01 किलो)

सेंसेक्स	डॉलर
74,332.58	87.191
-7.52	+0.183

माह-ए-रमजान

इफ्तार	सेहरी
5:57	4:46
8 मार्च	9 मार्च

हेमंत सोरेन से मिलीं षष्ठम विधानसभा की महिला विधायक, सीएम ने कहा

महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है सरकार

नवीन मेल डेस्क

रांची। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से एक दिन पहले शुक्रवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में षष्ठम झारखंड विधानसभा की महिला सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी महिला मंत्री एवं महिला विधायकों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि झारखंड विधानसभा में आपकी उपस्थिति मात्र से ही नारी शक्ति को बल मिलता है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, आप सभी सदन में महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की आवाज हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, आधी आबादी की भागीदारी से ही देश, राज्य और समाज के सर्वांगीण विकास का रास्ता खुलता है। हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में झारखंड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना जैसी कई योजनाओं के माध्यम से आधी आबादी को सशक्त बनाया जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन

शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री ने महिला विधायकों को दी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई और शुभकामनाएं

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज

कई क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल कर राज्य का बढ़ाया है मान-सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात का गर्व है कि राज्य की महिलाओं ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल समेत अनेकों क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया है। झारखंड का मान-सम्मान बढ़ाया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर रही हैं। महिलाएं अपने मंजिल और मुकाम को हासिल करने में कामयाब हों, इसके लिए सरकार पूरा सहयोग करने को तैयार है। एक बार फिर आप सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बहुत-बहुत बधाई।

सदन में मुख्यमंत्री ने कहा- हम जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं

होली के पूर्व मिलेगी मंईयां सम्मान राशि

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की महिलाओं को होली पर्व से पूर्व मंईयां सम्मान योजना की राशि उनके खाते में भेज दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। सरकार इस योजना की त्रुटियों को ठीक कर रही है। त्योहारों से पूर्व राज्य की महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान आएगी, ऐसा सरकार का प्रयास है। इससे संबंधित प्रश्न विधायक मंगल कालिंदी ने सरकार से पूछा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार फूलो झानो योजना को और भी बेहतर तरीके से लागू करेगी। उन्होंने सदन को बताया कि उनकी सरकार ने राज्य की ऐसी महिलाओं के लिए इस योजना की शुरुआत की थी, जो हड़िया दारू बेचकर जीविका चलाती हैं। लेकिन, सरकार ने पाया कि जिन महिलाओं को इस योजना से जोड़ा गया, उन्होंने फिर से हड़िया दारू बेचना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड ही नहीं, बल्कि देश में जहां-जहां आदिवासी समाज रहता है, वहां की महिलाएं हड़िया दारू बेचती हैं।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज गरीब और उपेक्षित है। महिलाएं मजबूरी में यह काम करती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुजी का भी प्रयास था कि हड़िया दारू केवल पूजा पाठ तक ही सीमित रहे। उन्होंने कहा कि फूलो झानो योजना को और बेहतर बनाने के लिए विपक्ष भी सुझाव दे सकता है। इसके पूर्व इस मामले को उठाते हुए सूचना के रूप में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल ने कहा कि सड़क पर हड़िया दारू बेचा जाता है। उन्होंने सरकार से इस पर रोक लगाने की मांग की।

विधानसभा का बजट सत्र

बोले सीएम

- त्योहारों से पहले महिलाओं के चेहरे पर आएगी मुस्कान
- फूलो झानो योजना और बेहतर तरीके से होगी लागू

ग्रामीण विकास और वन विभाग का 98.41 अरब का बजट पारित

- मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा सरकार ने दी है ग्रामीण विकास विभाग को प्राथमिकता

नवीन मेल डेस्क

रांची। ग्रामीण विकास और वन विभाग का 98 अरब 41 करोड़ 41 लाख 61 हजार रुपए का बजट शुक्रवार को झारखंड विधानसभा में पारित हो गया। इस दौरान विपक्ष अनुपस्थित रहा। इसलिए विपक्ष के कटौती प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया। ग्रामीण विकास विभाग का 98,41,41,61,000 रुपए का बजट सदन में पेश हुआ, तो ग्रामीण कार्य विभाग का 45,76,30,73,000 रुपए का। पंचायती राज विभाग, 21,44,78,14,000 रुपए का, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग का 13,81,99,30,000 रुपए का बजट पेश किया गया। बिना कटौती प्रस्ताव के ये बजट ध्वनिमत से पारित हुए। वाद-विवाद पर जवाब देते हुए ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग एवं पंचायती राज विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण विकास विभाग को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं में पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को शिकायत नहीं करनी पड़ेगी।

मंत्री ने कहा कि विपक्ष के विधायक शशि भूषण मेहता ने भी कहा है कि पीएम आवास योजना की राशि कम है और इसे बढ़ाकर दो लाख करना चाहिए। हमारी सरकार ने अपने दम पर अबुआ आवास योजना के लिए लाभुकों को दो लाख रुपए दे रही है। यही वजह है कि विपक्ष भी हमारे प्रयासों की सराहना करता है।

शेष पेज 11 पर

बाबूलाल मरांडी बने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

रांची। भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में शुक्रवार को मान्यता मिल गई। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने उन्हें सदन में विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता प्रदान की। पिछली बार झामुमो गठबंधन सरकार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं मिल पाया था। बाद में भाजपा ने अमर कुमार बाउरी को विधानसभा में विधायक दल का नेता चुना और उन्हें प्रतिपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिली थी। विधायक बाबूलाल मरांडी को गुरुवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता चुना गया था। पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष को इस संबंध में एक पत्र से सूचित किया था।

शेष पेज 11 पर

सुप्रीम कोर्ट से गौतम अदाणी को मिली राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट मामले में गौतम अदाणी को राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि अदाणी ग्रुप की ओर से चलाए जा रहे इस प्रोजेक्ट पर कोई रोक नहीं लगाई जाएगी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह फैसला सुनाया है।

देखें पेज 12

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप 82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क +91 82923 73444 कार्यकारी संपादक।

भाजपा नेत्री सीता सोरेन पर पूर्व पीए देवाशीष घोष ने किया हमला

- सुरक्षाकर्मियों के पहुंचने से वह सफल नहीं हो पाया
- गिरफ्तार कर कोर्ट में किया गया पेश, जेल

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। भाजपा नेत्री पूर्व विधायक सीता सोरेन पर गुरुवार की रात जानलेवा हमले का प्रयास हुआ। लेकिन, हमलावर असफल रहा और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि भाजपा नेत्री सीता सोरेन कतरास के एक शादी समारोह में गई हुई थीं। वहां से लौटने के क्रम में वह धनबाद के सरायढेला स्थित एक होटल में रुकी थीं। वहां कमरे में उनका पूर्व पीए देवाशीष घोष पहले से ही हथियार के साथ मौजूद था। सीता सोरेन के कमरे में घुसते ही देवाशीष ने पिस्टल चलाने का प्रयास किया। लेकिन, मौके पर सुरक्षाकर्मियों के पहुंचने से वह सफल नहीं हो पाया और सीता सोरेन को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा। सुरक्षा गार्डों ने देवाशीष को धर दबोचा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पूर्व पीए को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को धनबाद कोर्ट में आरोपी को पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मामला पैसों को लेकर विवाद का बताया जाता हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान फंड के हिसाब-किताब को लेकर सीता सोरेन और पूर्व पीए देवाशीष घोष के बीच विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर हमले की आशंका जताई जा रही है। आरोपी देवाशीष के पास से एक पिस्टल और एक एयर गन बरामद किया गया है। सीता सोरेन जिस होटल में ठहरी थीं, वहां उनकी सुरक्षा में सीआरपीएफ और पुलिस के जवान तैनात थे। इस घटना के बाद वीआईपी सुरक्षा के इंतजाम पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

शेष पेज 11 पर

कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा पर जानलेवा हमला

- रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती, स्थिति गंभीर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कोयला के बड़े कारोबारी बिपिन मिश्रा को अपराधियों ने शुक्रवार को गोली मार दी। घटना रांची शहर के बरियातू रोड के सेंट्रल अकादमी स्कूल के पास की है। बिपिन मिश्रा को घायलावस्था मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों अनुसार अपराधियों ने बिपिन मिश्रा पर कई राउंड फायर किए। उन्हें दो गोली लगी है। उनकी कार पर भी तीन गोली के निशान मिले हैं। फिलहाल उनकी स्थिति गंभीर बताई जाती है। घटना की जानकारी मिलने के बाद बरियातू थाने की पुलिस मेडिका अस्पताल पहुंची। पुलिस सूत्रों के अनुसार फायरिंग करने वाले अपराधी अमन साहू गिरोह के हैं। बिपिन मिश्रा लंबे समय से कोयला कारोबार से जुड़े हुए हैं। उनकी कंपनी का नाम पीएनएम है। यह कंपनी कई पावर प्लांटों के लिए कोयले की ट्रांसपोर्टिंग का काम करती है। बताया जाता है कि लेवी और रंगदारी की मांग को लेकर बिपिन मिश्रा को मारने की योजना पहले भी अपराधी ने कई बार बना चुके हैं। मौके पर मौजूद आसपास के लोगों ने कहा कि पुलिस थोड़ा पहले पहुंचती, तो आरोपी को गिरफ्तार किया जा सकता था।

लातेहार के मनिका में मिला मृत लकड़बग्घा

- एनएच-39 पर वाहन के धक्के से मौत की आशंका

लातेहार। मनिका में शुक्रवार को एक मृत लकड़बग्घा मिला। यह मृत लकड़बग्घा मनिका हाई स्कूल के पीछे मिला है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और इस मामले की छानबीन की। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कुछ लोगों ने हाई स्कूल के पीछे एक जानवर को मृत पड़ा हुआ देखा। जानवर को देखकर स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई। उन्हें लगा कि मृत जानवर बाघ है। इसके बाद उन्होंने ने हल्ला मचा दिया कि बाघ की मौत हुई है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मृत जानवर को देखा। वन विभाग के अधिकारियों ने मृत जानवर की पहचान लकड़बग्घा के रूप में की।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

स्वयंवर से लेकर लिव इन तक के बीच के सशक्तिकरण का संतुलन

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

उत्तराखंड में यूसीसी कानून लागू हुआ जिससे लिव इन में रहने वाले युवा सबसे ज्यादा परेशान हैं क्योंकि उन्हें रजिस्ट्रेशन कराना पड़ेगा अन्यथा तीन महीने की जेल हो सकती है। नारी स्वतंत्रतावादी इसे निजी स्वतंत्रता बताकर हल्ला मचाने से थोड़ा संकोच कर रहे हैं क्योंकि देश का माहौल बदला हुआ है। भारत की परंपरावादी सोच में सभी जाति धर्म वर्ग और भाषा भाषी लगभग एक हैं और अपनी संस्कृति एकबारगी नहीं छोड़ सकते जबकि उदार आर्थिक नीतियों के बाद वैश्विक मंच बने भारत में हुए मीडिया हमले का निशाना वही रहा है। नारी स्वतंत्रता और लैंगिक भेदभाव रहित समाज का शोर अभिजात्य वर्ग कुछ दशकों से मचा रहा है पर सच्चाई यह है कि विदेशी आक्रमण और सैंकड़ों वर्षों की गुलामी से प्राचीन भारत के वे रीति रिवाज लुप्तप्राय हो गए जिनका उल्लेख प्राचीन इतिहास या धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। आज भी पारंपरिक या गांवों के भारत में शादी विवाह से लेकर बड़े फैसलों में अंतिम निर्णय लेने के पूर्व घर की वरिष्ठ महिला की राय को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है । सीताराम, कुंतीनंदन के संबोधन का अर्थ आज भी गांवों में जीवित है बिहार झारखंड के अनेक गांवों में किसी महिला को उनके गांव के नाम से जाना जाता है । वधू मूल्य देकर सम्मान बढ़ाने वाले जनजातीय समुदाय से लेकर सदान तक अपनी बेटियों से चरण स्पर्श नहीं कराते और उन्हें लक्ष्मी स्वरूपा मानते हैं । उरांव जनजातीय समुदाय में पुरुष वेशभूषा में महिलाओं का सशस्त्र जनी शिकार परंपरा उनके युद्ध में भाग लेने का प्रतीक है । सिनगी दई,फूलो झानो,टुसु जैसे नाम भी वीरता के प्रतीक हैं । उत्तर पूर्व भारत में तो स्त्रीप्रधान परिवार ही हैं । यदि भारत में स्त्रियां शोषित पीड़ित थीं तो क्या स्वयंवर के प्रसंग काल्पनिक हैं ? वीर भूमि राजस्थान में रानी पद्मावती के जौहर की कहानी अब लोग भूल रहे हैं पर पूरी तरह भूले नहीं हैं। शिवाजी महान को देशभक्ति की प्रेरणा उनकी माता जीजाबाई ने दी थी,बेगम हजरत महल, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बडे. उदाहरण स्थापित किए हैं।भारतीय इतिहास महिलाओं की उपलब्धि से भरा पड़ा है। आनंदीबाई गोपालराव जोशी (1865-1887) पहली भारतीय महिला चिकित्सक थीं और संयुक्त राज्य अमेरिका में पश्चिमी चिकित्सा में दो साल की डिग्री के साथ स्नातक होने वाली पहली महिला चिकित्सक रही है। सरोजिनी नायडू ने साहित्य जगत में अपनी छाप छोड़ी।बछेंद्री पाल के बाद हरियाणा की संतोष यादव ने दो बार माउंट एवरेस्ट फतेह किया।झारखंड की प्रेमलता अग्रवाल और विनीता सोरेन दोनों के नाम इतिहास में दर्ज है जिन्होने पहली और पहली आदिवासी महिला पर्वतारोही का गौरव प्राप्त किया था । सेना का नेतृत्व कर रही महिलाओं के अलावा बॉक्सर एमसी मैरी कॉम के अलावा कई महिलाओं को भारत में शीर्ष पदों पर और बड़े संस्थानों का प्रबंधन करते हुए भी देखा गया है – अरुंधति भट्टाचार्य, एसबीआई की पहली महिला अध्यक्ष, अलका मित्तल, ओएनजीसी की पहली महिला सीएमडी, सोमा मंडल, सेल अध्यक्ष, कुछ ओर नामचीन महिलाएं हैं, जिन्होनें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। निस्संदेह, महिलाएं और लड़कियां समाज में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक बदलाव की अग्रदूत हैं। जनजातीय रीति रिवाज से जुड़े क़ानूनों में अनेक समुदाय में महिलाओं को संपति के अधिकार से वंचित रखा गया है जबकि बड़े पदों से लेकर सर्वोच्च तक आदिवासी महिलाएं सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं । इस भेदभाव पर इसी समुदाय को ध्यान देना चाहिए । भारतीय कानून में महिलाओं को अनेक अधिकार प्राप्त हैं पर इनके दुरुपयोग के मामले बढ़ते जा रहे हैं जिससे सचमुच की पीड़िता को भी संदेह की दृष्टि से देखा जाता है ।विभिन्न महानगरों में घरेलू सहायिका जैसे काम करने वाली झारखंड की लाखों महिलाओं के शोषण और मानव व्यापार की कथाएं बहुत हैं । झारखंड सशक्त भी हुआ है पर समानता के नाम पर लिव इन रिलेशनशिप और ऐसी स्वच्छंदता जो पहले धन और शक्ति से अघाए हुए लोगों तक सीमित था अब पूरी बेशर्मी से महानगरों की देखादेखी गांवों तक पहुंच गया है जिनका सोचना है हमारे पास पैसा और पावर है हम ऐसा ही करेंगे तुम्हें जो सोचना हो सोचो । इस पश्चिमी संस्कृति की सोच से भारत की मौलिक संस्कृति का ताना बाना खतरे में आ गया है जहां छोटे बड़े का लिहाज और समाज का डर लगभग समाप्त होने को है। पहले फिल्मी सितारे,राजा महाराजा और आपराधिक प्रवृति के ऐसे कृत्यों पर कोई सवाल उठा नहीं पाता था पर अब सहमति से किसी भी बालिग से शारीरिक संबंध को कानूनी मान्यता मिलने से पकड़े जाने का भी भय नहीं रहा । भारतीय कानून महिलाओं को पीड़ित और रक्षा देने की भावना से बनाए गए हैं पर शादी कर ससुराल वालों पर झूठे मुकदमे दर्ज कराकर करोड़ों ऐंठने या ब्लैकमेल करने के मामले महानगरों में आम हैं । कोर्ट ने कई बार दहेज कानूनों के दुरुपयोग पर टिप्पणी की है। आवश्यक है समाज,कानून निर्माता और महिलाएं खुद आगे आएं ताकि पीड़िता को न्याय भी मिले पर निर्दोष को सताया भी न जाए।

21 से 23 मार्च को संघ की बैठक में एनआरसी पर हो सकती है चर्चा

ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, 21 से 23 मार्च तक होगी। इसमें राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को लेकर चर्चा हो सकती है कि इसे पूरे देश में कैसे लागू किया जाए। संघ के कुछ लोगों का कहना है कि घुसपैठियों की वजह से देश के कई राज्यों में डेमोग्राफी काफी बदल गई है। जैसे, झारखंड में मुसलमानों की तुलना में ईसाई आबादी तेजी से घट रही है। अरुणाचल प्रदेश में बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ के चलते डेमोग्राफी में बदलाव हुआ है। इसलिए घुसपैठियों को देश से बाहर निकालना केंद्र सरकार का कर्तव्य बनता है। इसके मद्दे नजर संघ कुछ विशेष राज्यों में एनआरसी लागू करने पर भी चर्चा कर सकता है। इस बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत सहित उनके बाद दूसरे बड़े नेता दत्तात्रेय होसबोले व संघ के सभी पदाधिकारी इस बैठक में शामिल होंगे। इसमें भाजपा अध्यक्ष व पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हो सकते हैं। यदि तब तक नड्डा की जगह कोई भाजपा का नया अध्यक्ष बना दिया जाता है, तो वह वहां जाएगा।

अक्टूबर 2019 में संघ की एक कार्यकारी मंडल की बैठक के दौरान भुवनेश्वर में संघ के तब के महासचिव सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा था कि एनआरसी बनाना हर सरकार का काम है। कई तरह की घुसपैठ हुई है। इसलिए एक बार एनआरसी बनाना और उन सभी लोगों की पहचान करना महत्वपूर्ण है, जो भारतीय नागरिक नहीं हैं, और फिर उनके बारे में क्या किया जाना चाहिए, यह तय करने के लिए एक नीति भी बनानी चाहिए।

शेष पेज 11 पर

रांची विश्वविद्यालय का 38वें दीक्षांत समारोह, बोले राज्यपाल

नवाचार, शोध और व्यावहारिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करें विद्यार्थी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल-सह-रांची विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, नैतिकता और समाज के प्रति संवेदनशीलता की सीख देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार, शोध और व्यावहारिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

बेटियों की सफलता और आत्मनिर्भरता : उन्होंने स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली बेटियों की सराहना करते हुए कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोले हैं।

अमीश विश्वनाथ को मिले 2 स्वर्ण पदक

रांची विवि के दीक्षांत समारोह में अमीश विश्वनाथ को 2 स्वर्ण पदक मिले। पदक विधि में सर्वश्रेष्ठ स्नातक व एलएलबी में देवी प्रसाद मेमोरियल स्वर्ण पदक मिला। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति की उपस्थिति में पदक प्रदान किए। अमीश विश्वनाथ आकाशवाणी रांची के कार्यक्रम अधिशासी मनोज कुमार के पुत्र हैं। अमीश विश्वनाथ को स्कूली दिनों में 3 राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।

शोध व नवाचार पर जोर : राज्यपाल ने झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों के सतत विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय को जनजातीय समाज, पर्यावरण, जैव विविधता और पारंपरिक चिकित्सा जैसे विषयों पर अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका : राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'न्यू इंडिया' और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की दिशा में हो रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने युवाओं से ह्यविकसित भारतह्न के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देने की अपील की। झारखंड के स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, फूलो-झानो, नीलांबर-पीतांबर जैसे वीरों के संघर्ष केवल इतिहास नहीं, बल्कि प्रेरणा के स्रोत हैं।

आंखो देखा सदन

मानव शृंखला व उनकी मांगों पर होगा विचार : विस अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र 2025-26 में शुक्रवार को सदन शुरू होने के साथ ही सरना समिति की मानव शृंखला और उनकी मांगों पर विचार करने का आग्रह लोहरदगा विधायक रामेश्वर उरांव ने की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने मानव शृंखला स्वंय देखने की बात कही और कहा कि सरहुल महापर्व पर किसी प्रकार की बाधा न हो इसके लिए आवश्यक उपाय किए जाएंगे।

सत्र में प्रश्नकाल में अल्पसूचित प्रश्नों की संख्या 14 थी जिसमें सरकार ने 3 प्रश्नों का उत्तर दिया और 11 प्रश्न अनागत रहे। वहीं तारांकित प्रश्नों की संख्या 48 रही जिसमें 6 प्रश्नों के उत्तर दिए गए अपृष्ट प्रश्न 2 और अनागत प्रश्न 40 रहे। वहीं शून्यकाल में विधायकों ने सूचनाएं पढ़ी जिसमें ट्रैफिक व्यवस्था, चौकीदार बहाली, बिजली की समस्या, स्थानीय नीति, पर्यटक स्थल

विकसित करने, कुम्हार शिल्पकार के लिए माटी कला बोर्ड की पुनर्स्थापना, पत्थर लीज से ज्यादा क्षेत्र में खनन, क्रशर संचालकों द्वारा अवैध खनिज उपयोग से राजस्व को क्षति, भूमि का ऑनलाइन रसीद कटने का मामला, हाथियों से सुरक्षा, जल जीवन मिशन की योजनाओं में अनियमितता, अग्निशमन वाहनों में वृद्धि, उत्पाद सिपाही की नियुक्ति, जिला पुलिस की नियुक्ति, पथ निर्माण की मांग, नहर टूटने की घटना, जल कटाव रोकने के लिए गार्डवाल जैस बातें चर्चा में रही।

वहीं ध्यानाकर्षण सूचना में जल जीवन मिशन की भारी अनियमितता के मामले जिसमें सभी संवेदकों द्वारा घटिया निर्माण की बात कही गई। मानक गहराई से कम बोरिंग किया गया है इसपर मंत्री ने कहा कि पांच प्रकार के मॉडल है किस मॉडल की गड़बड़ी की बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 52 योजना निर्माणाधीन है,जहां गड़बड़ी होगी जांच होगी। विदित हो कि पूरे राज्य में गड़बड़ी की बात सदन में उठी थी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींन्द्रनाथ महतो द्वारा सदन में घोषणा की गई कि बाबूलाल मरांडी को भाजपा ने अपना नेता प्रतिपक्ष चुना है।

एक नजर

एनपीयू के कुलपति राज्यपाल से मिले

रांची। राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को नीलाम्बर-पीताम्बर विवि, पलामू के नवनियुक्त कुलपति डॉ डीके सिंह ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने डॉ सिंह से कहा कि नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने के लिए व्यापक प्रयास करें। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा सुलभ कराने, एकेडमिक कैलेंडर का पालन करने तथा सत्र के नियमितीकरण के निर्देश दिए।

दलितों व आदिवासियों की समस्याओं का नहीं हो रहा समाधान : विजय

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने सिरम टोली के मुख्य द्वार पर फ्लाई ओवर से रैम्प हटाने की मांग को लेकर आदिवासी समाज द्वारा मानव शृंखला बना कर आंदोलन करने पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होने कहा कि आदिवासी समाज लगातार इस समस्या के समाधान को लेकर आंदोलित है। आन्दोलन का असर यह है कि मंत्री चमरा लिंडा एवं खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने आदिवासी समाज के बीच जाकर उक्त स्थल का निरीक्षण किया। साथ पथ निर्माण विभाग के रांची प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को स्थल पर बुलाकर सब समझाया। वहीं इसके सामाधान का भी निर्देश दिया। खुद मंत्री चमरा लिंडा और विधायक राजेश कच्छप ने सीएम से मिलकर आदिवासी समाज के भावनाओ से अवगत कराया।

जेपीएससी अध्यक्ष ने राज्यपाल से की भेंट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के नवनियुक्त अध्यक्ष एल. खियांग्ते ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने उन्हें आयोग के कार्यों की समीक्षा कर झारखंड लोक सेवा आयोग को नियुक्ति प्रक्रिया में गति, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने को कहा ताकि आयोग अपनी खोई हुई विश्वसनीयता प्राप्त करे, जिससे जनमानस में इसकी छवि बेहतर हो और विद्यार्थियों की शिकायतें दूर हों।

चान्हो में हुई हत्या का मामला सदन में गूंजा

रांची। रांची के चान्हो थाना क्षेत्र के एक आश्रम में अपराधियों द्वारा साधु सहित दो लोगों की निर्मम हत्या करने के मामले को विधायक नवीन जायसवाल ने शुक्रवार को विधानसभा में उठाया और संसदीय कार्य मंत्री से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में साधु-संन्यासी भी सुरक्षित नहीं हैं। यह हत्या लूट के लिए नहीं, बल्कि किसी और कारण से की गयी है। उन्होंने सरकार से इस बाबत जवाब मांगा है। संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया की चार अपराधियों की गिरफतारी हो चुकी है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वरीय पुलिस पदाधिकारी से जानकारी लूंगा कि इस घटना में किसकी संलिप्तता है। इस तरह के आपराधिक घटनाओं की पुर्नरावृति न हो इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

नशीली दवाओं की खरीद फरोख्त का आरोपी हुआ गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। टाटीसिलवे थाना में दिवा गश्ती के दौरान सूचना मिली की सरला-बिरला विद्यालय महिलौंग के पास कुछ असमाजिक तत्व के लोगों के द्वारा नशीली दवा का बिक्री नशा के आदि लोगों एवं विद्यालय के छात्रों के पास किया जाता है। प्राप्त सूचना से वरीय पदाधिकारी को अवगत कराया गया और वरीय पदाधिकारी के निर्देशन पर वरीय पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन कर छापेमारी किया गया और एक मोटर साईकिल के साथ एक अभियुक्त शहबाज खान को गिरफ्तार किया। उसके पास से

मोटर साईकिल में सफेद प्लास्टिक के थैला में टंगा बिक्री करने ले जा रहे ऑनरेक्स कफ सिरप 100 मिली का कुल 75 बोतल तथा विंस्पासमों फिरटि कैप्सूल का एक पैकेट जिसमें 06 पत्ता कैप्सूल, प्रति पत्ता 24 पीस कुल 144 पीस कैप्सूल बरामद किया गया, जिसे विधिवत जब्त किया गया तथा अभियुक्त शहबाज खान को गिरफ्तार किया गया। अनुसंधान के दौरान संलिप्त एक अन्य अभियुक्त गुड्डु खान को भी उसके घर से गिरफ्तार किया गया है।

हाईकोर्ट के जस्टिस नवनीत कुमार का अंतिम कार्य दिवस 20 मार्च को

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस नवनीत कुमार 20 मार्च गुरुवार को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। वह 20 मार्च को अंतिम दिन कोर्ट करेंगे। जस्टिस नवनीत कुमार 8 अक्तूबर 2021 में झारखंड हाईकोर्ट के जज बने थे। हाईकोर्ट के जज के रूप में पदोन्नति होने तक वह न्यायायुक्त रांची के पद पर कार्यरत रहे। वह मूलतः बिहार के भोजपुर जिला निवासी है। उनका जन्म 20 मार्च 1963 को हुआ। उन्होंने सेंट जॉन्स हाई स्कूल, रांची से मैट्रिक की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची से इंटरमीडिएट और स्नातक की पढ़ाई की।

बाबूलाल से मिले राजेंद्र प्रसाद, दी बधाई

ओबीसी की फर्जीवाड़ा सर्वेक्षण को विस में उठाने का किया आग्रह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद शुक्रवार को बाबूलाल मरांडी से उनके आवास पर मुलाकात की और विधायक दल के नेता बनने पर उन्हें बधाई दी। राजेन्द्र प्रसाद ने श्री मरांडी से कहा कि ट्रिपल टेस्ट के नाम पर ओबीसी का फर्जीवाड़ा सर्वेक्षण हो रहा है इसका भंडाफोड़ हुआ है।

ओबीसी का सही तरीके से सर्वेक्षण होना चाहिए जिससे सही जनसंख्या आंकड़ा संग्रहित किया जा सके।

राजेन्द्र प्रसाद ने बाबूलाल मरांडी से फर्जीवाड़ा सर्वेक्षण के मामले को गंभीरता से लेते हुए इस विषय को विधानसभा में उठाने का आग्रह किया। श्री मरांडी ने राजेन्द्र प्रसाद को आश्वस्त किया कि इस मामले को वे विधानसभा में भी उठाएगें और भाजपा संगठन स्तर पर भी मुद्दा बनाने की बात कही।

सुनील ने बाबूलाल को दी बधाई

रांची। बाबूलाल मरांडी को विधायक दल के नेता चुने जाने पर भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सुनील कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड विधान सभा को विपक्ष के नेता के रूप में एक सशक्त नेतृत्व की जरूरत थी, जिसे बाबूलाल मरांडी इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। बाबूलाल मरांडी झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री रहे हैं, उन्होंने हमेशा राज्य के विकास और जनता के हितों को प्राथमिकता दी है। उनके पास प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ राज्य की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों की गहरी समझ है, जो झारखंड को प्रगति के नए रास्ते पर ले जाने में सहायक होगी। वे दूरदर्शी, सशक्त संगठनकर्ता और स्वच्छ छवि के जननायक हैं। उनका नेतृत्व झारखंड में सुशासन, पारदर्शिता और विकास को नई दिशा देगा। श्री सिंह ने कहा कि श्री मरांडी के नेतृत्व में भाजपा सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाएगी, और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

जन औषधि केंद्रों पर भाजपा सांसदों ने मनाया जन औषधि दिवस

मोदी सरकार सस्ती स्वास्थ्य सेवा के लिए समर्पित : दीपक प्रकाश

मार्च 2027 तक देश भर में 25000 औषधि केंद्र हो जाएंगे : आदित्य साहू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के निर्देश पर शुक्रवार को भाजपा के सांसदों ने जन औषधि केंद्रों का अवलोकन किया, लाभुकों से बात की और सस्ती दवाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी प्राप्त की।

सांसद दीपक प्रकाश ने बताया कि मोदी सरकार जनता को सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने केलिए संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से जनता को जन औषधि केंद्र पर सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। यह केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। प्रधानमंत्री ने 7 मार्च को जन औषधि दिवस घोषित किया है।

कहा कि देशभर 1 से 7 मार्च तक जन औषधि के प्रति जनता को जागरूक करने की दृष्टि से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे। जिसमें सांसद विधायक, जन प्रतिनिधियों के द्वारा जन औषधि केंद्रों पर जाकर जनता को जागरूक करना एवं विस्तृत जानकारी देने का कार्यक्रम चलाया जा रहा।

कहा कि जन औषधि केंद्रों पर 2047 जेनरिक और 300 सर्जिकल उत्पाद ब्रांडेड कंपनियों की दवाओं की तुलना में 70 से 80% सस्ते दामों पर उपलब्ध हैं जिसका लाभ जनता को प्राप्त करना चाहिए।

रिम्स परिसर स्थित जन औषधि केंद्र का अवलोकन करते हुए सांसद आदित्य साहू ने कहा कि देश भर में लगातार जन औषधि केंद्रों से दवा खरीदने के प्रति जनता जागरूक हो रही। क्योंकि दवाएं सस्ती हैं। यहां शुगर, बीपी ,हृदय रोग, किडनी आदि की दवा सस्ते दामों में उपलब्ध है जिसके खासकर गरीबों को बड़ा लाभ मिल रहा। कहा कि देश भर में प्रतिवर्ष जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ रही है। फरवरी 2025 तक देश भर में 15 हजार जन औषधि केंद्र खुले हैं जिसकी संख्या मार्च 2027 तक 25000 हो जाएगी। कहा कि जन औषधि केंद्रों ने पिछले दस वर्षों में देश का 30 हजार करोड़ रुपया बचाया है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

घर, परिवार, समाज और सरकार संभाल रही आधी आबादी को है समानता की आस

नवीन मेल संवाददाता । रांची । 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला संगठनों, मीडिया और नेताओं के बड़े बड़े बयान महिलाओं को समानता दिलाने के नाम पर देखने को मिलते हैं। 1975 से जब से समान काम के लिए समान वेतन और सम्मान की लड़ाई आज के दिन से मान्यता मिली है तबसे महिलाओं की स्थिति में निश्चित रूप से सुधार आया है। विज्ञापनों और धन वैभव के प्रदर्शनों में सजावटी वस्तु के रूप में प्रदर्शित नारी चौक चौराहों पर ट्राफिक संभालने से लेकर सेना की कमान संभालने तक कार्य करती हुई दिख रही है। पर क्या झारखंड में आज भी सामान कार्य के लिए समान वेतन की लड़ाई लड़ रही महिलाएं और जो मुखर है क्या उनका परिवार, समाज और सरकारों ने वो अधिकार दिया।

इस बार हर बच्ची को शिक्षित करना हो संकल्प : डॉ भूमिका सच्चर

मनोवैज्ञानिक डॉ भूमिका ने कहा कि बोलने के लिए महिलाओं की समाजिक जगह और परिस्थितियां पहले के मुकाबले बेहतर हुई है, पर पिछड़े वर्गों में और अशिक्षित वर्गों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। नगरों और महानगरों की महिलाएं पुरुषों से कंधों से कंधा मिला रही है, कई क्षेत्रों में आगे भी बढ़ रही है। यही विजय गाथाएं हमारे अखबार, समाचार और सोशल मीडिया सुनाते हैं। पर सच्चाई कुछ और ही बयां करती है। महिलाओं पर अत्याचार और शोषण चरम पर हैं। ये कहानियां अखबारों-समाचारों से गुम होती जा रही है। शिक्षा ही एकमात्र जरिया है महिलाओं को सामाजिक अधिकार और न्याय दिलाने का। इस बार महिला दिवस के मौके पर हर बच्ची को शिक्षित करना हर भारतीय का दृढ़ सकल्प होना चाहिए।

क्या कहती है महिलाएं

महिला दिवस पर झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी। हाई कोर्ट अधिवक्ता आरविंद लाल ने उठाया सवाल कहा- आदिवासी महिलाओं के लिए बराबरी की सिर्फ बात होती है बराबरी का अधिकार नहीं मिलता है।

आदिवासी महिलाओं के साथ होता है सौतेला बर्ताव : संयुक्ता एक्का

दिव्यांग खिलाड़ी संयुक्ता एक्का ने कहा- महिलाओं को सम्मान देने का यह सराहनीय कदम है लेकिन आज भी कई ऐसी महिलाएं हैं जो पहचान पाने की मोहताज है। आज दुनिया में कहीं भी कोई महिला अगर कोई अच्छा या यूनिक काम करे तो उसे सराहना और सपोर्ट मिलता है लेकिन हम आदिवासी महिलाओं का पराए तो पराए अपने भी साथ देने से कतराते हैं। ऐसे में कैसे हम आगे बढ़ेंगे? ऐसे सौतेले रवैए के कारण ही आज आदिवासी महिला मुश्किल से आगे बढ़ पाती है। ऐसा नहीं है कि हममें काबिलियत नहीं है लेकिन हमें आगे बढ़ाने की सहूलियत भी कहां हैं? हर एक चीजz का ज्ञान रखने वाले आदिवासी भाई-बहनों से आज मैं ये पूछना चाहूंगी कि कितनों को यह जानकारी है कि आपके गांव- शहर से ही नौ दिव्यांग आदिवासी महिलाओं का चयन प्रथम एशिया थ्रो बोल के लिए हुआ है?

आदिवासी महिलाओं को मिलना चाहिए समान अधिकार : आरविंद लाल

झारखंड की आदिवासी महिलाओं के अस्तित्व और अधिकार पर हाईकोर्ट अधिवक्ता अरविंद लाल ने कहा कि आदिवासी दो प्रकार के होते हैं। जिसमे अनुसूचित जनजाति और आदिवासी होते हैं। अनुसूचित जनजाति सभी आदिवासी नहीं होते हैं। आदिवासियों के लिए शेड्यूल ट्राइब के ऊपर हिन्दू अधिकार अधिनियम लागू नहीं होता है। सेक्शन 2 के अनुसार आदिवासियों पर हिन्दू अधिनियम तब तक लागू नहीं होगा जब तक केंद्र सरकार अलग से नोटिफाई नहीं कर लेती है। 1956 की धारा 2(2) धारा के कारण, अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को अपने पिता या हिंदू अविभाजित परिवार की पैतृक संपत्ति पाने के समान अधिकार नहीं मिलते। उन्होंने बताया कि यदि कोई महिला हिन्दू से विवाह करती हैं और किसी कारण वश तलाक हो जाए तो उन पर हिन्दू मैरिज एक्ट लागू नहीं होगा बल्कि उन्हें अपने ट्राइब में वापस जाना होगा। उन्होंने कहा इन सबमें सवाल यह है कि यदि वक्त बदल रहा है तो सबको एक सामान अधिकार मिलना चाहिए। वहीं आदिवासी के ट्रेडिशनल के अनुसार आदिवासी महिलाओं को चाहे वह बेटी हो या पत्नी इनका अपने पिता के जमीन संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है।

अनुसूचित जाति की महिलाओं को नहीं मिलता उत्तराधिकारी का दर्जा : प्रतिमा

8 मार्च को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए, महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों एवं कठिनाइयों की सापेक्षता के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। चुकी मैं एक दिव्यांग के साथ अनुसूचित जाति से आती हूं। झारखंड मे महिलाओं के लिए अनेक योजना बनी किन्तु कुछ जमीनी स्तर पर उतरी और कुछ कागजों मे सिमट गई। आज भी झारखंड में अनुसूचित जाति के महिलाओं को खतियानी जमीन में उत्तराधिकारी का दर्जा नहीं दिया जाता है। समाज में अभी भी लोग पुरखा के नियमों का पालन करते आ रहे है। कुछ भागों में अभी भी लोग जमीन जायदाद के लिए महिलाओं को डायन बिसाही बोल कर बेघर कर देते हैं। सरकार को ग्रामीण और विशेषकर आदिवासी महिलाओं का संरक्षण में ज्यादा ध्यान देने की अवश्यकता है। उन्होंने कहा मैं एक दिव्यांग खिलाड़ी के तौर पर सरकार से यही अपेक्षा करती हूं की महिला घर की बेटी, बहू, मां और बहन के साथ अनेक जिम्मेददारी को संभालती है। उन्हें उनके काबलियत के हिसाब से आंकलन कर पूर्ण सहयोग करने की अवश्यकता है। जो झारखंड के साथ देश का नाम रौशन कर सके। जरूरत है तो सिर्फ उन्हे हौसला बुलंद करने की।

महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्रता देने के लिए आगे आना होगा : पुष्पा मिंज

दिव्यांग खिलाड़ी पुष्पा मिंज ने कहा कि यह दिन महिलाओं के अधिकारों और उनकी सफलता का उत्सव है। इस दिन महिला सशक्तिकरण और समानता पर ध्यान केंद्रीत किया जाता है। महिलाओं ने समाज में कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की है। यह दिन समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आज भी महिलाओं को समान अवसर नहीं मिलते हैं। समाज के हर व्यक्ति को महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्रा देने के लिए आगे आना होगा। एक सशक्त महिला ने केवल अपने परिवार ही नहीं बल्कि पूरे समाज को आगे बढ़ाने में मदद करती है।

महिलाओं को कार्यक्षेत्र में मिलनी चाहिए समानता : असुंता टोप्पो

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग खिलाड़ी असुंता टोप्पो ने कहा कि 8 मार्च को महिला दिवस के रूप में मनाएं और उनकी समानता और समृद्धि के लिए काम करें। महिलाएं समाज में समानता और न्याय की लड़ाई लड़ रही है। उनकी सहस्ता, समर्पण और संघर्ष को पहचान और सम्मान देना जरूरी है यह उनका अधिकार है। ऐसी महिलाएं भी हैं जो बहुत ही निचले स्तर पर अभी भी जीवन यापन कर रही हैं। महिलाओं को किसी भी क्षेत्र में समानता मिलना चाहिए। खास कर कार्यक्षेत्र में ताकि वह अपने परिवार का समर्थन कर सकें।

आदिवासी संगठनों ने बनाई मानव शृंखला फ्लाईओवर रैंप हटाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। रांची

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में केंद्रीय सरना स्थल सिरमटोली के सामने फ्लाईओवर के रैम्प को हटाने की मांग को लेकर विशाल मानव शृंखला बनाई गई। यह शृंखला हरमू रोड श्रद्धानंद चौक से हरमू मैदान तक विभिन्न आदिवासी संगठनों द्वारा बनाई गई। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड के आदिवासी मामलों में आदिवासी मुख्यमंत्री सोया हुआ है। सिरमटोली फ्लाईओवर मामला में राज्य सरकार के मंत्री आदिवासी समाज को बरगलाने एवं झूठे वादे कर रहे हैं। हेमंत सरकार के अबुआ सरकार में सिर्फ बाबूआ की पूछ है। हेमंत सोरेन सरकार के द्वारा केंद्रीय सरना स्थल से छेड़छाड़ करना आदिवासी समाज के साथ बहुत बड़ा आघात है। प्रकृति महापर्व सरहुल पर्व से पहले इस मामला को ठीक नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आदिवासी समाज आंदोलन करने पर बाध्य होगा जिसका जवाबदेही राज्य सरकार की होगी। मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि फ्लाईओवर के रैम्प को शीघ्र अति शीघ्र सरहुल महापर्व से पूर्व हटा दिया जाए। ताकि जुलूस में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। भविष्य में आदिवासियों का किसी भी तरह का धार्मिक सामाजिक स्थलों को छेड़छाड़ ना करें सरकार। चडरी सरना समिति के प्रधान महासचिव सुरेन्द्र लिंडा ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री आदिवासी समाज के होते हुए भी आदिवासी समाज के धार्मिक स्थल का अतिक्रमण होना बड़े ही दुर्भाग्य की बात है। यह तो सिर्फ उपस्थित है अगर हेमंत सोरेन सरकार इस समस्या का समाधान नहीं करती है तो पोकलेन मशीन ले जाकर सरना सेवकों द्वारा स्वयं फ्लाईओवर रैम्प को हटाने का कार्य करेगी इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से चडरी सरना समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा प्रधान महासचिव सुरेन्द्र लिंडा चडरी सरना समिति के मुख्य सलाहकार कुमोद कुमार वर्मा बादल नायक विकास उरांव नाइन लिंडा प्रेम लिंडा महादेव उंराव विकास सांगा आशीष लिंडा विजय नायक आर्यन छतरी आदि उपस्थित थे।

● आदिवासी मामलों में आदिवासी मुख्यमंत्री सोया हुआ है : बबलू मुंडा

मानव श्रृंखला की गूंज विधानसभा में

रांची। सरना समिति द्वारा निर्मित मानव शृंखला की गूंज विधानसभा में पहुंची। लोहरदगा विधानसभा के विधायक रामेश्वर उरांव ने सदन में सरना समितियों द्वारा बनाए गए मानव शृंखला की बात बताई। इसपर विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने कहा कि मैने भी वह मानव शृंखला देखी है। सरहुल महापर्व में बाधा उत्पन्न न हो इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

अग्रसेन भवन में हुआ बसंत मेला के पोस्टर का विमोचन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के तत्वाधान में 19वां तीन दिवसीय बसंत मेला का आयोजन 25,26 एवं 27 मार्च को महाराजा अग्रसेन भवन में किया जा रहा है। मेले में कुल 50 स्टॉल लगाए जा रहे हैं। विभिन्न जगहों से महिला उद्यमी अपने एक्सक्लूसिव सामानों को लेकर आ रही है। जैसे कुर्ती, बच्चों का सामान, हैंडमेड आइटम, ज्वेलरी, भगवान का पोशाक, अपने हाथों से बने अचार, पापड़, मंगोड़ी इत्यादि सामग्रियों का स्ट्रॉल लगाया जा रहा है। उद्यमी महिलाएं रांची, कोलकाता, जामताड़ा, पुरुलिया, पटना, जमशेदपुर से महिलाएं स्टॉल लगाने के लिए आ रही है। गणगौर के अवसर पर एक ही मंच के नीचे महिलाओं को कई सारी शॉपिंग करने का आनंद मिलेगा। साथ ही फूड स्टॉल का स्वाद भी मिलेगा। उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी रीना सुरेखा ने बताया कि बसंत मेला को सफल बनाने के लिए प्रचार प्रसार के लिए एक पोस्टर का विमोचन अग्रसेन भवन में किया गया।

सीसीएल ने आयोजित की स्वयं सहायता समूहों की प्रदर्शनी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-विक्रय का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य उन महिलाओं की प्रेरणादायक यात्रा का जश्न मनाना था, जिन्होंने एसएचजी के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति सशक्त बनाई और सामाजिक प्रगति में योगदान दिया। इस कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय, भारत सरकार की अपर सचिव पिंदर बरार , कोल इंडिया लिमिटेड के निदेशक (एचआर) विनय रंजन, विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के निदेशक और सीएमडी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से) उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पद्मश्री चामी मुर्मू, जो झारखंड की प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं 'लेडी टार्जन' के नाम से जानी जाती हैं, ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सीसीएल के सीएमडी, निदशेक मंडली एवं सीवीओ भी मंच पर मौजूद रहे।

● स्वर्ण जयंती समारोह में सीसीएल ने पेश की महिलाओं की सफलता की कहानी

सीएसआर परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

सीसीएल की सामुदायिक सेवा प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, रुपिंदर बरार ने दो महत्वपूर्ण सीएसआर परियोजनाओं शांति सदन वार्ड और आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन किया।

जिला प्रशासन अब सीधे सुनेगा समस्याएं

रांची। रांची जिला प्रशासन आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग कर रहा है। अबुआ साथी हेल्पलाइन (9430328080) के जरिए समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, और अब प्रशासन एक नए मंच टॉक टू डीसी की शुरूआत करने जा रहा है। इस पहल के तहत ग्रामीण अपनी समस्याएं सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्रों से दर्ज कर सकेंगे। शिकायतों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रांची के उपायुक्त (ऊउ) मंजूनाथ भजंत्री स्वयं सुनेंगे। इसके लिए पंचायत भवनों में लोगों को एकत्र होने की सुविधा दी जाएगी, जहां वे सीधे अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के नोडल अधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी भी जुड़ेंगे।

मां भगवती ने शताक्षी रूप में दुर्गमासुर दैत्य का वध कर मां देवी दुर्गा के नाम से अमर हो गईं : देवी

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो दशभुजी मां देवी दुर्गा मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सातवें दिन देवी रश्मि किशोरी ने श्री मद देवी भागवत कथा के दौरान राजा हरिश्चंद्र की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट राजा हरिश्चंद्र अपने सत्य वचन के प्रति संकल्पित थे। एक बार उन्होंने विश्वामित्र मुनी से उनके कामना यज्ञ को रोकने की प्रार्थना की तो विश्वामित्र को काफी दुःख पहुंचा। उन्होंने राजा हरिश्चंद्र से कहा कि मैंने तुम्हारे पिता के लिए बहुत कुछ किया। लेकिन तुमने उसका मान भी नहीं रखा। विश्वामित्र ने मन ही मन इसका बदला लेने की ठान ली। उन्होंने एक बार सुअर बनकर राजा हरिश्चंद्र के सामने आ गए। राजा हरिश्चंद्र के सैनिक सुअर का शिकार करने के लिए निकल पड़े। कई बार सूअर अदृश्य हो जाता, कई बार दिखाई देता। लेकिन अचानक फिर ओझल हो गया। तभी विश्वामित्र प्रकट हो गए और कहा कि उसे छोड़ दो। तब हरिश्चंद्र ने कहा कि आज तो मैं उसे मारकर रहूंगा। चाहे इसके लिए मुझे कोई भी मूल्य चुकाना पड़े। विश्वामित्र ने कहा कि अपना वचन याद रखना। मैं जो मागूंगा तुम्हें देना पड़ेगा। राजा हरिश्चंद्र ने कहा कि मुनीवर मैं अपने वचन के लिए पक्का हूं। विश्वामित्र यही चाहते थे। बाद में उन्होंने राजा हरिश्चंद्र के पास पहुंचकर उनका सारा राजपाट, धन दौलत सब मांग लिया और कहा कि इतना ही नहीं अतिरिक्त धन दौलत भी देना पड़ेगा।

राजा हरिश्चंद्र को अपना वचन पूराने के लिए अपनी पत्नी व पुत्र को बेचना पड़ा

आखिरी वचन पूरा करने के लिए राजा हरिश्चंद्र को अपनी पत्नी तारा और पुत्र को भी बेचना पड़ा। कथावाचिका ने हरिश्चंद्र की पूरी कथा सुनाई। कथा स्थल पर लोगों की आंखें भर आई। फिर दशभुजी मां देवी दुर्गा मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सातवें दिन देवी रश्मि किशोरी ने श्री मद देवी भागवत कथा के दौरान दुर्गमासुर नामक महादैत्य के उपद्रव की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल मे दुर्गमासुर नामक महादैत्य के उपद्रव से तीनों लोकों मे हाहाकार मच गया और सौ वर्षो तक जल की वर्षा नही हुई। संपूर्ण पृथ्वी पर भयंकर अकाल पड गया। तब देवता गण महादेवी का ध्यान, जप, पूजन और स्तुति करने के विचार से हिमालय पर्वत पर गये। देवी भुवनेश्वरी के प्रकट होने पर स्तुति करते हुए बोले हमारे समक्ष घोर संकट उपस्थित हैं आप ही इससे हमारी रक्षा कर सकती हैं। देवताओं के अनुनय विनय के बाद देवी ने अपने अद्भुत रूप के दर्शन कराये जिनकी देह पर सौ आंखे थी। माता पार्वती ये स्वरूप नीले रंग का था और आंखे नीलकमल के सदृश्य थी। चारों भुजाओं मे कमल धनुष बाण और शाक- समूह धारण किये हुए थी। माता के सौ नेत्रों से नौ दिन तक अश्रु वृष्टि हुई और संपूर्ण धरातल हरी- भरी हो गई। नदियां, तालाब आदि जल से परिपूर्ण हो गये। सौ नयनों से देखने के कारण देवी का स्वरूप शताक्षी देवी नाम से सदा के लिए अमर हो गया। मां शताक्षी देवी जगत जननी जगदंबा आदिशक्ति भुवनेश्वरी माता का ही एक स्वरूप है।

एक नजर

बालू का अवैध परिवहन करते छह ट्रैक्टर जब्त

खूंटी। तोरपा की अंचलाधिकारी पूजा बिन्हा की ओर से बालू के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ शुक्रवार को चलाये गये अभियान के दौरान डोड़मा-कुदरी रोड पर छाता नदी से छह ट्रैक्टर को जब्त किया गया। इनमें पांच बालू लदे और एक खाली ट्रैक्टर जब्त किया गया। साथ ही एक हाइवा भी पकड़ा गया। अंचलाधिकारी पूजा बिन्हा ने बताया कि अवैध बालू खनन करने वालों के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान कुदरी की छाता नदी से अवैध बालू खनन कर रहे छह ट्रैक्टर को देखा गया। ग्रामीणों की सूचना के आधार पर सभी ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। वन विभाग ने भी तोरपा थाना क्षेत्र के ईचा जंगल से बालू लदे एक हाइवा को जब्त किया है।

पीएलएफआई नक्सली महावीर गोप गिरफ्तार

खूंटी। रनिया थाना की पुलिस ने शुक्रवार को प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआइ के सक्रिय नक्सली महावीर गोप को गिरफ्तार किया। महावीर को पुलिस ने शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। महावीर गोप के खिलाफ पहले से ही जरियागढ़, कामडारा और कर्रा थाने में हत्या, आर्म्स एक्ट, नक्सली गतिविधि सहित अन्य संगीन मामलों को लेकर पांच मामले दर्ज हैं। महावीर गोप जरियागढ़ थाना क्षेत्र के बकसपुर किनुई टोली गांव का रहने वाला है। छापेमारी दल में तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, रनिया थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल, जरियागढ़ थाना प्रभारी राजू कुमार, कर्रा थाना प्रभारी मनीष कुमार और जैप तथा रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

राष्ट्रीय लोक आदालत आठ को

खूंटी। व्यवहार न्यायालय खूंटी में आठ मार्च को होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि आठ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। प्रधान जिला जज ने बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में इंश्योरेंस से संबंधित अधिक से अधिक वादों का निष्पादन करने में सहयोग करें और वैसे लोग जिनका मामला न्यायालय में लंबित है और वाद सुलहनीय है वे अपने वादों का निष्पादन करा सकेंगे। प्रधान जिला जज ने लोगों से अपील की है कि वे मामले के निष्पादन के लिए व्यवहार न्यायालय अवश्य पहुंचे और न्यायालय में चल रहे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन कराएं। डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित बैठक लगातार हो रही है और कुछ मामलों का निष्पादन प्रि-कॉन्सिलिएशन बैठकों के माध्यम से गत आठ जनवरी से ही जारी है।

खेल प्रतियोगिता से बच्चों का होता है शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक विकास

खलारी। शिक्षा विभाग झारखंड के आदेशानुसार खलारी प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा एक से पांच तक के बच्चों के बीच खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत पीएमश्री राजकीय मध्य विद्यालय खलारी के प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के बीच खेल प्रतियोगिता कराया गया। प्रतियोगिता में बोरा दौड़, रस्सी कूद, बैलून दौड़, चम्मच दौड़, बिस्किट दौड़ कुर्सी दौड़, तीन पैर वाला दौड़, 30 मीटर का दौड़ सहित अन्य खेल कराए गए। बीपीओ सरवरीनाथ चौरसिया ने कहा कि खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ खेल के प्रति रुचि व उनका बौद्धिक और मानसिक विकास करना है। विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तरा कुमार ने कहा कि इस तरह के खेल महोत्सव से बच्चों में उत्साह बढ़ता है। खेल में रुचि बढ़ता है। शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक विकास होता है।

इंटर कॉलेज महिला खेल महोत्सव का हुआ शुभारंभ

रांची। संतोष कॉलेज का टीचर्स ट्रेंनिंग एंड एजुकेशन की आइक्यूएसी एवं खेल विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दो दिवसीय महिला खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें निर्मला कॉलेज, बेथेसदा कॉलेज, एस एस मेमोरियल कॉलेज, राम लखन सिंह यादव कॉलेज, बिरसा कॉलेज, संतोष इंटर कॉलेज, सेंटर फॉर बायोइनफॉर्मेटिक्स पॉलिटेक्निक कॉलेज, संतोष कॉलेज ऑफ नर्सिंग, संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन की छात्राओं ने भाग लिया। मौके पर वॉलीबॉल, कबड्डी व खो खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने खेलो इंडिया थीम सोंग की सामूहिक प्रस्तुति दी एवं अपने दल के साथ मार्च पास्ट किया। प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी भेंट किया गया। इस अवसर पर एस एस मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सम्मानित अतिथि के रूप में सिएटल अमेरिका से डॉ ऐश्वर्या, डॉ विकास एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ गौरव उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

खलारी में रमजान की पहली जुमा की नमाज अदा की गई, मांगी गई दुआएं

खलारी। खलारी क्षेत्र के मस्जिदों में शुक्रवार को रमजान माह के पहले जुमा की नमाज अदा की गई। पहले जुमे की नमाज अदा कर रोजेदारों ने अपने गुनाहों से तौबा की। साथ ही देश-दुनिया और समाज की खुशहाली के लिए दुआ मांगी। रमजान में रोजा रखकर कुरान पाक की तिलावत, तस्बीह पढ़ने व तरावीह का सिलसिला इन दिनों निरंतर चल रहा है। मस्जिदों में इबादत के लिए रोजेदारों की काफी भीड़ जुटी थी। पहले जुमे को लेकर सुबह से ही तैयारी चल रही थी। नमाजियों में खासा उत्साह था। लोग बच्चों को साथ लेकर मस्जिद पहुंचे। रोजेदारों ने घरों व मस्जिदों में रमजान के पहले जुमे की नमाज पढ़ी। खलारी जामा मस्जिद सहित कोयलांचल की अन्य मस्जिदों में जुमे की नमाज अकीदत से पढ़ी गई। नमाज पढ़ने के बाद नमाजियों ने गरीबों को खैरात बांटी। नमाज अदा करने के बाद इफ्तार के लिए खजूर, फल व अन्य जरूरी सामान की खरीदारी को लेकर रोजेदारों की भीड़ बाजार में उमड़ी पड़ी। रोजेदारों ने पानी और खजूर से रोजा खोल अल्लाह का शुक्रिया किया।

सड़क चौड़ीकरण में घटिया सामग्री का उपयोग करने की शिकायत मुख्यमंत्री से करेंगे : नागेंद

सिल्ली। मुरी गोला रोड पथ चौडी करण का कार्य जोरों पर किया जा रहा है। वही इस पथ का चौडी करण के दरमियान संवेदक के द्वारा मुख्य सड़क से सटे दोनों और रास्ता बनाया जा रहा है जो की पुराना रोड को तोड़कर उस रोड का डस्ट को ही रास्ते में डालकर रोलर से लेवल किया जा रहा है। जबकि नए रोड का निर्माण करते समय गुणवत्ता वाला गिट्टी एवं मटेरियल के साथ सड़क का निर्माण किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि संवेदक के द्वारा सड़क में लापरवाही एवं घटिया सामग्री का उपयोग करके एक साइड का रास्ता चलने के लिए जो बनाया जा रहा है वह टिकाऊ नहीं है इसे देखने वाला कोई नहीं है। संवेदक मनमानी ढंग से काम कर रहा है इसका विरोध करने पर भी संवेदक के कर्मचारियों पर कोई असर नहीं हो रहा है अपने मनमानी रूप से काम कर रहे हैं। पूर्व में भी विभिन्न अखबारों में पेड़ काटने का खबर छपा था छपते ही क्षेत्र में खबर का असर हुआ जिसे वन विभाग के द्वारा पेड़ में नंबर अंकित कर दिया गया है। इस संबंध में रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष नागेंद्र नाथ गोस्वामी ने कहा कि संवेदक के द्वारा चौड़ीकरण में गलत गिट्टी मटेरियल उपयोग करना गलत है। हम इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से करेंगे ताकि जांच कर संवेदक के ऊपर कार्रवाई की जाएगी।

बालू उठाव के लेकर बकझक, मामला पहुंचा थाना

सिल्ली। सिल्ली थाना अंतर्गत श्यामनगर में जेएसएमडीसी द्वारा प्राधिकृत श्याम नगर घाट में बालू का उठाव किया जा रहा है जिससे ग्रामीणों को हो रही परेशानी को लेकर ग्रामीणों ने जेएलकेएम के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो से शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद देवेंद्र नाथ महतो जेएलकेएम कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीणों संग बैठक कर निरीक्षण के लिए श्यामनगर बालू घाट पर गए। वहां बालू के भंडारण करने वाले लोगों और देवेंद्रनाथ के बीच ग्रामीणों की परेशानियों को लेकर तीखी नोक झोंक हुई,जिसके कारण दोनों पक्ष थाना में लिखित आवेदन लेकर गए। इधर थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने दोनों पक्षों को सम्मान पूर्वक बैठाकर अपने-अपने समस्याओं को बताने का मौका दिया एवं दोनों पक्षों से लिखित आवेदन लिए और मामले को लेकर जांच कर आवश्यक कार्रवाई साथ ही बालू घाट से संबंधित सभी कागजातों को सक्षम कार्यालय द्वारा जांच पड़ताल करवाने की बातें कहीं। इन बातों पर दोनों पक्षों की सहमति बनी तत्पश्चात स्थानीय लोगों ने अपनी बात को रखने का मौका मिलने के कारण प्रशासन की सराहना की।

अवैध खनन की रोकथाम में बीसीसीएल भी करे सहयोग

खनन संबंधित विधि-व्यवस्था का मुद्दा कतई बर्दाश्त नहीं : उपायुक्त

हर महीने स्थानीय स्तर पर बैठक करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को न्यू टाउन हॉल में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि खनन से संबंधित विधि-व्यवस्था का मुद्दा कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने पर थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी संयुक्त रूप से जवाबदेही होंगे। बीसीसीएल भी सतर्क रहे और यह सुनिश्चित करें कि अवैध खनन को लेकर जिले में विधि व्यवस्था नहीं बिगड़े। अवैध खनन रोकने में थाना और अंचल को सहयोग करें। अवैध खनन के कारण होने वाली घटना की विस्तार से जांच करें। जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई करें। उपायुक्त ने कहा कि कुछ लोग जीएसटी का दुरुपयोग कर अवैध खनन को बढ़ावा दे रहे हैं। जिस कारण सरकार को राजस्व की हानी होती है। इस दिशा में सभी सतर्क रहे। बीसीसीएल भी इसमें सक्रिय रुप से सहभागिता सुनिश्चित करें। वहीं उपायुक्त ने हर महीने स्थानीय स्तर पर थाना, अंचल, बीसीसीएल तथा सीआइएसएफ को बैठक कर क्षेत्र के ज्वलंत मामलों पर चर्चा कर समाधान करने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध खनन में संलिप्त के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, सूचना तंत्र को मजबूत करने तथा इंटेलिजेंस फैलियर न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि कोयले का खनन बाधित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। विधि व्यवस्था बिगाड़ने के लिए कई असामाजिक तत्व सक्रिय हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही खनन क्षेत्र में वैध एवं अवैध रूप से रह रहे लोगों की जानकारी प्राप्त कर उनके संबंध में रिपोर्ट प्रेषित करने को कहा। जिससे लोगों को खनन क्षेत्र से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा सके तथा भविष्य में किसी तरह के हादसे से लोगों को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने अवैध खनन के विरुद्ध लगातार छापामारी अभियान जारी रखने, इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष के शोकाकुल परिवारों से मिले राज्यसभा सांसद

चितरंजन महतो का जाना पार्टी और समाज के लिए अपूरणीय क्षति : आदित्य साहू

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली सिल्ली विधानसभा अंतर्गत शकुवार को भाजपा राहे मंडल अध्यक्ष चितरंजन महतो के असामायिक निधन पर गमगीन परिजनों से मिलने राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू उनके पैतृक गांव डोकाद पहुंचे. सांसद ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि चित्तरंजन महतो का जाना पार्टी और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है. साहू ने कहा कि बहुत ही कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ता थे। पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे।परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए सांसद ने आश्वस्त किया कि जब उनकी आवश्यकता होगी वे हरसंभव मदद का प्रयास करेंगे। मौके पर भाजपा प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, भाजपा नेता अमरनाथ चौधरी, मेघनाथ महतो, कृष्ण चरण महतो,ज्योति प्रसाद, गंगाधर साव,युधिष्ठिर महतो, मनोज कुमार महतो भी मौजूद रहे।

गुप्ताज बावर्ची डिलाइट नामक होटल का हुआ उद्घाटन

लोगों का स्वरोजगार से जुड़ना देश के लिए अच्छा संकेत : सुदर्शन भगत

नवीन मेल संवाददाता। चान्हो प्रखंड के पाटूक एन एच 39 पर शुक्रवार को गुप्ताज बावर्ची डिलाइट नामक होटल का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत ने किया। मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज बहुत खुशी की बात है कि युवा और जिम्मेदार नागरिक स्वरोजगार से जुड़कर देश के विकास में अपने योगदान दे रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि होटल इंडस्ट्री में बहुत संभावना है। कम करें या ना करें लोगों को खाना जरूरी है ऐसे में हाइजीनिक और गुणवत्तापूर्ण साफ सुथरा खाना खिलाकर अच्छा किया जा सकता है। उन्होंने होटल के तरक्की की कामना की। होटल के संचालक विनीत कुमार ने बतलाया कि यहां पर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए घर जैसा टेस्ट वाला खाना दिया जाएगा इस होटल का रेट भी बहुत मुनासिब रखा गया है ताकि रेगुलर बाहर खाना खाने वाले लोग भी इसमें घर जैसा खाना बहुत कम कीमत अदा करके खा सके। उन्होंने आगे बतलाया कि यहां पर पार्टी वगैरह का ऑर्डर भी लिया जाएगा और पार्सल सुविधा भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि शाम के समय स्नेक्स, चिल्ली, चाउमिन, फ्राइड चिकन और चटपटे खाने वाले लोगों के लिए भी विशेष सुविधा दी जाएगी। कार्यक्रम के आयोजन में कैलास प्रसाद गुप्ता का महत्वपूर्ण भूमिका रही। इससे पहले पंडित अनुज मिश्रा ने पूजा कर कर होटल का शुभारंभ किया। मौके पर समाजसेवी अजीत सिंह, नागेश्वर महतो, विजय महतो, गोविन्द साहु, बलबीर कौर, मंजु देवी, शारदा गुप्ता, साबिर अंसारी, आफताब आलम, मिथिलेश सिंह, हसीब अंसारी, बंधु भगत, गौतम कुमार, भीम किन्शुक किसलय, उदय सूर्या, शंभू महतो, रामब्रित महतो, शालिक पांडेय, दयानंद सिंह, शंभू गुप्ता, समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

बरियातू थाना पुलिस को मिली बड़ी सफलता

कालू लांबा गिरोह के तीन अपराधी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची बरियातू थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कालू लाम्बा गिरोह के तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया। अपराधी दहशत फैलाने के लिए हथियार का भय दिखाकर अपना रौब जमा रहा था इसी दौरान पुलिस ने तीनों को धर दबोचा। जानकारी देते हुए सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो पिस्तौल, पांच जिंदा गोली सहित 50 हजार रुपया भी पुलिस ने बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों में दीपक कुमार, अंकुश कुमार सिंह और अकिंत कुमार सिंह शामिल है। तीनों को आपराधिक योजना बनाते हुए गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया गिरफ्तार अपराधी हथियार के बल पर बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

मांडर कॉलेज मैदान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू होंगे शामिल

नवीन मेल संवाददाता। चान्हो अमर ज्योति विद्यालय चान्हो मे महिला दिवस के पूर्व मुख्य अतिथि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने महिला समिति को दरी वितरण किया। महिलाओं को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शनिवार आठ मार्च को मांडर कालेज मैदान में महिला दिवस बहुत ही धुम धाम से मनाया जाएगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि के राजु प्रभारी झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी होंगे। उन्होंने लोगों को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। मौके पर मो० मोजीबुल्लाह, मंगलेश्वर उरांव, प्रियंका उरांव, यास्मीन खातून,भझरीता उरांव, शिव उरांव,थाना प्रभारी चांहो, बीडीओ चान्हो सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थें।

उमवि महावीरनगर में मना शिक्षक व अभिभावक दिवस

बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें अभिभावक

प्रधानाचार्य ने कहा कि अभिभावकों के सहयोग के बिना विद्यालय विकास असंभव है। इसलिए विद्यालय के दिशा-निर्देश का पालन करना अनिवार्य है

नवीन मेल संवाददाता। खलारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय महावीर नगर ऊपर टोला के प्रांगण में शिक्षक व अभिभावक दिवस मनाया गया। अध्यक्षता विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष बीरेंद्र लोहरा ने की। प्रधानाचार्य रंथु साहु के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्कूली बच्चों के साथ सहायक शिक्षक-शिक्षिका ने अभिभावकों को तिलक अभिनंदन कर व फूल देकर स्वागत किया। बैठक उपरांत निपुण भारत कार्यक्रम, एफएलएन गतिविधियां, आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास, खेलकूद, रेल प्रोजेक्ट, रिमेडियल क्लास, छात्र उपस्थिति, माता-पिता द्वारा बच्चों को सहयोग प्रदान करना, विद्यालय की स्वच्छता व व्यक्तिगत स्वच्छता, नो कास्ट, लो कास्ट, हाई कास्ट, सुझाव पेटी, के साथ अन्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रधानाचार्य ने कहा कि अभिभावकों के सहयोग के बिना विद्यालय विकास असंभव है। इसलिए विद्यालय के दिशा-निर्देश का पालन करना अनिवार्य है। अभिभावकों को बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया। उपस्थिति रहने पर ही पठन पाठन क्रिया के साथ विभिन्न प्रकार के गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सकता है। बताया गया कि जैक द्वारा आयोजित 10 मार्च से आठवीं बोर्ड परीक्षा होगा विद्यालय स्तरीय आंतरिक मूल्यांकन तथा शैक्षणिक सत्र 2024-25 का वार्षिक योग्यात्मक मूल्यांकन कक्षा 1 से 7 कक्षा तक का परीक्षा 17, 18 व 19 मार्च को परीक्षा होना है। सबों की उपस्थित करवाना अनिवार्य है। अभिभावकों ने प्रतिदिन बच्चों को स्कूल भेजने का संकल्प लिया। विप्रस के अध्यक्ष व सहायक शिक्षिका ने भी अपना विचार प्रकट किए। बैठक में कल्पना देवी, पारो देवी, अनीता देवी, आशा देवी, गौरी देवी, संगीता देवी, कुसुम देवी, फिरोज आलम, रजिया परवीन, नाजरीन खातून, रामलखन लोहरा, पन्ना प्रजापति, बिरसा मुंडा, मोहम्मद सलीक, इम्तियाज अंसारी, परम सोनी, सुखदेव भुइया, कृष्णा मुंडा, अनिमा परवीन के साथ अन्य अभिभावकगण उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं ने अपनी समस्याओं पर रखे विचार

बरही | प्रत्येक वर्ष लैंगिक समता, सुरक्षा आदि को लेकर 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है. महिलाओ के नजर में आज भी महिलाओ को वह हक और सुरक्षा नही मिले है, जिसके वह अधिकारी है. जाने क्या कहती हैं महिलाए

डॉ अरुणा रानी

बरही आरएनवाईएम कॉलेज के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ अरुणा रानी के नजरो में भारतीय सभ्यता के प्रारंभिक काल में महिलाओं की स्थिति सम्मानजनक थी. कालांतर में इसमें गिरावट आए है. मध्य काल और उसके बाद महिलाओ को लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ा है. उनका मानना है कि हाल के दिनो मे लैंगिक समानता को चचाएं हो रही है, पर जिस गति से होना चाहिए वह कम है. सरकारी और गैर सरकारी कार्यों में महिलाएं अपनी योग्यता के आधार पर स्थान सुनिश्चित तो कर रही हैं परंतु अभी भी विधान पालिकाओं में महिलाओं की सहभागिता कम है. उन्होंने पुरुष प्रधान विधान पालिकाओं में महिलाओं की संख्या आरक्षित करने की दलील दी है. हालांकि उन्होंने यह भी माना है कि पंचायत स्तर पर यह अभियान प्रारंभ किया जा चुका है जिसे केंद्र स्तर पर लाना अनिवार्य है. जाए. इसके लिए उन्होंने लोगो के अंतर्मन और माहौल दोनो को अनुकूल बनाने की बात कही है.

ज्योति वर्मा

विष्णुगढ़ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की वार्डेन की माने तो शहरी महिलाओ में हद तक परिवर्तन आए है. परंतु आज भीं ग्रामीण क्षेत्र में मानसिक बदलाव की आवश्यकता है. रूढ़िवादियो को छोड़ बेटियो को बेटे के बराबर प्यार और अधिकार देने की आवश्यकता है. पुत्र की चाहत में भ्रूण हत्या ने लैंगिक अनुपात में कमी लाई है. जो सबसे गंभीर मामला है. जिसे दूर करने के लिए शिक्षित समाज को आगे आना होगा. सामाजिक/धार्मिक या अन्य कार्यों या बैठकों में महिलाओ की उपस्थिति निश्चित होनी चाहिए. किसी भी निर्णय के पूर्व उनके विचार और प्रस्ताव भी अनिवार्य लेनी चाहिए. महिलाएं जननी और दात्री हैं, पर ग्रामीण क्षेत्र में आज भी इनकी स्थिति दयनीय और दमनीय है. इस दिशा में सरकारी उपक्रम को धरातल पर लाने की आवश्यकता है.

रंजीत रुखरियार

न्यु कॉलोनी निवासी महिला अधिवक्ता श्रीमती रुखरियार ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं को अपना अधिकार प्राप्त करते के लिए कानून का ज्ञान रखने की अपील किया है. उन्होंने कहा की महिला आज किसी भी क्षेत्र में कम नही है. संविधान में भी सुधार हुए है, लैंगिक विषमता दूर करने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे है. समता का अधिकार मिला है. बाबजूद जानकारी के अभाव में महिलाए अपने मौलिक अधिकार का भीं उपयोग नहीं कर पाते है. इस दिशा में स्वयं सेवी संस्थानों को और अधिक जागरूक हों की आवश्यकता है. सरकार को कानूनी जागरूकता को लेकर ग्राम स्तरीय अभियान चलाने की आवश्यकता है. तभी महिलाए सुरक्षित और मर्यादित हो सकेंगी.

रूमी कुमारी

प्रतिवर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है यह महिलाओं के सम्मान प्रशंसा एवं उनके सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक उपलब्धियां के सम्मान में मनाया जाता है अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एक उत्सव नहीं बल्कि महिला को अधिकार दिलाने हेतु समर्पित है। कोनरा निवासी और सॉफ्टेक कंप्यूटर एजुकेशन के सेंटर मैनेजर की माने तो महिलाए आज भी असहज है. सरकारी व्यवस्था और सुरक्षा के बाबजूद भी दहेज दानव और दरिंदो के शिकार हो रही है. इसका एक मात्र कारण महिलाओं को कमजोर और सीमित समझना है. उनकी माने तो महिलाए साइकिल से लेकर अंतरिक्ष तक का सफर कर नाम रौशन किया है. ऐसे में समाज को महिलाओं के प्रति नजरिया बदलनी चाहिए. उनके प्रस्तावों और विचारो पर भी प्राथमिकता से अमल करने की आवश्यकता है. तभी अंतराष्ट्रीय महिला दिवस की सार्थकता सिद्ध हो सकती है.

न्यूज | बॉक्स

विद्यालय की समस्याओं के निराकरण को लेकर डीएसई को सौंपा पत्र

बरही । मलकोको पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बुंडू में शिक्षकों की संख्या कम होने के कारण पठन पाठन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या भी अधिक है. संख्या बल के आधार पर विद्यालय में कमरे भी नहीं है. विद्यालय का अपना चहारदीवारी भी नहीं है. जिससे विद्यार्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. उक्त बाते स्थानीय मालकोको पंचायत के मुखिया विजय यादव ने जिला शिक्षक अधीक्षक को पत्र देकर अवगत कराया है. साथ ही विद्यालय में यथाशीघ्र उचित व्यवस्था की मांग किया है. जिससे विद्यार्थियों को पठन पाठन में असुविधा नहीं हो. जब उचित व्यवस्था नहीं होगी तक बच्चों को कोई सुविधा नहीं मिलने वाली है। शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों पढ़ाई से लेकर खेल की तक ही सुविधाएं होनी चाहिए ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास होना चाहिए।

जागरूक युवा मंच की बैठक आयोजित

रामगढ़। रामगढ़ जागरूक युवा मंच की बैठक शुक्रवार को स्थानीय साहू भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष आलोक शर्मा और संचालन दिलीप नायक ने किया। बैठक में रामगढ़ जागरूक युवा मंच द्वारा रामनवमी की तैयारी पूर्ण रूप से करने की बात कही गई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि युवा मंच के संरक्षक राजेश ठाकुर एवं संतोष नायक उपस्थित हुए। राजेश ठाकुर द्वारा कमेटी की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष आलोक शर्मा, सचिव सुनील नायक, कोषाध्यक्ष अजय पांडे, कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र मुंडा, संगठन मंत्री विशाल विश्वकर्मा एवम दिलीप के डी, सोशल मीडिया प्रभारी ऋषभ तिवारी, गोलू वर्मा गोलू को बनाया गया। बैठक में बबलू दुबे, अजय गुप्ता, सूरत साव, गोलू वर्मा, ऋषभ तिवारी, आलोक सिंह, रवि ठाकुर, सुनील नायक, विशाल विश्वकर्मा, राजन करमाली, अर्जुन रजवार, बिट्टू रजवार, विकास कुमार, आशीष सोनी, शंकर ठाकुर, अमित ठाकुर, शेखर रजक, उत्तम वर्णवाल, दिलीप कुमार, राजेश जायसवाल, धीरज पासवान, संजय साहू, पिंटू पासवान, कन्हैया कुमार, रिशु नायक, सचिन नायक, देवाशीष मुंडा, सुभाष विश्वकर्मा, प्रेम नायक, विकास पोद्दार, पंकज कुमार, रोहन नायक, आर्यन ठाकुर, सुनील कुमार, अजय शर्मा, मनोज केसरी, सुजीत नायक,सुभाष मोदी,सरवन कुमार, विशाल गुप्ता, रोहित कुमार आदि शामिल हुए ।

82 विद्यार्थियों के बीच यूनिफॉर्म वितरित

बरही। प्रखंड के नव प्राथमिक विद्यालय डुमरियाडीह 82 विद्यार्थियों के बीच झारखंड सरकार द्वारा उपलब्ध करवाए गए डबल सेट यूनिफॉर्म वितरित किया गया. वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अल्प संख्यक कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष मो कयूम अंसारी शामिल हुए. उन्होंने वस्त्र वितरण को राज्य सरकार के कल्याणकारी योजनाओं में एक महत्त्वपूर्ण योजना है. जो बच्चों में एक रुपता और समता की भाव लाने में मदद करता है. कार्यक्रम के अंत में 82 विद्यार्थियों के बीच जुटा दो सेट में कपड़ा , जुता और मौजा वितरित किया गया. मुख्य अतिथि ने बच्चो को प्रोत्साहित करते हुए साफ सुथरे ड्रेस में नियमित विद्यालय आने की बात कही. मौके पर सहायक अध्यापक मो मंसूर आलम, लियाकत अंसारी, हाफिज तैयब, अकबर मियां, फारूक अंसारी, मुस्तफा अंसारी, समीना खातून आदि सहित कई अभिभावक और बच्चे मौजूद थे.

भारतीय जनता पार्टी कैंट मंडल की बैठक आयोजित

रामगढ़। भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ कैंट मंडल द्वारा संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के निमित्त एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता कर रहे मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव ने हो रहे कार्यों की समीक्षा की एवं रामगढ़ कैंट मंडल के चुनाव पदाधिकारी संजीव बावला से जानकारी साझा किया। साथ ही बूथ कमेटी का निरीक्षण एवं सत्यापन किया गया। बैठक में आठो वार्ड के चुनाव अधिकारी, संयोजक एवं प्रभारी शामिल हुए। बैठक में रामगढ़ जिला महामंत्री विजय जायसवाल, मंत्री अनमोल सिंह, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा शीतल सिंह, दीनदयाल कुमार, आलोक सिंह, बसुध तिवारी, कैंट मंडल महामंत्री मिथिलेश मंडल, सत्यजीत सिंह, बृजेश पाठक, कुणाल दास, जितेंद्र गोप विनोद गोप, रीता मानसाता, अरविंद सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

सदन में विधायक ने उठाया मुखिया कोष वृद्धि की मांग

बरही। झारखंड विधानसभा के चालू सत्र में बरही विधानसभा के विधायक मनोज कुमार यादव लगातार सरकार को जनहित के समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान की मांग कर रहे हैं. इसी क्रम में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से पंचायती राज विकास कार्य हेतु मुखिया कोष वृद्धि की मांग किया. उन्होंने बताया कि पूर्व में मुखिया को विकास कार्य के५लिए 50 लाख रुपए प्रतिवर्ष देय थे. जिसे कम किया गया है. उन्होंने सरकार से इसे संशोधित करते हुए पुनः 50 लाख करने की मांग किया है. जिससे पंचायत के छोटे छोटे विकास कार्य के लिए वित्तीय संकट का सामना नहीं करना पड़े. सदन में मुखिया कोष वृद्धि को लेकर बरही विधायक द्वारा उठाए गए सवाल के लिए बरही मुखिया संघ ने विधायक श्री यादव का अभार जताया है. संघ के अध्यक्ष विजय कुमार यादव ने कहा कि यह जरूरी है, क्योंकि वित्तीय कमी के कारण पंचायत में विकास कार्य लंबित रह जाते हैं.

प्रदूषण के खिलाफ गोलबंद हुई नारी शक्ति

रामगढ़। रांची रोड सहित आसपास का क्षेत्र प्रदूषण की मार से कराह रहा है। वायू के साथ ध्वनि प्रदूषण ने आमलोगों को जीना मुहाल कर दिया है। बच्चे और बुढ़े बीमार होने लगे हैं। इससे अजीज होकर अब नारी शक्ति गोलबंद हो चुकी है। आयरन फैक्ट्री से निकलने वाली प्रदूषण के खिलाफ महिलाओं ने कमान संभाल लिया है। इसके तहत पहले मामले की जानकारी हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल को दी। इसके बाद रांची रोड प्रदूषण प्रभावित क्षेत्र गोपी नगर, सियाराम नगर, प्रताप कॉलोनी, परनीत टावर, बसंत बिहार, रोबा कॉलोनी में जाकर आमलोगों को प्रदूषण के खिलाफ जागरुक किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि हमलोग अपने परिवार के गाढ़ी कमाई से जमीन लेकर मकान बनाए हैं। वहीं कई लोगों ने परनीत टॉवर में फ्लैट लिया है। लेकिन वर्तमान समय में प्रदूषण ने हमलोगों का जीना मुहाल कर दिया है। अब पानी सर से ऊपर हो चुका है। हमलोगों की एक ही मांग है कि प्रदूषण से मुक्ति मिले। प्लांट संचालन से हमें कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन हरहाल में प्रदूषण पर रोक लगाना होगा। महिलाओं ने आंदोलन के तहत गुरुवार को सामूहिक हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस दौरान प्रदूषण के खिलाफ सैंकड़ों लोगों ने हस्ताक्षर किया।

पारसनाथ पहाड़ बनाम झुमरा पहाड़ का रोमांचक मैच आज

खेलकूद मनुष्य में उत्साह की भावना पैदा करती है : चंद्रदेव

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय सचिव चंद्रदेव महतो ने कहा कि कोनार प्रीमियर लीग झुमरा पहाड़ के तलहटी में बसे चिलगो बोराटांड़ मैदान में आयोजन सुनिश्चित हुआ है। यह मार्च 8 मार्च से केपीएल शुरू होने वाला है तथा 9 मार्च को झुमरा पहाड़ वर्सेस पारसनाथ पहाड़ के बीच प्रदर्शनी मैच खेला जाएगा। जिसमें से पारसनाथ पहाड़ से डुमरी के वर्तमान विधायक सह झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के सुप्रीमो जयराम महतो कप्तान होंगे और झुमरा पहाड़ की ओर से दिलीप कुमार महतो कप्तान होंगे। 9 मार्च को यह रोमांचक शानदार मैच होने वाला है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है

चंद्रदेव महतो ने कहा कि आज के युग में खेल न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि इनका सामाजिक तथा राष्ट्रीय महत्व भी है। इसे स्वास्थ्य प्राप्ति के साथ-साथ मनोरंजन भी होता है, इसमें खेल प्रेमियों व खिलाड़ियों में अनुशासन की भावना आती है। खेल के मैदान में छात्रों को नियम में बंधकर खेलना पड़ता है जिससे आपसी सहयोग और मेलजोल की भावना का भी विकास होता है। खेलकूद मनुष्य में साहस और उत्साह की भावना पैदा करती है। खेल हमें नेतृत्व, कौशल विकसित करने में मदद करता है। खेल से लोगों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है । खेल से खेल में विजय तथा पराजय दोनों स्थितियों को खिलाड़ी प्रसन्नता पूर्वक स्वीकार करता है! खेलकूद से शरीर में स्फूर्ति आती है, बुद्धि का विकास होता है, तथा रक्त संचार होता है। खेलों में भाग लेने से आपसी मनमुटाव समाप्त हो जाता है तथा खेल भावना का विकास होना है। खेल में खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेलना चाहिए। इस मैच को सफल बनाने में मुख्य रूप से चंद्रदेव महतो, दिलीप कुमार महतो, कौशल कुमार, बबंन सिंह देहाती भुवनेश्वर प्रसाद महतो, मनोज कुमार महतो, योगेंद्र महतो, टेकलाल महतो नागेश्वर महतो, दीपक महतो, मनोज बास्की, मुकेश टुडू, सुनील गंजू, बिट्टू सिंह, आशीफ रजा, सुमन कुमार, अशोक कुमार, प्रेम डीजे ,विमला देवी, जुबेदा खातून, टोकन महतो, विजय कुमार, योगेश कुमार, राजेश कुमार, योगेंद्र कुमार, निर्मल कुमार, प्रेम कुमार, संजय कुमार, किशोर कुमार,अनीश राजा, कुंदन रविदास, दीपक कुमार,मनोज कुमार, चुरामन कुमार के अलावा सैकड़ो लोग मैच को सफल बनाने में जुटे हुए है।

सीबीआई जांच के दूसरे दिन गिद्दी पीओ कार्यालय में पसरा रहा सन्नाटा

गिद्दी। सीबीआई के जांच के दूसरे दिन शुक्रवार को गिद्दी ए कोलियरी परियोना के पीओ कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा। कई कर्मचारी कार्यालय नहीं पहुंचे तो कुछ के ऑफिस के काम से दूसरे जगह जाने की बात कही गई। जो कर्मी अधिकारी कार्यालय आए भी हुए थे। वे भी एक दूसरे से कुछ बोलने बतियाने से कतरा रहे थे। आलम यह था कि गिद्दी ए कोलियरी परियोजना कार्यालय के अधिकांश कमरे खाली दिख रहा था। हर ओर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा था। हालांकि गिद्दी ए कोलियरी परियोजना के रोड सेल में लोडिंग के लिए अन्य दिनों की तरह ट्रक घुसे। बता दें गिद्दी ए कोलियरी परियोजना में सीबीआई की 20 सदस्यीय टीम गुरुवार को लोकल सेल और पावर प्लांट में कोयला उठाव के लिए आए ट्रकों से अवैध वसूली की जांच करने के लिए औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान सीबीआई की टीम ने गुरुवार को दिन 11 बजे से रात के साढ़े 9 बजे तक संबंधित अधिकारियों और कर्मियों से गहन पूछताछ किया।

स्थानीय नीति लागू करने को लेकर विधायक ने विस में सरकार से की मांग

> *झारखंड में अंतिम सर्वे सेटलमेंट को लागू करना आवश्यक है ताकि भूमि विवादों को खत्म कर मूलवासियों के हक को सुरक्षित किया जा सके*

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान रामगढ़ विधायक ममता देवी ने झारखंड में 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति एवं अंतिम सर्वे सेटलमेंट को लागू करने की पुरजोर मांग उठाई। उन्होंने विधानसभा के शून्य काल में इस महत्वपूर्ण विषय को रखते हुए कहा कि यह नीति झारखंड के मूल निवासियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। ममता देवी ने स्पष्ट किया कि झारखंड की जनता वर्षों से इस नीति की प्रतीक्षा कर रही है, जिससे उन्हें सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों, और अन्य क्षेत्रों में प्राथमिकता मिल सके। साथ ही उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि झारखंड में अंतिम सर्वे सेटलमेंट को लागू करना आवश्यक है ताकि भूमि विवादों को खत्म कर मूलवासियों के हक को सुरक्षित किया जा सके। विधायक ममता देवी ने कहा कि झारखंड की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। 1932 के खतियान को आधार बनाकर स्थानीय नीति लागू करना समय की मांग है, जिससे यहां के मूल निवासियों को उनके अधिकार मिल सकें। साथ ही अंतिम सर्वे सेटलमेंट को भी लागू किया जाना चाहिए ताकि झारखंड के लोगों को भूमि अधिकार से संबंधित कोई समस्या न हो और उनका हक सुनिश्चित हो सके। मैं सदन के माध्यम से सरकार से अपील करती हूं कि इस पर जल्द से जल्द ठोस निर्णय लिया जाए। ताकि आदिवासियों के हक के लिए बेहतर हो सके। इसके अलावा और भी सुविधाएं हासिल हो सके। आज झारखंड में युवाओं के लिए रोजगार और शिक्षा को पूरा करने के लिए सुविधाएं जरूरी होती हैं।

ड्रोन टेक्नोलॉजी पर पांच दिवसीय बूट कैंप शो का हुआ समापन

ड्रोन के उड़ान तकनीकों की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवपाददाता। रामगढ़ शुक्रवार को राधा गोविंद विश्वविद्यालय और एनआईटी राउरकेला द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांच दिवसीय ड्रोन टेक्नोलॉजी बूट कैंप 3 से 7 मार्च तक चला और इसका समापन एक शानदार ड्रोन शो के साथ हुआ। अंतिम दिन के प्रथम सत्र में बी.आई.टी मेसरा के प्रोफेसर डॉ कौशिक कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए क्वैड कॉप्टर के डिजाइन एंड एनालिसिस पर अपना शोध प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शोधकर्ताओं और टेक्नोलॉजी प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बूट कैंप के दौरान प्रतिभागियों को ड्रोन डिजाइनिंग, असेंबलिंग, प्रोग्रामिंग और उड़ान तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने ड्रोन की कार्यप्रणाली, उपयोग और सुरक्षा मानकों पर विशेष सत्र आयोजित किए। इसके अलावा, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन और सर्वेक्षण क्षेत्रों में ड्रोन टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए फ्लाइट सिमुलेशन और रियल-टाइम ड्रोन ऑपरेशन का भी अभ्यास कराया गया। 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह, सचिव प्रियंका कुमारी, प्रति कुलपति महोदया प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ)अशोक कुमार, प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार ने हार्दिक शुभकामनाएं दी। बूट कैंप के समापन अवसर पर एक भव्य ड्रोन शो आयोजित किया गया, जिसका संचालन एन. आई. टी राउरकेला के ' उड़ान' टीम के सदस्य शुभम कुमार और अभिलाष ने किया, जिसमें कई तरह के ड्रोन ने आकाश में बेहतरीन कलाबाजी दिखाई। इस शो ने प्रतिभागियों और दर्शकों को रोमांचित कर दिया। समापन समारोह में राधा गोविंद विश्वविद्यालय और एनआईटी राउरकेला के प्रोफेसर जे. श्रीनिवास, बी.आई.टी मेसरा के प्रोफेसर डॉ कौशिक कुमार, फैक्लटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ अवनीश कुमार ने छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए और इस प्रकार के तकनीकी प्रशिक्षणों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन इंजीनियरिंग विभाग की निशा रानी ने किया।

विशाल मंगला शोभायात्रा आयोजित करने को लेकर महासमिति ने जारी किया पोस्टर

> **रामनवमी पूजा महासमिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साव (भोपाली) ने बताया कि रामनवमी को लेकर आयोजित विशाल मंगल शोभा यात्रा की तैयारी जोर-शोर से चल रही है**

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ ब्लॉक स्थित एक होटल के सभागार में श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति रामगढ़ की बैठक गुरुवार को की गई। बैठक की अध्यक्षता महासमिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साव(भोपाली) और संचालन महासचिव विशाल जायसवाल ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में श्री श्री रामनवमी पूजा महासमिति के मुख्य संरक्षक राजेश ठाकुर एवं छोटू वर्मा उपस्थित हुए। बैठक में रामनवमी पूजा महासमिति का पोस्टर विमोचन किया गया। साथ ही एक अप्रैल को विशाल मंगला शोभायात्रा की तैयारी को लेकर रूप रेखा तय की गई। रामनवमी पूजा महासमिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र साव (भोपाली) ने बताया कि रामनवमी को लेकर आयोजित विशाल मंगल शोभा यात्रा की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इसी निमित चौके - चौराहा,गली मोहल्लों में बैनर, पोस्टर, भगवा झंडा एवं स्टीकर लगाया जाएगा। रामगढ़ जिले के सभी अखाड़ों एवं पूजा समिति को विशाल मंगल शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री श्री रामनवमी पूजा विशाल मंगल शोभा यात्रा पूर्वाह्न 11 बजे जिला मैदान से शुरू होगी, जो गोला रोड, चट्टी बाजार, थाना चौक, झंडा चौक, सुभाष चौक होते हुए फुटबॉल ग्राउंड पहुंचकर समाप्त होगी। विशाल शोभा यात्रा में रामनवमी कमेटी, अखाड़ा और हजारों रामभक्त शामिल होंगे। बैठक में आशीष कुमार सिन्हा, गौतम महतो, संदीप महतो, रोहित सोनी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक

जिन लाभों की राशि स्वीकृत हो चुकी है उन्हें अविलंब लाभ देने का दिया निर्देश

> *मौके पर उपायुक्त ने प्राप्त 2024 25 में आवंटन एवं खर्च के संबंध में भी जानकारी ली*

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर चौधरी द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित समिति के अन्य सदस्यों को जानकारी दी गयी की वित्तीय वर्ष 2024 -25 में वर्तमान में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभ प्राप्त करने हेतु जिला स्तर पर प्राप्त आवेदनों की जानकारी दी गई एवं अब तक दिए गए लाभुकों के लाभ के संबंध में भी जानकारी दी। मौके पर उपायुक्त ने प्राप्त 2024 25 में आवंटन एवं खर्च के संबंध में भी जानकारी ली वहीं उन्होंने शेष बचे राशि को रोजगार सृजन के लिए स्वीकृत आवेदनों का दस्तावेज को अच्छे से जांच उपरांत योग्य लाभुकों को लाभ देने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जिन लाभों का राशि स्वीकृत हो चुकी है उन्हें अभिलंब लाभ देने का निर्देश दिया, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिन-जिन लाभुकों का स्वीकृति उपरांत भी लाभ नहीं ले रहे हैं उन सभी को नोटिस करें तत्पश्चात लाभुक स्वीकृत राशि योजना का लाभ नहीं लेते हैं तो संबंधित राशि को अन्य लाभुकों में स्वीकृति प्रदान करने का निर्देश दिया। वहीं, उपायुक्त ने अब तक जितने भी लाभुक लाभ ले चुके हैं उन सभी की जानकारी लेने के क्रम में दिए गए रोजगार हेतु लाभ का सही उपयोग कर रहे हैं कि नहीं इसकी जांच करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी को जिला कल्याण पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए अब तक रोजगार सृजन के लिए वाहन का लाभ लेने वाले लाभुकों की सूची अनुसार वाहनों की कमर्शियल रजिस्ट्रेशन की जांच करने का निर्देश दिया।

जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक में होली शांति व सौहार्द्र से मनाने पर सहमति

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ की संयुक्त अध्यक्षता में होली त्योहार एवं रमजान-2025 को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में जिला अंतर्गत सभी क्षेत्रों में उचित विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं जिले के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।बैठक में बताया गया कि आगामी 14 मार्च को होली है तथा उससे पूर्व 13 मार्च को होलिका दहन है, साथ ही अभी मुस्लिम समुदाय के द्वारा रोजा भी रखा जा रहा है।उक्त संदर्भ में उपायुक्त के द्वारा सभी शांति समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों को अपने क्षेत्र अंतर्गत निरंतर भ्रमणशील रहकर समस्त आयोजन के दौरान होने वाली गतिविधियों पर निगरानी रखने तथा आयोजन दिवस से पूर्व सभी स्थानों का भौतिक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया. उपायुक्त ने कहा कि इस दौरान पदाधिकारी गण कर्तव्य निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन,

साथ ही स्थानिक जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद करना सुनिश्चित करें।उपायुक्त द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी/थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्रीय स्तर पर संचालित व्हाट्सएप ग्रुपों में प्रसारित होने वाली सूचनाओं तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का अनुश्रवण करने का भी निर्देश दिया। त्योहार के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग को सभी स्वास्थ्य केंद्रों को क्रियाशील रखने, अलर्ट पर रहने, एंबुलेंस की व्यवस्था, साथ ही चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति को सुनिश्चित करने एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को नियमित रूप से सभी होटल, मिठाई दुकानों आदि का गहन जांच करने के लिए निर्देश दिया। आगजनी की घटना से बचने हेतु जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश अग्निशमन पदाधिकारी को दिया गया। साथ ही उपायुक्त महोदय द्वारा शांति समिति के सभी सदस्यों को निर्देश दिया गया कि होलिका दहन हेतु चिन्हित स्थल/मोहल्ला की सूची अनुमंडल पदाधिकारी सिमडेगा को सौंपकर अनुमति प्राप्त करें। होलिका दहन एवं होली के अवसर पर पेयजल आपूर्ति हेतु पानी टैंकर एवं होली के दिन पाइपलाइन के द्वारा सुबह से शाम तक निर्बाध रूप से पेयजल आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया। तथा शहरी क्षेत्र अंतर्गत खराब पड़े चापाकल की मराम्मति यथाशीघ्र सुनिश्चित करने की बात कहीं। वहीं पुलिस अधीक्षक सौरभ ने कहा कि पर्व/त्योहार के समय आयोजित होने वाले सभी समारोह के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह महत्वपूर्ण है।

डीसी की अध्यक्षता में जनजाति विकास अभिकरण विभाग की हुई समीक्षा

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में समेकित जनजाति विकास अभिकरण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, धूमकुड़िया भवन निर्माण, सरना/मसना स्थल घेराबंदी निमार्ण, अल्पसंख्यक कब्रिस्तान घेराबंदी एवं छात्रावास मराम्मति/जीणोद्धार अंतर्गत संचालित कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु कुल 7420 छात्र-छात्राओं का डाटा विद्यालय के आई0एन0ओ0 द्वारा वेरीफाई कर लिया गया है। जिसे उपायुक्त ने यथाशीघ्र जिला स्तरीय समिति से अनुमोदन लेकर एक दिन में राशि का भुगतान करने की बात कहीं। वहीं वित्तीय वर्ष 2024 -25 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु कुल 4945 छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन किया गया है। जिसकी समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। साइकिल वितरण योजना की समीक्षा कर बीते वर्ष 2023-24 में छुटे हुए छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 2707 साइकिल फिट किया गया है। जिसको कि अभिलंब छात्र-छात्राओं के बीच वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावे धूमकुड़िया आवास निर्माण, सरना-मसना स्थल घेराबंदी एवं कब्रिस्तान घेराबंदी में लंबित योजनाओं में यथा शीघ्र कार्य प्रगति लाने तथा पुण्य योजनाओं में राशि की भुगतान करने की बात कहीं। तथा जिस योजनाओं के क्रियान्वयन में भूमि विवाद संबंधित मामले हैं जो की निष्पादन नहीं हो सकते हैं उसमें योजनाओं को कैंसिल करने का निर्देश दिया गया। नई योजनाओं में जिसमें कि लाभुक समिति का गठन नहीं हुआ है, वहां समय से लाभुक समिति का गठन करते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन कराने का निर्देश दिया। बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की, सहित कार्यपालक अभियंता, जेईई एवं कल्याण एवं आईटीडीए विभाग के कर्मी गण उपस्थित थे।

समाजसेवी ने उपायुक्त से बानो स्टेशन में तीन ट्रेनों के ठहराव की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। लचरागढ़ के समाजसेवी सुनील सिंह ने शुक्रवार को उपायुक्त सिमडेगा से मुलाकात की।साथ ही बानो रेलवे स्टेशन में तीन ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर रेलवे डीविजन मैनेजर हटिया रांची के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा।सुनिल सिंह ने उपायुक्त महोदय को बानो रेलवे स्टेशन में ट्रेन नम्बर 15027-28 मौर्या एक्सप्रेस,ट्रेन नम्बर 02831-32 भुनेश्वर धनबाद एक्सप्रेस और ट्रेन नम्बर 08105-06 जयनगर राउरकेला एक्सप्रेस का ठहराव बानो स्टेशन में करवाने की मांग रखी।उन्होंने बताया कि बानो रेलवे स्टेशन में कई ट्रेनों का ठहराव नहीं होने के कारण न सिर्फ बानो वासियों को बल्कि सम्पूर्ण सिमडेगा वासियों को विशाखापटनम, चेन्नई,कोटा, बंगलोर,वेल्लोर जैसे बड़े शहरों में जाने के लिए रांची अथवा राउरकेला जाना पड़ता है।जिसकी दूरी भी काफी अधिक है।इस कारण लोगों को

काफी परेशानी होती है। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने उपायुक्त को जानकारी देते हुए बताया कि सिमडेगा जिला मुख्यालय से लगभग 60 K.M दूरी पर स्थित बानो रेलवे स्टेशन है, जो जंगल और पहाड़ों से घिरा जनजातीय बहुल क्षेत्र है, बानो प्रखंड हर दृष्टिकोण से पिछड़ा इलाका है।इस क्षेत्र के लोग रोजी रोजगार की तलाश में दूर-दूर तक जाते हैं।पढ़ने वाले छात-छात्राएँ विशाखापटन चेन्नई कोटा बंगलोर इत्यादि बड़े बड़े शहर जाते हैं।इलाज के लिए मरीजों को वेल्लोर जाने के लिए रांची या राउरकेला ट्रेन पकड़ने के लिए जाना पड़ता है दुर्भाग्य की बात यह है की इन शहरों को जाने वाली ट्रेन हमारे आगंन बानो रेलवे स्टेशन से गुजर कर जाती है।आजाद भारत में हम 75 वर्ष बिता चुके है देश अमृत महोत्सव मना रहा है।अतः निवेदन है कि इस जनजातीय बहुल क्षेत्र को जनता के विकास हेतु तीन ट्रेनों का बानो रेलवे स्टेशन में ठहराव सुनिश्चित किया जाए ।उपायुक्त ने भी मामले को गम्भीरता से लेते हुए बानो स्टेशन का डेवलोप करवाने की पहल करते हुए अधिक से अधिक ट्रेनों के ठहराव सुनिश्चित करवाने के लिए पहल करने का आश्वासन दिया।

भाजपा कार्यालय में अटल विरासत सम्मेलन का हुआ आयोजन

● अटल जी ने विचार, नैतिकता, संस्कृति, सिद्धान्तों के विश्वास को कायम रखा-मधु कोड़ा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा झारखंड निर्माता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी वर्ष 2024-25 के निमित शुक्रवार को अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन किया गया ।बीजेपी के जिला कार्यालय में अटल विरासत सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा का मुख्य वक्ता के रूप में आगमन हुआ। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी ने लोकतंत्र की नैतिकता बनाये रखने के लिए हमेशा योगदान दिया।राष्ट्रवाद स्थापित कर देश की संप्रभुता की रक्षा की,विपक्षी पार्टी के कुनीतियों के बावजूद देश में राष्ट्रवाद की बुनियाद को बनाये रखा. विचार, नैतिकता, संस्कृति, सिंद्धान्तो के विश्वास को कायम रखा अटल जी की जीवनी, विचारों, कार्यों को समाज मे पहुचाने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि अपना कर्म को नहीं छोड़ना चाहिए,जिम्मेदारी से संगठन को आगे बढ़ाना है।हमे अपने विचारों को स्थिर नहीं-गतिशील रखना है,मन के जीते जीत है, मन के हारे हार है।एक समय था जब सदन में बीजेपी के दो नेता थे, कॉंग्रेस पार्टी खिल्ली उड़ाती थी आज नतीजा देख लीजिए, भारतीय जनता पार्टी देश का सबसे बड़ी पार्टी बनकर सबके सामने है।अटल जी ने गुमला जिला की धरती से यह कहा था आप मुझे सांसद दो, मैं आपको आपका झारखंड दूंगा। इसके बाद जब अटल जी प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने झारखंड की जनता के लिए बिहार राज्य से अलग करके झारखंड को राज्य बनाया। बीजेपी के जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने भी अटल विरासत सम्मेलन में प्रकाश डाला कहा अटल जी लेखक और कवि के क्षेत्र में उत्कृष्ट थे,उन्होंने जनसंघ, भारतीय जनता पार्टी को आगे बढ़ाने में अनेकानेक काम किए है. अटल जी के विचारों को जन जन तक पहुचाने की जरूरत है. दुर्ग विजय सिंह ने कहा कि अलग झारखंड राज्य की परिकल्पना को अटल जी ने संवारा है. जन-जन की सेवा जैसे अटल जी के विचार को जन-जन तक पहुंचाना है।भूतपूर्व निर्मल बेसरा ने कहा कि सूर्य अस्त हो गया है।

पुराना शिव मंदिर में अखंड हरी कीर्तन व यज्ञ महोत्सव से पूर्व निकाली गई भव्य कलश यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ स्थित पुराना शिव मंदिर में चार दिवसीय अखंड हरि कीर्तन सह यज्ञ महोत्सव का आयोजन के पहले दिन शुक्रवार को कलश यात्रा निकाली गयी।शिव शक्ति महिला समिति लचरागढ़ की अगुवाई में कलश यात्रा शिव मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर ब्राहम्ण टोली ,प्रिंस चौक जलडेगा मोड़ होते हुए ब्राह्मण तालाब पहुंची।कलश यात्रा में 551 महिलाओं ने भाग लिया।कलश यात्रा जलाशय पहुंची जहां वैदिक मंत्रोच्यार के साथ संकल्प कर कलश में जल भरा गया।इसके बाद देवीगुड़ी मंदिर,लचरागढ़ मुख्य मार्ग हनुमान मंदिर,नीचे चौक स्थित शिव मंदिर,धर्मशाला,नायक टोली होते हुए कलश यात्रा यज्ञ स्थल पहुंची।जहां कलश की स्थापना किया गया।कलश यात्रा के दौरान लचरागढ़ स्थित सभी मंदिरों में व्रतियों ने माथा टेका,शनिवार को अधिवास व नामकरण के साथ अखंड हरि कीर्तन सह यज्ञ महोत्सव आरंभ किया जायेगा।रविवार को भी अखंड हरि कीर्तन कार्यक्रम होगा। वहीं सोमवार को पुर्णाहुति व नगर भ्रमण भंडारा कार्यक्रम के साथ कार्यक्रम का समापन किया जायेगा।पुरोहित सह मुख्य पुजारी प्रदीप पंडा,प्रमोद पंडा,भरतु दुबे,पुजारी रंजित पंडा,मदन पंडा,शामिल है।यजमान की भूमिका में गजेन्द्र साहू व उनकी धर्मपत्नी रुक्मिणी देवी शामिल हुए।

ठेठईटांगर पुलिस ने एक करोड़ रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की ,एक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। ठेठईटांगर पुलिस की बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने अवैध शराब लदा ट्रक जप्त किया। बताया गया गोवा से नेपाल भेजी जा रही लाखों की शराब ट्रक सहित जप्त एक को गिरफ्तार किया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजू उरांव ने जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि सिमडेगा के रास्ते से ट्रक गाड़ी संख्या TN57AB 8788 जप्त किया है। सिमडेगा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजू उरांव ने जानकारी देते हुए बताया कि अवैध विदेशी शराब कुतरा रोड से होकर रांची तरफ जाने के लिए आ रही थी इसके बाद इसकी सूचना थाना प्रभारी ठेठईटांगर मुरताज अंसारी को दी गई। जिसके बाद उन्होंने वरीय पदाधिकारी को सूचना देते हुए सिमडेगा उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक को भी इसकी सूचना देते हुए जोराम मोड आने

का अनुरोध किया गया सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु सब इंस्पेक्टर जयकांत कुमार गुप्ता के साथ जोराम मोड़ भेजा गया जिसके बाद ट्रक को जांच पड़ताल करने के बाद ट्रक के अंदर अवैध विदेशी शराब थी। पूछताछ करने पर चालक शेख दाउद ने बताया कि लोड विदेशी शराब को गोवा से लोड करके बिहार होते हुए नेपाल लेकर जा रहे हैं । मौके पर चालक शेख दाऊद जो तमिलनाडु निवासी है उसे गिरफ्तार किया गया ।एव सिमडेगा उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक राजीव नयन भी दलबल के साथ पहुंचे इसके बाद उक्त ट्रक ड्राइवर से इसके ट्रक में लोड विदेशी शराब से संबंधित कागजात की मांग करने पर ट्रक ड्राइवर द्वारा इससे संबंधित को कागजात उपलब्ध कराया जिसे उत्पाद विभाग द्वारा जांच करने के बाद बताया गया कि ट्रक के अंदर उपलब्ध कराए गए कागजातों का अवलोकन से ज्ञात हुआ कि ट्रक के ड्राइवर द्वारा उपलब्ध कागजात में कमी है, साथी बताया गया कि बिहार में शराबबंदी है ऐसे में उसे क्षेत्र से नेपाल जाने के दौरान पूर्ण रूप से शराब कंटेनर में डिजिटल लॉक के साथ होना आवश्यक है जबकि यह खुले ट्रक में था। मौके पर तुरंत पुलिस द्वारा ट्रक को जप्त करते हुए ठेठईटांगर थाना लाया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि करीब 1 करोड रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब है इस मामले में मामला दर्ज करते हुए चालक को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सिमडेगा के 678 व पालकोट के 31 टोले में जल्द पहुंचाएं बिजली

सिमडेगा। विधायक भूषण बाड़ा ने विद्युत विहिन गांव टोले में जल्द से बिजली बहाल कराने की मांग विधानसभा सत्र के माध्यम से सरकार से की है। विधायक ने विधानसभा सत्र के शून्यकाल में सरकार से मांग करते हुए कहा कि आज पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। लेकिन सिमडेगा के कुल 678 टोले एवं पालकोट प्रखंड के कुल 31 टोले में आज तक बिजली नहीं पहुंच पाई है। बिजली नहीं रहने के कारण इस टोले के लोग ढिब्री युग मे जीने को विवश हैं। बिजली नहीं रहने से इन टोले में रहने वाले ग्रामीणों को रात के समय मे भारी परेशानी होती है। वहीं बच्चों की पढ़ाई भी पूरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बहुल ये टोले ढिबरी युग में प्रकाश की आजादी की राह निहार रहे हैं। गांव में बिजली नहीं होने से हाथी भी गांव तक पहुंच कर ग्रामीणों के घर तोड़ देते है। सरकार सभी गांव और टोलों तक घर घर बिजली देने के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण योजना लाई।

अब तक मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति नहीं मिलने की जानकारी पर सदन में गरजे विधायक

नवीन मेल संवाददाता

● विधायक ने विधानसभा सत्र में जोरदार तरीके से की मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग

सिमडेगा। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने शुक्रवार को जिले में मेडिकल कॉलेज खुलवाने का मामला विधानसभा सत्र में उठाया है। विधायक ने सत्र में सरकार से पूछा कि आदिवासी बहुल सिमडेगा जिला में पूर्व में मेडिकल कॉलेज खोलने हेतु सरकार से स्वीकृति प्रदान की गई थी। लेकिन प्रशासनिक उदासिनता से कॉलेज को दूसरे जिले में स्थापित किया गया। इस पर सरकार द्वारा अपने जवाब में अस्वीकारात्मक बताया गया। इस पर विधायक ने गहरी नराजगी व्यक्त की। उन्होंने सरकार के जवाब का खंडन करते हुए कहा कि अगर जिले में पूर्व में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु सरकार से स्वीकृति प्रदान नहीं की गई थी, तो 2020 में मेडिकल कॉलेज निर्माण के नाम पर ठेठईटांगर के अंबापानी में जमीन चिन्हित क्यों कराई जा रही थी। विधायक ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति नहीं मिलने के बावजूद जमीन चिंहित कर भोले भाले जनता को गुमराह करने का काम किया गया। साथ ही विपक्ष के लोगों को स्थानीय विधायकों की कार्यशैली पर सवाल उठाने का मौका देने का काम किया। विधायक ने कहा कि जमीन चिन्हित का कार्य करने के बाद मेडिकल कॉलेज नहीं खुलने से जिले के विधायकों को विपक्ष पार्टीयों द्वारा जनता के पास नीचा दिखाने का प्रयास किया गया था और यह मुद्दा लंबे समय तक चला था।

जिले में मेडिकल कॉलेज का अब तक प्रास्ताव नहीं होना आदिवासियों के साथ धोखा: भूषण बाड़ा

विधायक ने सरकार से जिले में कब तक एक मेडिकल खोलने पर सरकार द्वारा विचार किए जाने के संबंध में भी जानकारी मांगी। इस पर सरकार द्वारा बताया गया कि वर्तमान में अब तक जिले में ऐसा एक भी प्रास्ताव विचाराधीन नहीं है। इस पर भी विधायक ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर कई बार पहल की गई है। इसके बाद भी अब तक इस संबंध में कोई पहन नहीं किया जाना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि झारखंड आदिवासियों का है। लेकिन सरकार के उदासिनता से आदिवासी बहुल जिले के बच्चे साधारण ग्रेजुएशन और आईटीआई की पढ़ाई तक सिमित हैं। जबकि इस चुनाव में 29 में से 28 आदिवासी सीट पर अबुआ सरकार पर आदिवासियों ने भरोसा जताया है। इसके बाद भी आदिवासी बहुल सिमडेगा जिले में मेडिकल कॉलेज निर्माण कराने पर विचार नहीं रखना आदिवासियों के साथ धोखा है।

पर्याप्त सख्या में पदस्थापित करें चिकित्सक

विधायक ने विधानसभा सत्र में जिले में चिकित्सकों की कमी को भी दूर करने की मांग की है। विधानसभा सत्र में विधायक ने कहा कि जिले में चिकित्सकों एवं चिकित्सा सुविधा की घोर कमी है। चिकित्सकों की कमी के कारण गरीब जनता का सही तरीके से इलाज नहीं हो पा रही है। पर्याप्त सँख्या में चिकित्सक नहीं रहने से लोग इलाज कराने के लिए रांची-राउरकेला पर आश्रित रहते हैं। जिसकी दूरी अधिक होने के कारण कई गरीब इलाज कराने में असमर्थ हो जाते हैं। वहीं समुचित इलाज के आभाव में कई बार लोगों की मौत भी हो जाती है।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिला शिक्षा अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

सिमडेगा। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ जिला इकाई का एक प्रतिनिधि मंडल जिला अध्यक्ष प्रेम कुमार शर्मा के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधीक्षक से मिलकर 31 मार्च 2025 तक प्रोन्नति देने से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया संगठन ने जिला शिक्षा अधीक्षक से कहा कि आपके द्वारा जनवरी माह में दावा आपत्ति की मांग की गई थी शिक्षकों के द्वारा दावा आपत्ति करने के 2 महीने बीत जाने के बाद भी प्रोन्नति पर किसी भी प्रकार की प्रगति नहीं दिखाई दे रही है जिससे जिले के शिक्षकों में घोर निराशा एवं रोष व्याप्त है अतः संघ ने जिला शिक्षा अधीक्षक को 31 मार्च तक प्रमोशन देते हुए विद्यालय में पदस्थापित करने का आग्रह किया गया।जिसपर जिला शिक्षा अधीक्षक ने कहा कि प्रोन्नति का कार्य शीघ्र कर दी जाएगी। मौके पर महासचिव संजय कुमार, राजकुमार राम,नौशाद परवेज,संजय वर्मा ,अजीत तिर्की, उपेंद्र कुमार, रामचंद्र नायक, मृगेंद्र कुमार, कुलभूषण बिलुंग सहित अन्य उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

हुरपी पुल के पास रौतिया समाज की ओर से होली मिलन समारोह आज

बानो। प्रखण्ड के कोयल नदी हुरपी पुल के पास रौतिया समाज का होली मिलन समारोह 8मार्च को 10 से आयोजित की गई है। जानकारी देते हुये क्षेत्रीय समिति सदस्य डॉ अर्जुन सिंह ने बताया कि होली मिलन समारोह में समाज के सभी सदस्य अवश्य भाग ले व अपने विचार से अवगत कराएं ।इधर बानो थाना में 8 मार्च को 3 बजे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है।होली मिलन समारोह में प्रखण्ड के विभिन्न संस्थानों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ,समाज सेवियों को हॉली मिलन समारोह में भाग लेने की अपील की गई है।उक्त जानकारी थाना प्रभारी विकास कुमार ने दी।

गेनमेर में अखण्ड हरि कीर्तन कार्यक्रम संपन्न

बानो। प्रखंड के हुरदा क्षेत्र के गेनमेर गांव में आयोजित एक दिवसीय 24 घंटे का अखण्ड हरि कीर्तन नगर भ्रमण पूर्णाहुति व भण्डारा के साथ सम्पन्न हो गया।कार्यक्रम में यज्ञमान की भूमिका में भीम सिहं व पुरोहित की भूमिका ददन मिश्रा ने निभाई।हरि कीर्तन में हुरदा,मरानी, जोरोबाड़ी,गिरदा,बिरहुली आदि कीर्तन मण्डलियों ने भाग लिया।कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवचरण सिंह,मेखजन सिंह, सुरेन्द्र सिंह,दीपक सिंह,महिपाल सिंह,गजेन्द्र सिंह,श्याम सिंह,पदुमन सिंह, भूषण बड़आइक,धनेश्वर सिंह, जन्मेंजय सिंह के अलावा अन्य कई लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में लैंप लाइटिंग कैपिंग 8 को

बानो। मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बानो में ए.एन.एम एवं जी.एन.एम नर्सिंग छात्राओं का लैंप लाइटिंग कैपिंग समारोह मनाया जाएगा। इस समारोह में प्रशिक्षु नर्सिंग छात्राओं को निष्ठा पूर्ण प्रशिक्षण के लिए शपथ दिलाई जाएगी। यह समारोह नर्सिंग छात्राओं के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा। कैंपिंग समारोह नर्सिंग के क्षेत्र में प्रवेश का द्वार है जिससे समुदाय के साथ जुड़ाव का एक अवसर प्रदान करता है, जहां नर्सिंग छात्राएं शैक्षणिक के साथ साथ क्लिनिकल अभ्यास सीख कर अपनी सेवा प्रदान करती है। कॉलेज के निदेशक डॉ प्रह्लाद मिश्रा ने बताया कि यह समारोह नर्सिंग छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, समारोह में मुख्य अतिथि सिविल सर्जन सिमडेगा डॉ रामदेव पासवान और विशिष्ट अतिथि उपसचिव कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग महेंद्र कुमार उपस्थित रहेंगे।

लचरागढ़ में आयुष्मान आरोग्य शिविर सह सातवां जन औषधि दिवस का हुआ आयोजन

कोलेबिरा। प्रखंड के लचरागढ़ आयुष्मान आरोग्य मंदिर परिसर में आयुष्मान आरोग्य शिविर सह सातवां जन औषधि दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन लचरागढ़ मुखिया जिरेन मड़की और जैस समिति के द्वारा किया गया। इस अवसर पर 80 से अधिक लोगों का स्वास्थय जांच कर निशुल्क दवा दिया गया। स्वास्थ्य शिविर में सुगर,बीपी,कैंसर,सहित बीमारी एनसीडी जांच किया गया ।लोगों को जन औषधि दिवस के बारे में जानकारी दिया गया,लोगों को निरोग रहने के बारे विस्तारपुर्वक बताया गया ।इस अवसर पर सीएचओ अनुषा नेहा किड़ो,ए एन एम प्रेम माधुरी कुजुर, एमपीडब्लयु विनोद कुमार, सहिया विक्टोरिया लुगुन, सेरोफिना टेटे,सीमा देवी, ललिता देवी,उर्मिला देवी के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने शिविर आयोजित कर 13 लोगों को दिया ऑन द स्पॉट लाइसेंस

सिमडेगा। खाद्य सुरक्षा विभाग सिमडेगा के कार्यालय में सिविल सर्जन के निर्देश अनुसार खाद्य सुरक्षा के नियमित एक दिवसीय निशुल्क लाइसेंस रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन किया गया ।सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान के द्वारा बताया गया कि खाद्य लाइसेंस हर खाद्य कारोबारी को लेना अनिवार्य है ,प्राय देखा जाता है कि खाद्य कारोबारी को खाद्य लाइसेंस लेने के लिए कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं जिससे उन्हें काफी कठिनाई होती है ,जिसको देखते हुए यह विशेष कैंप का आयोजन किया गया ।जिससे खाद्य कारोबारी को मौके पर उपस्थित होकर 13 आवेदकों को ऑन द स्पॉट खाद्य अनुज्ञप्ति दी गई। भविष्य में यदि औचक निरीक्षण के क्रम में किसी भी खाद्य कारोबारी के लाइसेंस की मांग करने पर अगर कारोबारी के द्वारा लाइसेंस नहीं दिखाया जाता है तो उनके विरुद्ध नियम संगत कार्रवाई की जाएगी।

रायकेरा गांव में हिंदू जागरण मंच की हुई बैठक हिंदू नव वर्ष की तैयारी को लेकर हुई चर्चा

बानो। बानो प्रखंड के रायकेरा गांव में हिंदू जागरण की बैठक हुइ। बैठक मे 9 मार्च 2025 रविवार क्षेत्र के गांवों में परम पूज्य जगतगुरु शंकराचार्य सदानंद महाराज का आगमन होगा। इसको लेकर तैयारी हेतु बैठक किया गया। बताया गया कि हिंदू नव वर्ष तक आसपास के सभी गांवों में भगवा ध्वज लगाना है।भगवा ध्वज का निर्माण सरना सनातन सेवा संस्थान मनोहरपुर के तत्वावधान में किया जा रहा है जिसका लक्ष्य हिंदू नव वर्ष तक 15000 घरों में भगवा ध्वज पहुंचाना है।हिंदू जागरण के प्रदेश कार्यकर्ता सह सरना सनातन सेवा संस्थान के सचिव शिव शरण सिंह ने बताया कि सनातन धर्म के विकास एवं सुरक्षा के लिए जो भी कार्य करना पड़े वह सब काम हमारे संस्थान के द्वारा किया जाएगा और हिंदू जागरण के सभी कार्यों में यह संस्थान मजबूती के साथ खड़ा रहेगा।

सिमडेगा के विभिन्न इलाकों में चलाया गया विधिक जागरूकता कार्यक्रम

सिमडेगा। झालसा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाए जा रहे 90 दिवसीय आउटरीच जागरूकता अभियान के तहत जिले के विभिन्न इलाकों में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों प्राधिकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले विधिक सेवाओं के बारे जानकारी दी। शहरी क्षेत्र के हरिपुर में लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता,विधवा एवं वृद्धा पेंशन,मानव तस्करी,डायन प्रथा,नशा मुक्ति,टोल फ्री नंबर 15100, क्यू आर इत्यादि की जानकारी पारा लीगल वोलेंटियर काजल कुमारी एवं सुरजीत प्रसाद के द्वारा दिया गया। ठेठईटांगर प्रखंड के टुकूपानी पंचायत के अंतर्गत मतरामेटा में ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता के बारे जानकारी दी गई। पीएलवी ने वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन,विकलांग पेंशन, मानव तस्करी,पोक्सो एक्ट, बाल विवाह,डायन प्रथा,सड़क दुर्घटना,श्रम कार्ड,बाल श्रम कानून आदि के बारे जानकारी दी। कुरडेग प्रखंड के हेठमा पंचायत के सड़क टोली और कुसुम टोली में भी शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को कानून की जानकारी दी।

दो दिवसीय अखंड हरि कीर्तन सह यज्ञ महोत्सव का आयोजन के पहले दिन निकली कलश यात्रा

बानो। प्रखंड के रबई में दो दिवसीय अखंड हरि कीर्तन सह यज्ञ महोत्सव का आयोजन के पहले दिन कलश यात्रा निकाली गयी ।कलश यात्रा यज्ञ स्थल से प्रारंभ होकर जलाशय पहुंची ।कलश यात्रा में 251 महिलाओं ने भाग लिया ।कलश यात्रा जलाशय पहुंची जहां वैदिक मंत्रोच्यार के साथ संकल्प कर कलश में जल भरा गया ।इसके बाद विभिन्न मार्ग से होते हुए कलश यात्रा यज्ञ स्थल पहुंची। पुरोहित पंडित बसंत दास व यजमान की भूमिका राम रतन साहू व उनकी धर्मपत्नी बॉबी देवी निभा रहे इस अवसर पर व्यवस्थापक डोमन साहू,लोक नृत्य गोपाल ओहदार,गोंदरा ओहदार,विनय साहू,समीर साहू,चरकु साहू, दिलीप ओहदार,ऋषभ साहू, कृष्णा साहू,हरिहर साहू एवं समस्त ग्रामीण उपस्थित थे।

कोलेबिरा विधायक ने अवैध पत्थर खनन को लेकर सदन में उठाई कारवाई की मांग

सिमडेगा। कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाडी ने बजट सत्र के दौरान विधानसभा में सिमडेगा जिले में अवैध पत्थर खनन को लेकर कार्रवाई हेतु मांग उठाई है सदन के अंदर विधायक ने कहा कि सिमडेगा जिला में अनुज्ञप्ति प्राप्त लीज धारकों द्वारा पत्थर लीज धारक वार्षिक उत्पादन से अधिक खनन कर एवं क्रेशर धारकों द्वारा पत्थर उत्पादन से अधिक उत्पादन कर ढुलाई किया जाता है। जिससे बहुत बड़े पैमाने पर सरकार के राजस्व का क्षति पहुंचाई जाती है। इससे साफ पता चलता है कि अवैध तरीके से पत्थर का खनन और क्रशर मालिकों द्वारा उत्पादन किया जा रहा है ।जो सोचनीय विषय है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि इसमें बड़े पैमाने पर मिलीभगत से काम को सम्पादित किया जा रहा है। उन्होंने सदन के माध्यम से सरकार से मांग किया कि इसके लिए उच्च स्तरीय जांच कमिटी बनाकर चांज कराई जाए और इस अवैध धंधे में जो भी संलिप्त हैं उसपर कानून सम्मत कार्रवाई की जाए।

बरनवाल धर्मशाला निर्माण को लेकर हुआ भूमिपूजन का हुआ आयोजन

स्मृति भवन के रूप में धर्मशाला का होगा निर्माण : भगवान दास

नवीन मेल संवाददाता। गावां गिरिडीह
गावां बाजार में शुक्रवार को बरनवाल धर्मशाला निर्माण को ले भूमिपूजन सह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता भगवान दास बरनवाल एवं संचालन संदीप बरनवाल ने किया। समारोह में भूमिदाता बृजनंदन बरनवाल, सुधीर बरनवाल व विपिन बरनवाल उपस्थित थे। समारोह में सबसे पहले बरनवाल धर्मशाला निर्माण को लेकर भूमिपूजन किया गया। इस दौरान भूमिदाता परिवार को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद होली मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया। समारोह में एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई दी। मौके पर बरनवाल समाज के अध्यक्ष भगवान दास बरनवाल ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि गावां में समाज का अपना भवन बनने जा रहा है। शुक्रवार को भूमिपूजन के साथ निर्माण कार्य शुरू हो गया है। कहा कि स्व प्रयाग लाल और शारदा देवी के तीनों पुत्र ने जो समाज का भवन निर्माण के लिए भूमि दान में दिया है वह समाज के लिए काफी गर्व की बात है। इसके बाद गावां बरनवाल समाज सदैव ऋणी रहेगा। साथ ही उन्हीं के स्मृति भवन के रूप में धर्मशाला का निर्माण होगा। भूमिदाता बृजनंदन बरनवाल ने कहा कि उनके माता-पिता का सपना था कि गावां में बरनवाल समाज का अपना भवन हो, उन्हीं के सपनों को साकार करते हुए हमारा परिवार भूमि दान में दिया है। साथ ही समाज के लोगों से भी आग्रह किया है कि वे बढ़चढ़ कर भवन निर्माण में सहयोग करें, ताकि जल्द से जल्द भवन बन सके। उन्होंने आगे भी सहयोग करने का भरोसा दिलाया। मौके पर सचिव सुधीर भास्कर, संरक्षक सुनील बरनवाल, कोषाध्यक्ष मंटू बरनवाल,चुन्नू बरनवाल, मुन्ना बरनवाल समेत दर्जनों बरनवाल परिवार के लोग उपस्थित थे।

आदिवासी समाज के लोग करेंगे विरोध प्रदर्शन

इष्ट देव मारांग बुरु को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए राष्ट्रपति को सौंपेंगे मांग पत्र

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत मारांग बुरु (पारसनाथ पहाड़) को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर शुक्रवार को धनबाद जिला समाहरणालय के समीप सोनोत संथाल समाज केंद्रीय समिति के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। जिसकी अध्यक्षता समाज के केंद्रीय सचिव अनिल कुमार टुडू ने की। धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अनिल कुमार टुडू ने कहा कि जैन समुदाय के लोगों को मात्र 86 डिसमिल जमीन पर ही पूजा - पाठ करने का अधिकार दिया गया है। उन्हें स्वामित्व नहीं मिला है।पूरे पारसनाथ क्षेत्र सेंसेटिव जोन घोषित है। जहां कोई भी कंक्रीट का काम नहीं होना है,लेकिन पूरे मारांग बुरु (पारसनाथ पहाड़) के शिखर में जैनियों द्वारा प्रकृति से छेड़छाड़ कर पेड़ों व जंगलों को काटकर कंक्रीट का जंगल बनाया जा रहा है। इसका आदिवासी समुदाय ने विरोध किया हैं। केन्द्रीय संयोजक सदस्य रमेश टुडू ने कहा कि संथाल आदिवासी प्रकृति पूजक हैं। आदिकाल से आदिवासियों का पारस नाथ पहाड़ ही मारांग बुरु है और मारांग बुरु ही संथाल आदिवासियों के सबसे बड़े व महान इष्ट देव हैं।

शादी से इनकार करने पर प्रेमी को पड़ा महंगा

प्रेमिका ने प्रेम प्रसंग को लेकर थाना में कराई प्राथमिकी दर्ज, पुलिस छापेमारी में जुटी

नवीन मेल संवाददाता। गांडेय, गिरिडीह
गांडेय प्रखंड के एक युवक को अपनी शादी की रस्म की फोटो सोशल मीडिया में शेयर करना मंहगा पड़ गया। फेसबुक में प्रेमी का फोटो देखकर उसकी प्रेमिका ने इसका विरोध किया । प्रेमी को प्रेमिका ने गांडेय थाना में आवेदन भी दिया नतीजन युवक की शादी कैंसिल हो गई और युवक घर से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार गांडेय थाना क्षेत्र के भोगतिया लोहारी गांव निवासी प्रकाश यादव के 22 वर्षीय पुत्र सुरज यादव की शादी अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के जोगनियाटांड में ठीक हुई थी। भोगतिया लोहारी गांव से युवक की बारात 7 मार्च को जोगनियाटांड गांव के लिए निकलने वाली थी। बीते दो दिन पूर्व युवक की हल्दी की रस्म अदा की गई । युवक ने शरीर में हल्दी लगा फोटो फेसबुक में पोस्ट किया। फोटो देखकर सुरज यादव की प्रेमिका ने आपत्ति दर्ज किया। बता दें कि सुरज यादव का प्रेम प्रसंग विगत कुछ माह से गांडेय थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ चल रहा था। युवती ने गांडेय थाना क्षेत्र में आवेदन देकर सुरज यादव पर आरोप लगाया कि सुरज यादव शादी का प्रलोभन देकर पिछले कुछ महीने से उसका यौन शोषण कर रहा था। युवती के दिए आवेदन के आधार पर गांडेय पुलिस ने शुक्रवार को सुरज यादव के खिलाफ कांड संख्या 19/25 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस सुरज यादव की गिरफ्तारी के लिए उसके घर पहुंची तब - तक घर से बाप-बेटे फरार हो चुके थे। सुरज यादव की गिरफ्तारी के लिए गांडेय पुलिस उसके करीबी लोगों से पुछताछ करते हुए संबंधित क्षेत्र में छापामारी भी कर रही है। इधर मामला दर्ज होने की सूचना पर जोगनियाटांड में लड़की पक्ष ने शादी कैंसिल कर दिया है।

9 मार्च को बरही थाने का होगा घेराव

बरही । आगामी 9 मार्च को भीम आर्मी एकता मिशन की ओर से बरही थाना का घेराव किया जायेगा. उक्त जानकारी मिशन के बरही प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने दी. उन्होंने बताया कि बीते 23 फरवरी को विजैया गांव के कुछ दबंग परिवार के लोग दलित परिवार के घरों में घुस कर जान लेवा हमला किया था. इस हमले में 7 लोगो को बेरहमी से पीटकर घायल किया गया था. इस संबध में पीड़ित के द्वारा आवेदन दिए गए थे. परंतु आवेदन पर स्थानीय पुलिस ने अब तक कोई कारवाई नही किया है. आरोपी खुल्लेआम घूम रहे है और लगातार पीड़ित परिवार को शिकायत वापस लेने की धमकी दे रहे है. यह पूरा मामला मिशन के प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष के संज्ञान में है. यदि 8 मार्च तक उचित कारवाई नही होती है तो संगठन न्याय दिलाने के लिए 9 मार्च को सड़को पर उतरेगा. साथ ही बरही थाना का घेराव किया जायेगा. इस घेराव कार्यक्रम में बरही विस के विभिन्न प्रखंड से हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे.

किसानों को गन्ना उत्पादन का प्रशिक्षण दिया

गांडेय, गिरिडीह। गांडेय प्रखंड के उदयपुर पंचायत के पंचायत सचिवालय में बीते गुरुवार को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड सरकार और अभिव्यक्ति फाउंडेशन व गन्ना विकास योजना के द्वारा संयुक्त तत्वावधान में किसानों को गन्ना उत्पादन का एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षण में उपस्थित गन्ना विकास योजना के हजारीबाग निदेशक वीना टुडु ने उपस्थित किसानों को गन्ना उत्पादन के लाभ एवं विशेषताओं की जानकारी दिया । कृषि वैज्ञानिक नवीन कुमार ने किसानों को गन्ना की खेती को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की विधि बताई वैज्ञानिक तरीके से खेती करने से किसान अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। मौके पर अभिव्यक्ति फाउंडेशन के फील्ड आफिसर भीम प्रसाद सिंह , आकाश सिन्हा , कनीय पौधा संरक्षक पदाधिकारी मनीष कुमार सहित अन्य किसान उपस्थित थे।

बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप नाबालिग चचेरा भाई गिरफ्तार

तिसरी। तिसरी थाना क्षेत्र में गुरुवार को 3 वर्षीय बच्ची के साथ एक 16 वर्षीय किशोर द्वारा दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया। आरोपी बच्ची के रिश्तेदार में चचेरा भाई बताया जा रहा है। इस बाबत बच्ची की मां ने तिसरी थाने में लिखित शिकायत भी की है। दिए गए आवेदन अनुसार बच्ची आंगन में खेल रही थी तभी उसका चचेरा भाई ने गलत नीयत से अपने पास बुलाया और बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इधर मामले की जानकारी पर तिसरी थाना की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पोक्सो एक्ट के तहत कांड संख्या 16/25 दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं शुक्रवार को कोविड व मेडिकल जांच के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहाँ से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया।

स्कूल उद्घाटन में बच्चों को किया गया सम्मानित

अशिक्षित लोग हवादार हो सकते हैं फलदार नहीं : उपप्रमुख

नवीन मेल संवाददाता। गावां, गिरिडीह
गावां थाना मोड़ में शुक्रवार को फ्यूचर फाउंडेशन पब्लिक स्कूल का उद्घाटन किया गया। इसका उद्घाटन उपप्रमुख नेहा कुमारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अजय सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद, विधायक प्रतिनिधि मुन्ना सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया। उद्घाटन के बाद पिछले 5 फरवरी को स्कूल के तरफ से आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में टॉप टेन हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इसमें टॉप टेन थ्री लाने वाले बच्चों को ट्रॉफी के साथ नकद राशि का भी पुरस्कार दिया गया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की आधारशिला है। शिक्षा से ही हम अपने समाज, परिवार और देश को आगे बढ़ा सकते हैं और अपने बच्चों को एक बेहतर भविष्य प्रदान कर सकते हैं। कहा कि इस स्कूल का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण कदम है जो इस क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगा। कहा कि यह स्कूल न केवल बच्चों को शिक्षित करेगा, बल्कि उन्हें अच्छे नागरिक भी बनाएगा। डायरेक्टर मुकेश कुमार और प्रधानाचार्य इजहार खान ने बताया कि स्कूल में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि स्कूल का उद्देश्य बच्चों को न केवल शिक्षित करना है, बल्कि उन्हें अच्छे नागरिक भी बनाना है। मौके पर जयराम यादव, अजीत पांडेय, कुर्बान खान, जीशान खान, नसीम खान, पंकज मिश्रा, प्रमोद कुमार, निहारिका कुमारी, कशिश खान आदि उपस्थित थे।

सिमडेगा एसपी ने किया मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन

सिमडेगा। एसपी सौरभ की अध्यक्षता में शुक्रवार को एसपी कार्यालय सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया ।अपराध गोष्ठी में आगामी होली ईद एवं सरहुल पर्व को लेकर विस्तार पूर्वक समीक्षा की गई । सबसे पहले उन्होंने सिमडेगा के सभी थाना प्रभारी के साथ थानावार पिछले महीने दिए गए टास्क के अनुरूप अब तक किए गए कार्यों की विस्तार पूर्वक समीक्षा की ,साथ ही लंबित मामले का जल्द निष्पादन करते हुए कार्यों को ईमानदारी पूर्वक करने के निर्देश साथ ही उन्हें कहा कि त्यौहार को ध्यान में रखते हुए पुलिस पूरी तरह से सक्रिय रूप से काम करेगी ताकि किसी प्रकार से त्योहार के दौरान माहौल खराब ना हो। उन्हें कहा कि होली के दौरान हुड़दंग करने वाले लोगों के ऊपर पुलिस से कार्रवाई करेगी। एसपी ने कहा कि सिमडेगा में आगामी पर्व होली पवित्र रमजान एवं सरहुल को लेकर सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में क्रियाशील रहने के निर्देश दिया गए हैं।

हाथियों ने बिरनी में मचाया उत्पाद, दर्जनों किसानों के फसलों को पहुंचाया नुकसान

बिरनी गिरिडीह। बिरनी प्रखंड में इन दिनों एक बार हाथियों फिर उपस्थिति दर्ज कराई है, जिसके बाद ग्रामीणों दहशत का माहौल बना हुआ है। हाथियो ने बिरनी प्रखंड के बाराडीह समेत झरखी,पिपराडीह और जमुनियाटांड में हाथियों ने दर्जनों किसानों का फसल नष्ट कर दिया है।।सुरेश पंडित,छोटू साव,मुकेश साव, मुस्तक अन्सारी, बुधन मिया,लाल मोहम्मद, राजकुमार यादव, बबली महतो,इसाक मिया समेत दर्जनों किसानों का क्षतिग्रस्त किया है। हाथियों ने प्याज और गेंहू फसल का पूरे तरह से नष्ट कर दिया है। इस दरमियान में इसाक मिया का दीवार को भी क्षत्रि पहुचाया है। इस दौरान गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। घटना की सूचना पाकर स्थानीय मुखिया सहदेव यादव समेत ग्रामीण पहुंचकर क्षति पहुंचाई गई फसल को नष्ट का हाल देखा और विभाग को सूचना कर दिया है।

बुजुर्ग महिला ने बेटा-बहू पर जबरन मकान अपने नाम कराने का लगाया आरोप

धनबाद । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनी। जनता दरबार में बरवाअड्डा की एक बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त को बताया कि उनके दोनों बेटे और बहुएं जबरन मकान उनके नाम कर देने के लिए दबाव बना रहे हैं। मना करने पर दोनों बेटे और बहुएं उनको विभिन्न तरह से प्रताड़ित करते हैं। महिला ने उपायुक्त से उनकी हरकतों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई। वहीं एक बुजुर्ग ने उपायुक्त को बताया कि वह कुसुम विहार के एक अपार्टमेंट में काम करते थे। परंतु अपार्टमेंट वालों के आपसी विवाद के कारण उन्हें कई महिनों से भुगतान नहीं किया है। उन्होंने भुगतान करा देने तथा वृद्धा पेंशन दिलाने का अनुरोध किया। जनता दरबार में गैर आबाद जमीन पर अवैध कब्जा करने, अंचल कार्यालय द्वारा म्यूटेशन नहीं करने, काम कराकर मजदूरी नहीं देने, जमीन पर अवैध सड़क निर्माण करने, बीसीसीएल के एरिया नंबर 10 अंतर्गत चल रहे ओपन कास्ट परियोजना में जबरन जमीन पर कब्जा करने, पानी, बिजली की समस्या सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
सखी बहिनपा मैथिलानी समूह धनबाद इकाई द्वारा देव विहार स्थित कल्याणेश्वरी टावर फ्लैट नम्बर 10 में होली मिलन समारोह धुमधाम से मनाया गया।विदित हो कि मिथिला की परंपरा एवं संस्कृति ही मिथिलांचल वासियों के लिए विशिष्टता की पहचान है। अपने पारंपरिक रीति -रिवाज के क्रम में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सखी बहिनपा धनबाद इकाई द्वारा रंगोत्सव मनाया गया।दीप प्रज्जवलन और गोसाउनि गीत (जय जय भैरवी असुर भयाउनि.....) संग कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। तत्पश्चात समूह की विभिन्न सखियों ने अपने पारंपरिक गीतों एवं नृत्यों से सभी का मन मोहा। इस संस्था का उद्देश्य अपनी मातृभाषा मैथिली एवं अपनी संस्कृति का संरक्षण करना हैं। समूह की सखियों ने बताया कि हमारी संस्था अपने सामाजिक दायित्व के निर्वहन के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के साथ समय - समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन करती रहती है ।आज इसी कड़ी में विद्यालयों में नए सत्र के प्रारंभ में सर्वेश्वरी आश्रम के बच्चों के लिए उनके पठन-पाठन में सहायक आवश्यक सामग्री (किताब कॉपी ,पैंसिल रबर कटर कलम औजार बांक्स)के साथ-साथ होली पर्व के लिए नए वस्त्र,मिठाई, जूस चिप्स खाने-पीने की सामग्री का वितरण कर उन बच्चों को गुलाल लगाकर होली भी मनाई।

महिलाएं अपनी शक्ति पहचानें वे अजेय हैं : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद
महिलाएं अपनी शक्ति पहचानें। वे अजेय हैं। माता पिता धनी है तो भी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना होगा। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। वे अपने जीवन का निर्णय स्वयं ले सकेगी। उपरोक्त बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सिम्फर) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का समान अवसर मिलना चाहिए। पुरुष और महिला में लैंगिक समानता होनी चाहिए। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है। लाखों महिलाओं ने बुलंदियों को छुआ है। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से सर्वोच्च पद हासिल किया है। परंतु समाज में ऐसी भी महिलाएं हैं जो समानता के लिए संघर्ष कर रही है। महिलाओं को संघर्ष नहीं करना पड़े इसलिए बच्चियों को शिक्षा देना जरूरी है। उन्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी तो अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगी।

बीडीओ ने प्रखंड के सभी पंचायत में संचालित योजना के कार्यों की समीक्षा की

स्वयंसेवकों को ससमय पूरा करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। कोलेबिरा
प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को बीडीओ ने सरकार द्वारा संचालित योजना एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।बीडीओ विरेंद्र किंडो के द्वारा पंचायत वार समीक्षा की गई। उन्होंने सभी पंचायत के पंचायत सचिवों,मुखिया रोजगार सेवक एवं स्वयंसेवकों से बारी-बारी पंचायतों में संचालित 15 वित्त आयोग मद,मनरेगा एवं आवास योजना की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी प्राप्त की। बैठक में 15 वें वित्त आयोग और मनरेगा से संचालित, योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। मनरेगा योजना अंतर्गत संचालित कार्य में लगे मजदूरों को ससमय मजदूरी भुगतान करने का निर्देश दिया गया। वहीं मजदूरों के मजदूरी में किसी प्रकार की कोई लापरवाही ना बरतने की बात कही। अगर कोई करनी मजदूरी भुगतान करने में लापरवाही बरतते पकड़े जाएंगे उनपर कार्रवाई की जाएगी। लंबित कूप निर्माण कार्य,बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत आम बागवानी योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अबुआ आवास व पीएम आवास का भी समीक्षा किया गया तथा अधुरे पड़े पीएम आवास और लंबित अबुआ आवास को भी जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। आवास योजना के संबंध में उन्होंने पंचायत के सभी पंचायत सचिवों स्वयंसेवकों को अपने-अपने पंचायत में लाभुक आवास जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया।अगर आवास निर्माण कार्य में किसी लाभुकों को कोई प्रकार की परेशानी हो रही है तो उनसे संपर्क करने की बात कही।संबंधित कर्मियों को आवास के लाभुकों को आवास निर्माण के लिए आवंटित लिस्ट भी निश्चित समय में भुगतान करने की बात कही। बैठक में मनरेगा अंतर्गत मानव दिवस सृजन में ग्राम पंचायत नवाटोली,कोलेबिरा, टूटिकल एवं बंदरचुवाँ की स्थिति असंतोषजनक पाई गई।बीडीओ द्वारा संबंधित पंचायत के मुखिया पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक को लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन हेतु निर्देश दिया गया।

उचित स्थान नहीं मिलने से होनहार खिलाड़ी दूसरे राज्यों से खेलने पर मजबूर

नवीन मेल संवाददाता। बानो
कहा जाता है कि झारखंड राज्य हॉकी के खेल के रूप में जाना जाता है ।उसी तरह सिमडेगा जिला हॉकी खेल का नर्सरी के रूप में जाना जाता है ।परंतु आज सिमडेगा जिला के युवा आदिवासी हॉकी खिलाड़ी भूषण तिर्की झारखंड सहित अन्य राज्यों से अनुबंध पर हॉकी खेल रहा है ।बानो प्रखण्ड के होनहार हॉकी खेलाड़ी भूषण तिर्की को आज भी कोई उचित मंच नहीं मिल पाया है ।बानो प्रखण्ड के ग्राम सुमिनबेडा निवासी कारलुसल तिर्की का पुत्र भूषण तिर्की हॉकी खेल में लगातार बेहतर बढ़िया प्रदर्शन करता आ रहा है ।परन्तु उचित प्लेटफार्म न मिल पाने के कारण स्थानीय स्कूल जितुटोली में कोच का काम कर रहा है ।भूषण तिर्की लचरागढ़ में पढ़ाई के दौरान ही हॉकी के खेल में अव्वल था ।मेहनत व लगन के साथ खेल में आगे बढ़ता गया। भूषण तिर्की ने बानो के राष्ट्रीय नवीन मेल सवांददाता शिवनन्दन बड़ाईक को बताया कि इस समय झारखंड टीम से खेल रहा हूँ ।पहला मैच जूनियर नेशनल मैच दिल्ली में खेला ।वहां से उड़ीसा गया ।इस खेल में मैन ऑफ मैच से नवाजा गया ।मुझे सूरज केरकेट्टा के मार्गदर्शन पर आगे बढ़ता गया। मुझे अनुबंध पर ही महाराष्ट्र ले जाया गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़

अतिअल्पकालीन निविदा आंमत्रण सूचना सं0–28 / 2024–25

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम :कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल रामगढ़।
2. परिमाण विपत्र निर्गत की तिथि एवं समय :दिनांक 17 / 03 / 2025 को अपराह्न 1:00 बजे तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 18 / 03 / 2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :दिनांक 18 / 03 / 2025 को अपराह्न 3:30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :(1) अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल हजारीबाग, (2) कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, रामगढ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :कण्डिका 5, में वर्णित (2)
7. कार्यो का विवरण :–

क्र0 स0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	ESTIMATE FOR THE REPAIR OF D-TYPE QTR (ONE BLOCK SIX UNITS) JUDICIARY , RAMGARH	2,49,000.00	5000/-	500/-	10 दिन
2	ESTIMATE FOR EMERGENT REPAIR IN CJM RESIENCE , ADJ RESIDENCE AND NDC RESIDENCE WITH OTHER MISC. WORKS RAMGARH	2,48,550.00	5000/-	500/-	10 दिन
3	ESTIMATE FOR LAYING OF PAVER BLOCK AROUND RESIDENTIAL CAMPUS (BLOCK -B) OF SADAR HOSPITAL ,RAMGARH	2,49,350.00	5000/-	500/-	10 दिन
4	ESTIMATE FOR LAYING OF PAVER BLOCK AROUND RESIDENTIAL CAMPUS (BLOCK -C) OF SADAR HOSPITAL ,RAMGARH	2,49,300.00	5000/-	500/-	10 दिन
5	ESTIMATE FOR LAYING OF PAVER BLOCK AROUND RESIDENTIAL CAMPUS (BLOCK -D) OF SADAR HOSPITAL ,RAMGARH	2,49,900.00	5000/-	500/-	10 दिन
6	ESTIMATE FOR CHANGE OF SUMERSIBLE PUMP SET IN A-TYPE (JUDICIARY QUARTER) AND PAINTING OF GARDEN GRILLS, OFFSET KERBS, BRICKS, GAMLA,TREE, ETC. IN D.C & D.D.C RESIDENCE, RAMGARH.	2,47,800.00	5000/-	500/-	10 दिन
7	EMERGENT REPAIR OF TOILETS & OTHER SANITARY WORKS IN S.P. OFFICE, RAMGARH.	2,48,600.00	5000/-	500/-	10 दिन
8	Emergent repair work in SDM office Ramgarh	2,48,400.00	5000/-	500/-	10 दिन
9	PAINTING OF GARDEN LIGHTS,RAILINGS, OFFSET KERBS ETC. IN CIVIL COURT CAMPUS, RAMGARH.	2,49,500.00	5000/-	500/-	10 दिन
10	CONSTRUCTION OF A R.O. FILTER COVERED SHED & A GENERATOR SHED IN CIVIL COURT, RAMGARH.	2,49,400.00	5000/-	500/-	10 दिन
11	CONSTRUCTION OF TEMPRORY ESTABLISHMENT OF VWDC ROOM IN CIVIL COURT, RAMGARH.	2,49,400.00	5000/-	500/-	10 दिन
12	REPAIR & RENOVATION WORK OF ENTRANCE PORTICO IN CIVIL COURT, RAMGARH.	2,48,500.00	5000/-	500/-	10 दिन
13	PROVISION OF CARPET FLOORING IN CRECHE ROOM IN CIVIL COURT, RAMGARH.	2,46,600.00	5000/-	500/-	10 दिन
14	CHANGE OF SUBMERSIBLE PUMP SET IN D-BLOCK AND RENOVATION WORKS IN D-2 & C-10 (DISTRICT ADMINISTRATION RESIDENTIAL QUARTER) IN RAMGARH.	2,47,850.00	5000/-	500/-	10 दिन
15	RENOVATION OF D.C COURT ROOM, RAMARH.	2,48,500.00	5000/-	500/-	10 दिन
16	EMERGENT REPAIR & RENOVATION WORK OF JILA SAMANYA SAKHA AND SAMAJIK SURAKSHA KOSHANG ,RAMGARH.	2,48,500.00	5000/-	500/-	10 दिन
17	EMERGENT RENOVATION WORKS IN TOILET OF JUDGE CHAMBERS OF GROUND FLOOR IN CIVIL COURT, RAMGARH.	2,48,500.00	5000/-	500/-	10 दिन
18	EMERGENT RENOVATION WORKS IN TOILET OF JUDGE CHAMBERS OF FIRST FLOOR IN CIVIL COURT, RAMGARH.	2,48,500.00	5000/-	500/-	10 दिन
19	ESTIMATE FOR CHANGE OF SUBMERSIBLE PUMP SET,CLEANING & CHANGING WATER STORAGE TANK AND MAINTAINING WATER SUPPLY IN COLLECTORIATE BLOCK-B, RAMGARH.	2,48,500.00	5000/-	500/-	10 दिन

• निविदा की शर्तें एवं अन्य सूचनाएँ www.jharkhandtenders.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

PR 348085 (Building)24-25*D
कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल ,रामगढ़

सुप्रभात

विचार प्रवाह

आपकी मुस्कुराहट में अनंत परमात्मा की हँसी स्पन्दित होनी चाहिए। उनके प्रेम की बयार को दूसरों के हृदयों में आपकी मुस्कुराहटें फैलाने दें। उनका तेज संक्रामक होगा। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

दक्षिण से उठ रहे हिंदी समर्थक स्वर

भाषाएं उन लोगों के लिए भावनात्मक मुद्दा होती हैं, जो उन्हें मातृभाषा के रूप प्रयोग करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन दक्षिण की बहुत पुरानी राजनीतिक का नया दांव भाषा के मुद्दे पर तमिलनाडु में खेल रहे हैं। पर अब बाजार और रोजगार की भाषा के रूप स्थापित हिंदी के समर्थन में तमिलनाडु के भीतर से ही आवाज उठने लगी है। श्रीधर वेंबु तमिल माटी के ही सपूत हैं, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर और कारोबार की दुनिया में उनकी कंपनी जोहो का डंका बज रहा है। वही श्रीधर वेंबु सार्वजनिक तौर पर कह रहे हैं कि आइए हम हिंदी सीखें। हिंदी ना जानने की वजह से हो रही कारोबारी नुकसान को वे समझ रहे हैं, इसीलिए वे ना सिर्फ हिंदी सीख रहे हैं, बल्कि इसका प्रचार भी कर रहे हैं। श्रीधर ने ट्वीटर पर जब हिंदी सीखने की अपील की तो इसे स्टालिन की भाषायी राजनीति के जवाब के तौर पर देखा जाने लगा। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा के सम्मान के नाम पर वह तमिल भावनाओं को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में वे कभी हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हैं और जब हिंदी पर यह आरोप साबित नहीं हो पाता तो वह हिंदी पर यह आरोप लगाने से भी पीछे नहीं हटते कि अपने हदय प्रदेश की बोलियों के अस्तित्व को उसने निगल लिया है जबकि सच यह है कि हिंदी इन भाषाओं के बीच संपर्क भाषा के रूप में काम कर रही है। वह उन भाषाओं से शब्दों को लेकर समृद्ध भी हो रही है। श्रीधर वेंबू जैसे घोर तमिलभाषी व्यक्ति का हिंदी के समर्थन में सामने आना और उनके साथ तमिलनाडु ही नहीं, कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना आदि के लोगों का खड़ा होना सामान्य घटना नहीं है। हिंदी को लेकर तमिलनाडु के आम जन की जो छवि कम से कम उत्तर भारत में बनी है, तमिलनाडु से हिंदी के समर्थन में उठने वाली ये आवाजें उसे खंडित कर रही हैं। श्रीधर वेंबु जैसी महत्वपूर्ण स्वरों का हिंदी के समर्थन में उठना तमिलनाडु के आमजनों की कथित हिंदी विरोधी छवि का भी जवाब है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे आर्थिक विचारक एस गुरूमूर्ति तमिलनाडु के सामाजिक और राजनीतिक हलके की महत्वपूर्ण आवाज हैं। लेकिन हिंदी को लेकर तमिलनाडु में जो सामान्य धारणा रही है, उसकी वजह से हिंदी समर्थक उनके सुर को तमिल भूमि में गंभीरता से लेने से बचा जाता रहा है। लेकिन श्रीधर वेंबु की आवाज और उनके समर्थन में सोशल मीडिया मंचों पर उमड़े युवा स्वरों ने गुरूमूर्ति की हिंदी समर्थक आवाज को ताकत दी है। गुरूमूर्ति भी खुलकर हिंदी विरोधी राजनीति के खिलाफ अपने तर्क दे रहे हैं और उन तर्कों को तमिलनाडु में ध्यान से सुना-पढ़ा जा रहा है। हिंदी का समर्थन करते हुए श्रीधर यह भी कह रहे हैं कि उनकी कंपनी का कामकाज तमिलनाडु की तुलना में दूसरे राज्यों में ज्यादा है। जहां उनकी कंपनी अपने तमिल अधिकारियों और प्रोफेशनल को भेजने में हिचकती है, क्योंकि वे दूसरे राज्यों में सहज संवाद विशेषकर जमीनी स्तर पर नहीं कर पाते।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन दक्षिण की बहुत पुरानी राजनीतिक का नया दांव भाषा के मुद्दे पर तमिलनाडु में खेल रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : **हर बेटी, हर मां, हर महिला के लिए बदलाव की लहर**

आज उत्सव नहीं, ज्वाला बढ़ाते रहें

आज की बात

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 एक अडिग संकल्प के साथ हमारे सामने है – नारी शक्ति को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आह्वान। यह दिन कहता है: अब रुकने का वक्त नहीं, अब झुकने की बात नहीं, अब सिर्फ आगे बढ़ने का इरादा है। इस साल की थीम कार्रवाई में तेज़ी लाना कोई साधारण नारा नहीं, बल्कि एक शंखनाद है – जो महिलाओं के हक, उनकी बराबरी और सशक्तिकरण के लिए गूंजता है। यह हर उस बाधा को चुनौती देता है जो सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में नारी की राह को रोकती है। अब केवल शब्दों से काम नहीं चलेगा, जरूरत है तेज, ठोस और ताकतवर कदमों की – ताकि शिक्षा की किरण, रोजगार की राह और निर्णय की कुर्सी पर नारी का अधिकार अटल हो।

महिला दिवस का मकसद सिर्फ उत्सव मनाना नहीं, बल्कि उस ज्वाला को प्रज्वलित करना है जो हर महिला को यह एहसास दिलाए कि वह कमजोर नहीं, बल्कि एक शक्ति है। यह दिन हमें उनकी हर छोटी-बड़ी लड़ाई को सम्मान देने और उनके सपनों को पंख देने का मौका देता है। महिलाओं की समस्याएं हमारे समाज की जड़ों में गहरे तक धंसी हैं, मानो कोई अभिशाप जो पीढ़ियों से चला आ रहा हो। घर की चारदीवारी से लेकर बाहर की दुनिया तक, हर कदम पर चुनौतियां उनकी प्रतीक्षा करती हैं। शिक्षा का अभाव उनके सपनों को कुचलता है, स्वास्थ्य की उपेक्षा उनकी सांसों को कमजोर करती है, रोजगार में भेदभाव उनकी मेहनत को ठुकराता है, और हिंसा की छाया उनकी आजादी को छीनती है। गांवों में एक मां अपनी बेटी को स्कूल भेजने से पहले डरती है कि कहीं समाज की कुदृष्टि उसकी मासूमियत पर न पड़ जाए, तो शहरों में एक कामकाजी महिला दोहरे बोझ तले अपनी पहचान के लिए संघर्ष करती है। दहेज की आग, बाल विवाह की बेड़ियां और यौन उत्पीड़न की पीड़ा आज भी नारी के जीवन को घेरे हुए हैं।

लेकिन इन अंधेरे बादलों के बीच उम्मीद की किरणें भी चमक रही हैं। पिछले कुछ सालों में मोदी सरकार ने कई ऐसे कदम उठाए हैं जो नारी की हर छोटी जरूरत को समझते हुए उसे सशक्त करने का रास्ता दिखाते हैं। शिक्षा को नारी की आजादी का पहला द्वार मानते हुए "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान ने समाज की सोच को झकझोरा। जहां कभी बेटियां गर्भ में ही दम तोड़ देती थीं, आज स्कूलों में उनकी हंसी गूंजती है। स्कूलों में शौचालयों का निर्माण सिर्फ ईंट-पत्थर की बात नहीं, बल्कि उस बेटी की गरिमा की रक्षा है जो पहले इन सुविधाओं के अभाव में पढ़ाई छोड़ देती थी। सुकन्या समृद्धि योजना ने हर मां-बाप के दिल में एक सपना बोया – 8.2% ब्याज के साथ उनकी बेटी की शिक्षा और शादी का भविष्य सुनहरा बनाना। यह योजना उस पिता की चिंता को कम करती है जो अपनी बेटी के लिए रात-दिन मेहनत करता है।

रोजगार के क्षेत्र में नारी को आत्मनिर्भर बनाने का जज्बा मुद्रा योजना में दिखता है। एक साधारण गृहिणी, जो कभी घर की चौखट तक सीमित थी, आज सिलाई का काम हो या मसाले का व्यापार, अपने छोटे धंधे से परिवार का मान बढ़ा रही है। "लखपति दीदी" का सपना उस महिला को हकीकत में बदल रहा है जो कभी दूसरों की दया पर जीती थी। स्टैंड अप इंडिया ने उद्यमी महिलाओं को नई उड़ान दी, तो आत्मनिर्भर भारत अभियान ने स्वयं सहायता समूहों के जरिए ग्रामीण नारी को बाजार की ताकत से जोड़ा। एक महिला जो पहले सिर्फ घर का चूल्हा जलाती थी, आज अपने बनाए उत्पादों से गांव की अर्थव्यवस्था को रोशन कर रही है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा के मोर्चे पर भी प्रयास प्रभावशाली हैं। उज्ज्वला योजना का गैस सिलेंडर उस मां के फेफड़ों को राहत देता है जो चूल्हे के धुएं में अपनी जिंदगी घुटने को मजबूर थी। यह सिर्फ ईंधन नहीं, बल्कि उसकी सेहत और समय की आजादी है, जो अब वह अपने बच्चों के लिए इस्तेमाल कर सकती है। आयुष्मान भारत ने उस गरीब महिला को अस्पताल का रास्ता दिखाया जिसके लिए बीमारी पहले मौत का पर्याय थी। मातृ वंदना योजना ने गर्भवती मां को 6000 रुपये की मदद देकर उसके नवजात के पहले कदम को मजबूत किया। सुरक्षा की बात करें तो वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन उस नारी को हौसला देती हैं जो हिंसा के साये में चुप रहने को मजबूर थी। निर्भया फंड ने सड़कों को सुरक्षित बनाने और अपराधियों को सजा दिलाने की दिशा में एक कड़ा संदेश दिया।

निर्णय लेने की मेज पर नारी की हिस्सेदारी बढ़ाना भी एक बड़ा लक्ष्य रहा है। पंचायतों में आरक्षण ने गांव की उस महिला को आवाज दी जो पहले सिर्फ घर की बात सुनती थी। आज वह सरपंच बनकर अपने समुदाय की तकदीर बदल रही है। संसद में महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना एक क्रांतिकारी कदम है, जो आने वाले दिनों में नारी को देश की नीतियों का हिस्सा बनाएगा। यह सिर्फ संख्या की बात नहीं, बल्कि उस नजरिए की जीत है जो नारी को सिर्फ वोटर नहीं, बल्कि नेता मानता है। महिला दिवस का असली मकसद यही है – उस बेटी की मुस्कान को बचाना जो स्कूल जाते वक्त खिलखिलाती है, उस मां की सेहत को संवारना जो परिवार के लिए अपनी नींद कुर्बान करती है, उस बहन की मेहनत को सम्मान देना जो अपने दम पर जिंदगी बनाती है। "Accelerate Action" हमें चेताती है कि अब ढील का वक्त नहीं, अब देरी का बहाना नहीं। सरकार के ये कदम एक मजबूत शुरुआत हैं, लेकिन समाज को भी इस आग को जलाए रखना होगा। पुरुषों को नारी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा, ताकि वह सिर्फ सहारे की मोहताज न रहे, बल्कि खुद एक सहारा बने।

आइए, इस महिला दिवस पर एक ऐसी सुबह का संकल्प लें जहां नारी के सपनों को पंख मिले, उसकी आवाज को शक्ति मिले, और उसके कदमों में विजय की गूंज हो। "Accelerate Action" सिर्फ एक थीम नहीं, बल्कि एक हुंकार है – जो हर रूढ़ि, हर बंदिश और हर भेदभाव को तोड़ने के लिए तैयार है। अब वक्त आ गया है कि नारी को केवल पूजा की मूरत नहीं, बल्कि अपने अधिकारों की जिंदा हकीकत बनाया जाए। हर बेटी के लिए, हर मां के लिए, हर सपने के लिए – तेजी से कदम बढ़ाएं, क्योंकि नारी का उत्थान ही समाज का सम्मान और देश का गर्व है। यही हमारा वचन हो, यही हमारा मंत्र हो – नारी को नमन, नारी को बल, नारी को हर पल।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

होली : लोक रंगों का महापर्व

अलग बात

मनोज कुमार मिश्र

कहा जाता है कि वसंत ऋतु को ऋतुओं का राजा की मान्यता देने के लिए बाकी पांच ऋतुओं ने अपने में से कुछ-कुछ दिन दे दिए, इसीलिए वसंत ऋतु का आगमन विद्या और कला-संगीत की देवी मां सरस्वती के पूजन यानी वसंत पंचमी के साथ शुरू होता है। कायदे में भारतीय (हिंदू) कैलेंडर के हिसाब से सभी छह ऋतुएं-वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत और शिशिर, दो-दो महीने की होती है लेकिन वसंत करीब ढाई महीने का होता है। महीनों का निर्धारण विक्रमी संवत से होता है। सभी ऋतुओं की पहचान मौसम से होती है। वसंत के आगमन की सूचना वातावरण में मस्ती से होता है और वह फाल्गुन पूर्णिमा को होली (पूर्वांचल में फगुआ और आम बोलचाल में होरी) के दिन शीर्ष पर पहुंच जाता है। वातावरण में फूलों महक भी वसंत के होने का एहसास कराती है। गुलाबी ठंड, खेत पीले सरसों से भरे पड़े, उस पर मंडराते भौंरे, गेहूं की बालियां, हर तरफ फूल ही फूल, फिजा में मस्ती बिखेरते हैं। अपना देश विविधताओं का देश है। तरह-तरह की भाषा-बोली, पहनावा, खानपान और सैकड़ों पर्व-त्यौहारों को हम सभी साल भर मनाया करते हैं। अनेक त्यौहार देश के सर्वाधिक राज्यों में उत्साह से मनाया जाता है। होली भी देश के ज्यादातर राज्यों में मनाया जाने वाला त्यौहार है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह हर वर्ग और खासकर गरीब तबके का सबसे लोकप्रिय पर्व है। ब्रज की होली की लोकप्रियता आज भी कायम है। देश-दुनिया से बड़ी तादाद में लोग मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव और भगवान कृष्ण और राधा-रानी से जुड़े जगहों पर लोग आते हैं। इसकी तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति को यह आश्चर्य लगेगा कि बड़ी तादाद में लोग कृष्ण भक्त गोपियां बनी ब्रज की महिलाओं के साथ होली खेलने और उनके डंडे झेलने (लट्ठमार होली) के लिए दूरदराज से समय और पैसे खर्च करके लोग आते हैं। यह संख्या लाखों में होती है। मान्यता है कि सभी लोग वहां इस अनुभव के लिए जाते हैं कि जैसे उन्होंने राधे-कृष्ण के साथ होली खेल ली। इसके अलावा हर राज्यों में अलग-अलग तरीके से होली खेली और गीत गाए जाते है। अलग-अलग तरह के पकवान खासकर होली के लिए बनाए जाते हैं। इतना ही नहीं अलग-अलग इलाकों में होली का नाम भी अलग है और मनाने के तरीके भी अलग है। दीपावली की तरह होली भी सालों पहले देश की सीमा पार कर अनेक देशों का बड़ा पर्व बन गया है। नेपाल तो हाल ही तक दुनिया का अकेला हिंदू देश था। वहां तो अपने देश की तरह होली पर सार्वजनिक अवकाश होता है। दुनिया के अन्य देशों में जहां भारतवंशी रहते हैं वहां होली उत्साह से मनाया जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

क्रूर व आक्रांता मुगल शासक हमारे आदर्श कैसे?

आपकी बात

ललित गर्ग

मुगल बादशाह औरंगजेब की क्रूरता, अत्याचार एवं यातनाएं एक बार फिर बॉलीवुड की फिल्म छावा के कारण सुर्खियों में है। इस बार मामला सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीति में भी गर्मा गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल ला दिया है एवं देश के बहुसंख्य समाज की भावनाओं को आहत किया है। भारत में आज भी एक ऐसा वर्ग है जो इस्लामिक कट्टरता के साथ जुड़ने में गर्व एवं गौरव की अनुभूति करता है. भले ही इससे देश की एकता एवं अखंडता क्षत-विक्षत होती हो। इस्लाम के नाम पर जिसने हजारों हिंदू मंदिरों को ध्वस्त किया, तलवार की नोक पर बड़ी संख्या में लोगों को जबरन मुसलमान बनाया, ऐसे क्रूर एवं सांप्रदायिक शासक औरंगजेब को नेकदिल और महान शासक बताना, आखिर किस तरह की सोच है? भारत के अतीत को जघन्य अपराधों, कट्टरतावादी सोच एवं यातनाओं से सींचने वाले मुगल शासकों के प्रति यह कैसा मोह एवं ममत्व है? हिन्दू धर्म एवं संस्कृति पर आक्रमण करने वाले हमारे आदर्श कैसे हो सकते हैं? भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं समृद्धि को कुचलने वाले महान् शासक कैसे हो सकता है? इन प्रश्नों को लेकर देशभर में छिड़ी बहस हमें आत्मावलोकन एवं मंथन का अवसर दे रही है।

फिल्म 'छावा' कोरी फिल्म ही नहीं, हिन्दुओं को संगठित करने का अभियान है, जिसने औरंगजेब के क्रूर एवं बर्बर चरित्र को प्रस्तुत किया है, यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में संभाजी के साहस, बलिदान और औरंगजेब के अत्याचारों को दिखाया गया है। संभाजी को औरंगजेब ने छलपूर्वक 1689 में क्रूरता से मरवा दिया था, जिसे फिल्म में भावनात्मक ढंग से पेश करने की सफल एवं सार्थक कोशिश हुई है। इस फिल्म में समाजवादी पार्टी के नेता और महाराष्ट्र विधायक अबू आजमी ने इतिहास को गलत ढंग से पेश करने का आरोप लगाते हुए औरंगजेब की तारीफ करके विवाद को और हवा दे दी। आजमी ने कहा, औरंगजेब क्रूर शासक नहीं था। उसने कई मंदिर बनवाए और उसके शासन में भारत सोने की चिड़िया था। आजमी ने यह भी दावा किया कि औरंगजेब और संभाजी के बीच की लड़ाई धार्मिक नहीं, बल्कि सत्ता की थी। इस तरह मुगल आक्रांताओं की तारीफ करना सपा के डीएनए में है। हो सकता है आजमी का यह औरंगजेब प्रेम एवं मुस्लिम कट्टरतावादी सोच हो, लेकिन औरंगजेब ने संभाजी महाराज को 40 दिनों तक जो यातनाएं दीं, वह क्या थी? उनकी आंखें निकाली गईं, जीभ काटी गई, उनके शरीर को लहूलुहान करके उस पर नमक छिडका और फिर उनकी हत्या कर दी गई, इस तरह क्रूरता एवं बर्बरता बरतने वाले शासक को कैसे आदर्श कहा जाये? असंख्य महिलाओं एवं बच्चों पर अत्याचार करना, जबरन धर्म परिवर्तन कराना, हिन्दू मन्दिरों को तोड़ना, देश की समृद्धि का गलत उपयोग करना कैसे प्रेरणास्पद हो सकता है? औरंगजेब पोत राज्यों, राजपूताना और मराठा शासकों के परिवारों का अपहरण कर लेता था और उन्हें बंधक बना लेता था। ताकि वह निर्विरोध शासन करते हुए सम्पूर्ण भारत पर आधिपत्य कर सके। उसने सभी गैर-मुस्लिम प्रजा और पोत राज्यों से धार्मिक असहिष्णुता कर "जज़िया" वसूला। औरंगजेब एक असहिष्णु, क्रूर एवं कट्टरपंथी था और उसकी कट्टरता के कारण करोड़ों लोगों को कष्ट सहना पड़ा। शांति और बहुसंस्कृतिवाद की भूमि भारत में ऐसे अत्याचारी को आदर्श नहीं बनाया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब औरंगजेब जैसे मुगल शासकों के प्रति प्रेम का प्रदर्शन उमड़ा हो, जब दिल्ली की एक सड़क का नाम औरंगजेब रोड से बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया था, तब भी बहुत हाय-तौबा मचाई गयी थी। उस समय भी अनेक लोगों ने औरंगजेब को महान शासक बताया था। जबकि इतिहासकारों ने भी दर्ज किया है छल से छत्रपति संभाजी को पकड़ने के बाद औरंगजेब ने अत्याचार एवं अमानवीयता की सभी हद पार करते हुए जुल्म किए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

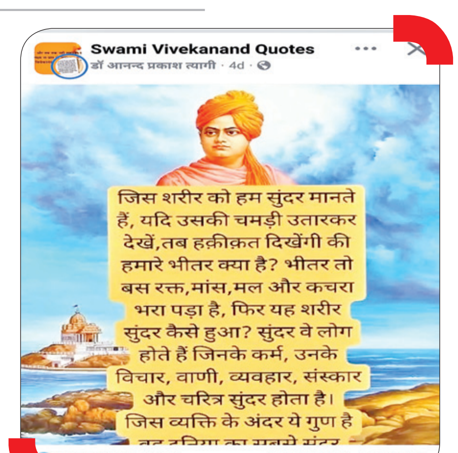

एक्स से

आज का दोहा

प्रगति दिखाई देश ने, चली रेत में नाव।
आज पुन: रखने लगा, अंगद जैसा पांव।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

सन्यास लेने से क्यों डरते हैं हमारे नेता?

देश की बात

राकेश अचल

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। दुनिया के तमाम क्रिकेटर स्मिथ की तरह ही क्रिकेट से एक तय समय के बाद खुद सन्यास लेने का सार्वजनिक ऐलान करते हैं, लेकिन दुनिया में खासतौर पर भारत में ऐसे बहुत कम नेता हैं जो स्वेच्छा से राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान करते हों। भारतीय परम्परा में तो सन्यास जीवन की सर्वोत्कृष्ट अवस्था है। सन्यास की सनातन परम्परा सामंतकाल में भी थी लेकिन लोकतंत्र में इसका परित्याग कार दिया। अकेली राजनीति ऐसी है जिसमें आश्रम व्यवस्था लागू नहीं होती। यानि न नेता ब्रम्हचर्य का पालन करता है, न गृहस्थ रहना चाहता है और न वानप्रस्थ में जाना चाहता है, सन्यास लेना तो बहुत दूर की बात है। राजनीति में जब कोई सन्यास नहीं लेता तो उसे मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया जाता है। मैंने जब से होश सम्हाला है तभी से राजनीति में सक्रिय बहुत कम लोगों को राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा करते देखा है, उलटे सन्यास ले चुके लोग राजनीति में घुसपैठ करते जरूर देखे हैं और इस समय तो राजनीति में सन्यासियों की पौ-बारह है। वे केंद्र में भी मंत्री हैं और मुख्यमंत्री भी। खिलाडियों में सन्यास लेना आम बात है लेकिन राजनीति में सन्यास लेना ख़ास घटना मानी जाती है। नेताओं को उनकी अपनी पार्टियां जबरन हाशिये पर डाल देतीं हैं क्योंकि वे खिलाड़ियों की तरह खेल भावना से राजनीयति से सन्यास नहीं लेते। किसी भी दल में सन्यासी न हों ऐसी बात नहीं है, लेकिन उनकी संख्या न के बराबर है। नानाजी देशमुख या कामराज या ज्योति बसु जैसे बहुत कम नेता हुए हैं जिन्होंने स्वेच्छा से सन्यास लिया हो। सवाल ये है कि आखिर राजनीति में ऐसा क्या है जो नेता उससे सन्यास नहीं लेना नहीं चाहते? इस विषय पर न किसी ने शोध किया है और न पीएचडी की उपाधि हासिल की है, क्योंकि इस विषय पर शोध करने की न फुरसत है और न इजाजत। मान लीजिये इजाजत मिल भी जाए तो गाइड नहीं मिलेगा। क्योंकि विषय ही अछूत है। राजनीति से सन्यास लेने वाले भारत के प्रमुख नेताओं पर यदि आपको निबंध लिखने के लिए कह दिया जाये तो आप मुश्किल से एक-दो पृष्ठ ही लिख पाएंगे, क्योंकि राजनीति से ससम्मान सन्यास लेने वाले हैं ही गिने चुने। देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर आज के प्रधानमंत्री तक किसी ने राजनीति से सन्यास लेने के बारे में कार्ययोजना बनाना तो दूर, कभी सोचा तक नहीं। इस मामले में हर विचारधारा के नेता एक जैसा सोचते है। राजनीति में व्यक्ति जीवन पर्यन्त सक्रिय रहना चाहता है। कुर्सी के बिना जीवित रहना किसी भी नेता के लिए असम्भव काम है। भारतीय राजनीति में कोई सन्यास नहीं लेता लेकिन शारीरिक अस्वस्थता की वजह से उसे घर बैठना पड़े तो अलग बात है। मिसाल के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी। दुनिया में राजनीति ही एक मात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ सन्यास का न कोई लिखित विधान है और न कोई विवादास्पद इतिहास। राजनीति में कोई औरंगजेब भी तो नहीं है जिसने कम से कम पचास साल शासन किया हो। हमारे सनातन में तो राजा- महाराजा अपने जीते जी अपने उत्तराधिकारी की न सिर्फ घोषणा कर देते थे बल्कि उनका राज्याभिषेक भी करा देते थे। राजनीति में नेता अपना उत्तर्राधिकारी तो घोषत करते हैं लेकिन खुद सन्यास नहीं लेते। हमारी संसद और विधानसभाओं में पिता-पुत्र, पति-पत्नी, भाई-भाई साथ-साथ मिल जायेंगे। राजनीति से नेताओं को सन्यास केवल मृत्यु ही दिलाती है। मुमकिन है कि मै गलत होऊं, लेकिन मैंने तो अपनी स्मृति में अपवादों को छोड़ किसी को औपचारिक रूप से सन्यास लेते नहीं देखा। आपने देखा हो तो जरूर बताएं। मौजूदा राजनीति में हमारे तमाम नेता 80 पार कर चुके हैं लेकिन राजनीति छोड़ने को तैयार नहीं हैं, ये भी पता नहीं चल पता कि राजीति ने नेताओं को पकड़ रखा है या नेताओं ने राजनीति को? अब कांग्रेस से ही शुरू कीजिये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हो या, सोनिया गाँधी सन्यास के बारे में कोई योजना अभी तक नहीं बना पायीं हैं। भाजपा में प्रधानमंत्री का भी राजनीति से सन्यास से कोई इरादा नहीं है। एनसीपी के शरद पंवार हर बार, आखरी बार कहते हैं और हर बार राजनीति से चिपके दिखाई देते हैं। राजद के लालू प्रसाद ने अपनी पत्नी और बेटे -बेटियों को भी स्थापित कर दिया लेकिन सन्यास की घोषणा नहीं की। बहन मायावती तो किसी आश्रम में रहीं ही नहीं इसलिए उनके सन्यास आश्रम में जाने का सवाल ही नहीं उठता। सन्यास की उम्र तो बहन ममता बनर्जी की भी हो गयी है लेकिन वे भी इस बारे में शायद सोच नहीं पायी हैं। नीतीश कुमार भी सन्यासी नहीं बनना चाहते। समाजवादियों में भी कोई सन्यासी हो तो आप बताइये?

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

ऑस्ट्रेलिया में 1400 किशोरों ने संस्कृत में पाठ किया

एजेंसी। मेलबर्न

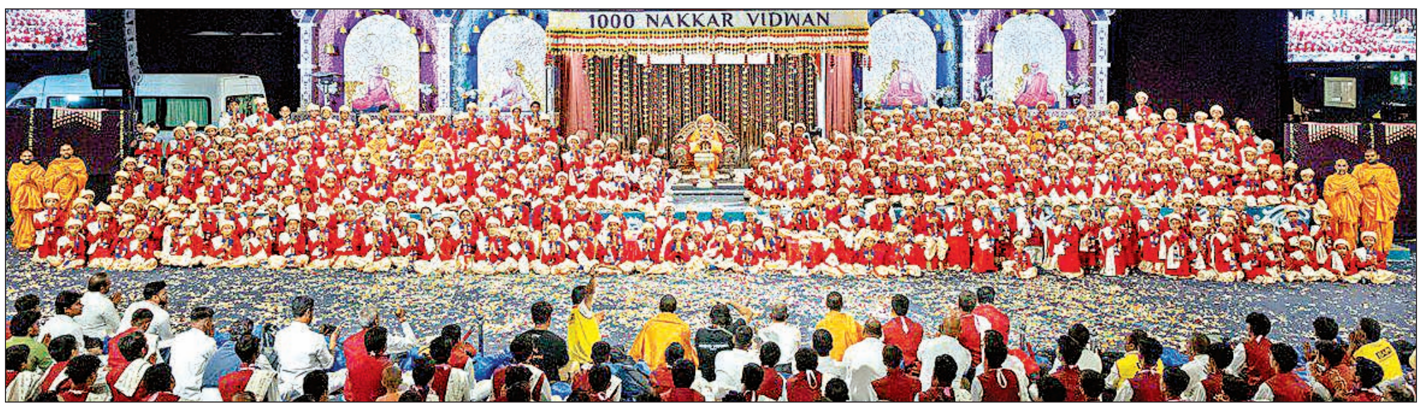

बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था) द्वारा संस्कृत का वैश्विक गौरव बढ़ाते हुए ऑस्ट्रेलिया में 1400 से अधिक बाल-किशोरों द्वारा सत्संगदीक्षा और सिद्धांत कारिका का मुखपाठ किया गया है। बीएपीएस संस्था प्रारंभ से ही संस्कृत के अध्ययन और इसके महत्व को बढ़ावा देती आई है। यह संस्था न केवल आध्यात्मिक मार्ग का अनुसरण करती है, बल्कि युवा पीढ़ी को शाश्वत मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्कृत सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि विज्ञान, संस्कृति और मानसिक विकास का दिव्य साधन है। संस्कृत की संरचना और वैज्ञानिक गुण स्मरण शक्ति, एकाग्रता और तार्किक क्षमता को बढ़ाने में सहायक हैं। प्रकट गुरूहरि महंत स्वामी महाराज ने हमेशा संस्कृत की महानता को उजागर किया है। उनके आशीर्वाद से बीएपीएस संस्था में संतों और युवाओं के लिए संस्कृत अध्ययन अनिवार्य बना है। बीएपीएस संस्था संस्कृत के वैश्विक प्रचार-प्रसार में अग्रणी रही है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में बीएपीएस संस्था के 1400 से अधिक बाल-बालिका और किशोर-किशोरियों ने सत्संगदीक्षा ग्रंथ के 315 श्लोकों का हृदयस्थ कर मुख से उच्चारण किया। इसके साथ ही कई विद्यार्थियों ने सिद्धांत कारिका के 565 श्लोक भी कंठस्थ किए हैं। यह उपलब्धि केवल अध्ययन से नहीं, बल्कि महंत स्वामी महाराज के वचनों और बीएपीएस संस्था के मार्गदर्शन से संभव हुई है। संस्कृत सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति और मानसिक विकास का माध्यम है। संस्कृत श्लोकों के पठन से बच्चों के मस्तिष्क और व्यक्तित्व पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ा है। कई माता-पिता ने अनुभव किया कि मुखपाठ करने से उनके बच्चे पढ़ाई में मेधावी और तेजस्वी बन गए हैं। उनकी स्मरण शक्ति और एकाग्रता बढ़ गई है।

बढ़ती बेरोजगारी,बढ़ती महंगाई का क्रेडिट कार्ड लेने व उससे खर्चने पर भी असर

ब्यूरो

नई दिल्ली। बढ़ती बेरोजगारी व बढ़ती महंगाई का असर क्रेडिट कार्ड क्षेत्र में दिखने लगी है। जनवरी में क्रेडिट कार्ड की संख्या घटकर चार साल के निचले स्तर पर आ गई है।इसके द्वारा कुल खर्च में भी गिरावट देखी जा रही है। जनवरी में क्रेडिट कार्ड से कुल खर्च 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा, जो दिसंबर, 2024 में 1.88 लाख करोड़ रुपये था। खर्च और लेन-देन में घटती मासिक वृद्धि सतर्क उपभोक्ता भावना का संकेत है।लोग बेरोजगारी व महंगाई से डरकर व परेशान होकर अब कुछ खरीदने पर दो बार सोच रहे हैं। लेन-देन का वॉल्यूम भी मासिक आधार पर एक फीसद घटकर 43 करोड़ रह गया। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2024 के बाद से लेनदेन की मात्रा में यह सबसे कमजोर वार्षिक वृद्धि थी। जनवरी में क्रेडिट कार्ड की संख्या में 12 लाख की कमी आई है। दिसंबर में 11 करोड़ कार्ड थे जो जनवरी में 10.9 करोड़ रह गए। प्रति कार्ड औसत खर्च भी दिसंबर में 17,093 रुपये से घटकर जनवरी में 16,911 रुपये हो गया। शीर्ष पांच बैंकों की क्रेडिट कार्ड में बाजार हिस्सेदारी 75 फीसद रही है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा

अमेरिका में रहने वाले यूक्रेनी नागरिकों की होगी 'घर वापसी'

एजेंसी। वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि युद्ध की वजह से अमेरिका में रह रहे लाखों यूक्रेनी नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को रद्द किया जाए या नहीं, हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ट्रंप ने ओवल ऑफिस में मीडिया कहा, "हम किसी को चोट पहुंचाना नहीं चाहते, मैं इस पर विचार कर रहा हूं, और कुछ लोग सोचते हैं कि यह उचित है, कुछ लोग नहीं सोचते हैं, और मैं जल्द ही इस पर निर्णय लूंगा।"ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के लोगों को 'बहुत कुछ सहना पड़ा है।' अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्रंप प्रशासन ने लगभग 2,40,000 यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा रद्द करने की योजना बनाई है। ये लोग फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद अमेरिका आ गए थे। अगर यूक्रेनी लोगों की सुरक्षा रद्द की जाती है तो यह कदम उन व्यक्तियों को निर्वासित करने के लिए आधार तैयार करेगा। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस रिपोर्ट को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि कोई फैसला नहीं लिया गया है।

बाइडेन प्रशासन ने घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के लोगों को 'यूनाइटिंग फॉर यूक्रेन' के माध्यम से देश में प्रवेश की अनुमति देगा। प्रवासियों को दो साल के लिए देश में पैरोल पर रहने की अनुमति दी जाएगी। बशर्ते वे अमेरिका स्थित प्रायोजक को सुरक्षित करने में सक्षम हों। बाइडेन प्रसाशन की तरफ से अपने कार्यकाल के आखिरी महीने में यह ऐलान भी किया गया कि वह यूक्रेनवासियों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को अक्टूबर 2026 तक बढ़ा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इसी तरह के अन्य प्रोग्राम को भी निशाना बनाया है जो हैती, क्यूबा, निकारागुआ और वेनेजुएला के नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति देते हैं। जनवरी में होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने अमेरिका में रहने वाले लगभग 6,00,000 वेनेजुएलावासियों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को निलंबित कर दिया था, और उसके बाद लगभग 5,20,000 हैतीवासियों के लिए भी इसी प्रकार का कदम उठाया गया। इन कार्रवाइयों के कारण अनेक मुकदमें दायर किए गए हैं, जिनमें शरणार्थियों के प्रवेश पर रोक और वेनेजुएला के नागरिकों के लिए टीपीएस को रद्द करने को चुनौती देना भी शामिल है।

● 2,40,000 यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा रद्द करने की योजना बनाई है।

अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में करेंगे शांति वार्ता : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में वार्ता शुरु करेंगे। उन्होंने गुरुवार सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में यह घोषणा की। जेलेंस्की ने कहा, "अगले सप्ताह, सोमवार को, क्राउन प्रिंस से मिलने के लिए मेरी सऊदी अरब यात्रा की योजना है। उसके बाद, मेरी टीम हमारे अमेरिकी साझेदारों के साथ काम करने के लिए सऊदी अरब में रहेगी। यूक्रेन शांति में सबसे अधिक रुचि रखता है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि अगले सप्ताह सऊदी अरब में यूक्रेन के साथ बैठक की योजना बनाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति समझौते की रूपरेखा और शुरुआती युद्धविराम के लिए कीव के साथ चर्चा चल रही है। विटकॉफ ने कहा कि पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में हुई दुर्भाग्यपूर्ण बैठक के बाद जेलेंस्की के पत्र से ट्रंप खुश हैं। उन्होंने कहा, "उन्हें (ट्रंप को) लगा कि जेलेंस्की का पत्र एक बहुत ही सकारात्मक कदम था। इसमें माफी मांगी गई। इसमें यह स्वीकृति थी कि अमेरिका ने यूक्रेन के लिए बहुत कुछ किया है। साथ ही इसमें कृतज्ञता की भावना थी। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह संभवत: अगले डेढ़ महीने में सऊदी अरब का दौरा करेंगे, लेकिन उन्होंने तारीख का ऐलान नहीं किया।

आवामी लीग नेता के घर पर हमले से लोगों में नाराजगी

ढाका। ढाका के एक पॉश इलाके में इस सप्ताह की शुरुआत में आवामी लीग के एक नेता के घर पर आधी रात को हुए हमले के बाद से लोग खासे नाराज हैं। पुलिस की निष्क्रियता और राजनीति से प्रेरित हमलों को लेकर वे मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर निशाना साध रहे हैं। यह घर तनवीर इमाम का था। वह एच टी इमाम के बेटे हैं, जो अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के सलाहकार थे। बुधवार को 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ [जिसमें मुख्यत: छात्र बताए जा रहे हैं] ने फ्लैट में तोड़फोड़ की। उन्होंने आरोप लगाया कि घर अंदर अवामी लीग के कार्यकर्ता छिपे हुए हैं और आसपास कहीं अवैध हथियारों और नकदी का एक बड़ा जखीरा भी छिपा हुआ है। हालांकि, तलाशी के बाद उन्होंने कुछ नहीं मिलने की बात स्वीकार की। सोशल मीडिया पर युवाओं के नेतृत्व में भीड़ द्वारा अवामी लीग विरोधी नारे लगाने और इमारत में तोड़फोड़ करने के वीडियो वायरल हो गए।

'सड़क हादसों के लिए इंजीनियर व ठेकेदार जिम्मेदार डीपीआर में भी होती हैं हजारों खामियां': गडकरी

हर साल 4 लाख 80 हजार सड़क दुर्घटनाएं, 1 लाख 80 हजार मौत होती हैं

66.4% मौत 18 से 45 आयु वर्ग के लोगों की होती हैं

ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क हादसों व इसमें जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इन हादसों के लिए ऐसे सिविल अभियंता व राष्ट्रीय राजमार्गों या सड़कों को बनाने वाले ठेकेदार जिम्मेदार हैं, जो अपना काम ठीक से नहीं करते। गडकरी ने कहा, 'यह हमारे लिए अच्छा नहीं है कि भारत में हम सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। प्रति वर्ष हमारे यहां 4 लाख 80 हजार सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1 लाख 80 हजार मौत होती हैं, जो शायद दुनिया में सबसे ज्यादा है। इन मौतों में से 66.4% मौतें 18 से 45 आयु वर्ग के लोगों की होती हैं, इससे जीडीपी में तीन फीसद का नुकसान होता है।'उन्होंने कहा कि डॉक्टर, इंजीनियर और सबसे महत्वपूर्ण बात, प्रतिभाशाली युवाओं का नुकसान वास्तव में हमारे देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। इन सभी दुर्घटनाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण दोषी सिविल इंजीनियर हैं। मैं सभी को दोष नहीं देता, लेकिन 10 साल के अनुभव के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं। सबसे महत्वपूर्ण दोषी वे लोग हैं जो डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) बना रहे हैं और इसमें हजारों गलतियां हैं।' गडकरी ने इससे पहले जनवरी में कहा था कि सड़क हादसे में घायल होने वालों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाले अच्छे लोगों के लिए इनाम राशि बढ़ाकर 25,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया गया था। पहले यह राशि 5,000 रुपये थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पुणे में सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम के दौरान इसकी जानकारी दी थी।उन्होंने कहा कि यदि कभी-कभार कुछ होता है तो हम उस मामले को लेकर गंभीर हो जाते हैं। मगर, जब रोजाना कुछ होने लगता है तो हमें सामान्य लगने लगता है। ऐसे में अगर इन हादसों को रोकना है तो अकेले हम कुछ नहीं कर सकते। इसके लिए स्कूल, कॉलेज, एनजीओ, खिलाड़ी, सेलिब्रिटी व अन्य लोग जब जा-जाकर लोगों को समझाएंगे, तब बदलाव आएगा। गडकरी ने कहा - 'पहले जब कोई दुर्घटना होती थी, तो लोग घायल को अस्पताल ले जाने से कतराते थे। मगर हमने नियम बनाया कि अगर घायल शख्स को अस्पताल लाने वाले व्यक्ति पर कोई केस नहीं बनेगा। वहीं अच्छे काम के लिए पांच हजार की राशि भी दी जाती है। लेकिन मैंने आदेश दिया है कि यह राशि बढ़ाकर 25 हजार कर दी जाए। इसके साथ ही हमने एक और पहल की है। जैसे ही दुर्घटना होगी और पुलिस के एफआईआर दर्ज करते ही अस्पताल को डेढ़ लाख रुपये या कम से कम सात दिन का खर्च सरकार देगी।

- **घायल को अस्पताल लाने वाले व्यक्ति पर कोई केस नहीं बनेगा,उसे इस अच्छे काम के लिए 25 हजार रु. दिए जाएंगे**
- **जैसे ही दुर्घटना होगी , पुलिस के एफआईआर दर्ज करते ही अस्पताल को डेढ़ लाख रुपये या कम से कम सात दिन का खर्च**

पीएम ने 'ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस' सम्मान के लिए बारबाडोस सरकार का जताया आभार

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोविड-19 महामारी के दौरान उनके रणनीतिक नेतृत्व और बहुमूल्य सहायता के लिए प्रतिष्ठित 'ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस' से सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी ने इस सम्मान के लिए बारबाडोस की सरकार और लोगों का आभार जताया है। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने गुरुवार को बारबाडोस में आयोजित एक समारोह में बारबाडोस की राष्ट्रपति डेम सैंड्रा मेसन से पीएम मोदी की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया था। इस अवसर पर कैरेबियाई देश की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली, विदेश मंत्री केरी सिमंड्स और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। पबित्रा मार्गेरिटा ने एक्स पर पोस्ट कर ये जानकारी दी थी। पीएम नरेंद्र ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस सम्मान के लिए बारबाडोस की सरकार और लोगों का आभार जताया।

कहानी फिल्म जगत की

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का क्यों हुआ ब्रेकअप, सामने आई असली वजह?

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के ब्रेकअप ने प्रशंसकों को चौंका दिया है, जिससे उनके ब्रेकअप के पीछे की असली वजह के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। तमन्ना भाटिया ने बताया कि प्यार में कोई शर्त नहीं होनी चाहिए। जैसे ही प्यार में शर्तें आती हैं प्यार खत्म हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिसे प्यार करें उस पर अपने विचार नहीं थोपने चाहिए। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने अपनी दमदार एक्टिंग के जरिए फिल्मों में जबरदस्त प्रदर्शन करके ऑडियंस का दिल जीत लिया है। जब से कपल ने पुष्टि की है कि वे डेटिंग कर रहे हैं, तब से उनका रिश्ता भी सुर्खियों में है। हालांकि, अब रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि कुछ सालों की डेटिंग के बाद दोनों अलग हो गए हैं। तमन्ना और विजय के रिश्ते ने पहली बार 2023 में सुर्खियां बटोरीं और दोनों की एक-साथ सार्वजनिक उपस्थिति। तमन्ना ने इंटरव्यू में विजय के बारे में खुलकर बात की थी और विजय को एक सहायक और अद्भुत व्यक्ति बताया था। लेकिन अब कपल के ब्रेकअप ने उनके फैंस को दुखी कर दिया है।

प्यार अनकंडीशनल होना चाहिए

ब्रेकअप की खबरों के बीच तमन्ना ने एक रीसेंट इंटरव्यू में प्यार को लेकर बोला है। ल्यूक कॉटिन्हो के पॉडकास्ट पर तमन्ना बोलीं, मुझे हाल ही में एहसास हुआ कि लोग प्यार और रिलेशनशिप में कन्फ्यूज हो जाते हैं। ऐसा केवल औरत-मर्द के रिश्ते में नहीं बल्कि दोस्तों में होता है। जैसे ही प्यार कंडीशनल बनता है, मुझे लगता है कि प्यार वहीं से खत्म हो गया। प्यार बस अनकंडीशनल होना चाहिए।

प्यार एकतरफा होता है : एक्ट्रेस ने आगे कहा कि, 'प्यार हमेशा एक तरफा होता है। दो लोग अलग-अल ग एक-दूसरे को प्यार कर सकते हैं लेकिन ये एकतरफा काम है। ये आपका प्यार है। अगर मैं किसी को प्यार करती हैं तो मुझे उन्हें फ्री छोड़ देना चाहिए। मुझे नहीं लगता है कि आप अपने विचार किसी पर थोप सकते हैं। वो जो हैं, आप उन्हीं उसी से प्यार करते हैं और वो आगे चलकर जो बनने वाले हैं क्योंकि लोग एक से नहीं रहते।

ब्रेकअप की खबरों से दुखी हैं फैंस : अभी तक कपल ने इस पर कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तमन्ना जल्दी शादी करना चाहती थीं। विजय और कुछ समय लेना चाहते थे। यही कारण झगड़े का कारण बन गया। दोनों अलग हो गए। लेकिन अभी तक दोनों में किसी ने भी कोई भी पुष्टि नहीं की है।

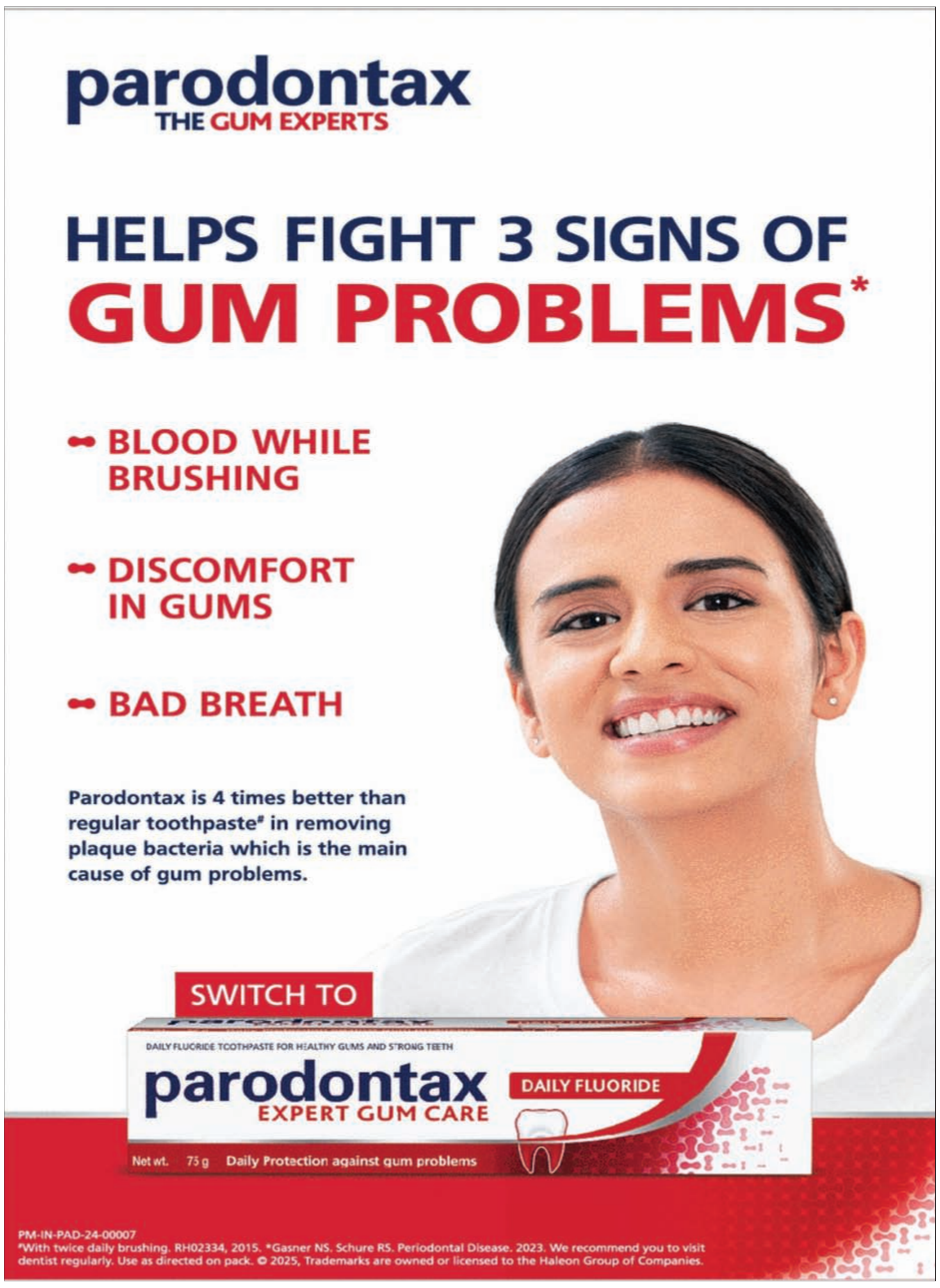

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
विशेष

महिलाओं के सम्मान हेतु अनवरत कार्य कर रही अबुआ सरकार...

घर, परिवार, समाज की धुरी महिला को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने का सीधा अर्थ है देश और राज्य का स्वत: सुदृढ़ हो जाना। झारखण्ड के परिप्रेक्ष में देखें तो झारखण्ड सरकार ने इस गणित को समझा और कई सफल योजनायें बनाकर चरणबद्ध तरीके से आधी आबादी को आर्थिक स्वावलंबन देने का प्रयास कर रही है। महिलाएं अगर आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो, तो वह अपने घर, समाज, प्रदेश को उन्नति के रास्ते पर ले जा सकतीं हैं। झारखण्ड की ग्रामीण आदिवासी महिलाएं आदिकाल से बहुत मेहनती रही हैं और लंबे समय से आर्थिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रहीं हैं। हेमन्त सरकार ने झारखण्ड की महिलाओं के इस कार्यशैली को और बेहतर करने का फैसला लिया और पिछले 5 सालों में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई सफल योजनाओं को धरातल पर उतारा है। सरकार की ओर से राज्य और राज्य के बाहर व्यापार में भागीदारी को सुनिश्चित करने, बालिका शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने, महिलाओं को पेंशन के जरिए आर्थिक मजबूती देने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। अभी सरकार द्वारा चलायी जा रही आधा दर्जन योजनाएं सिर्फ और सिर्फ महिलाओं की समृद्धि पर केंद्रित है।

बेटियों को मिल रही सपनों की उड़ान

किशोरियों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से हेमन्त सरकार द्वारा प्रारंभ की गयी सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्र में हो रहा है। ग्रामीण परिवेश की किशोरियों का स्कूल ड्राप आउट कई बार छोटी-छोटी आर्थिक जरूरत के पूरी ना होने की वजह से हो जाती थी। हेमन्त सरकार ने इस मामले को समझा और किशोरियों की आर्थिक जरूरत के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का उपहार दिया। महिला प्रोत्साहन और उनकी शिक्षा में बेहतरी के प्रयास के रूप में इस योजना को देखा जा रहा है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से 10 लाख किशोरियों को जोड़ा गया है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत सरकार की ओर से कुल 5 बार में ₹40000 तक आर्थिक सहायता दी जाती है। यह सहायता वर्ग आठ से प्रारम्भ हो कर उनके 12वीं तक पहुंचने तक मिलती रहती है। इस योजना के तहत सरकारी स्कूल में वर्ग 8 से 12वीं तक की प्रत्येक स्कूली छात्रा को कक्षा आठ में 2,500, नौवीं में 2,500, 10वीं में 5,000, ग्यारहवीं में 5,000 और बारहवीं में 5,000 रुपये की सहायता उनके बैंक खाते में दी जाती है। जब किशोरी की उम्र 18 होने और उसका मतदाता पहचान पत्र बन जाये तो उसे एकमुश्त 20,000 रुपये दिया जाता है, ताकि छात्राएं उन रुपयों से आगे की पढ़ाई या कोई प्रशिक्षण ले कर स्वावलंबी बन सकें।

महिलाओं को मिल रहा सम्मान

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (JMMSY) हेमन्त सरकार का आधी आबादी के आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर कदम है जिसमें 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को उनके रोजमर्रा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ₹2500 प्रतिमाह की आर्थिक सम्मान राशी दी जा रही है। योजना ने ग्रामीण इलाके के वित्तीय ढांचे को खूब मजबूती दी है। सरकार के इस सम्मान राशि का उपयोग ग्रामीण परिवेश के छोटे व्यवसाय के लेनदेन में खूब हो रहा है। इस योजना के लिए अगस्त 2024 में पूरे राज्य में कैम्प लगाकर आवेदन लेने का कार्य किया गया था। आवेदन फॉर्म और प्रक्रिया नि:शुल्क थी । योजना से राज्य की बहन-बेटियाँ स्वावलंबी और सशक्त बन रहीं हैं । झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयाँ सम्मान योजना के लिए 2025-26 में ₹13 हजार 363 करोड़ 35 लाख का बजट रखा गया है ।

> यह सुखद अनुभव है कि मेरी लाखों बहनों को मंईयां सम्मान योजना का सम्मान मिल रहा है। इस सम्मान के लिए यह भाई हमेशा आपके साथ है।

महिला सशक्तिकरण को दिया जा रहा नया आयाम

10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में

ग्रामीण महिलाओं के उत्थान और उनके आर्थिक स्वावलंबन के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के विजनरी सोच का परिणाम है कि 2019 से पूर्व 09 वर्ष में सखी मंडल को जितना क्रेडिट लिंकेज दिया गया, उसका 10 गुना क्रेडिट लिंकेज विगत साढ़े चार वर्ष में मिला। यही नहीं सखी मंडल की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2013 से 2019 तक एसएचजी को क्रेडिट लिंकेज के तहत 1,114 करोड़ की राशि दी गई, जबकि 2019 के बाद 30 जून 2024 तक 10,111 करोड़ की राशि सखी मंडल की महिलाओं को उनके सशक्तिकरण हेतु दी गई। वहीं 2013 से 2019 तक 2.45 लाख सखी मंडल की संख्या बढ़कर 30 जून 2024 तक 2.88 लाख हो गई।

ग्रामीण महिलाएं और अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए कृषि, पशुपालन, वनोपज, अंडा उत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आच्छादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित झारखण्ड माइक्रोड्रिप इरिगेशन परियोजना के तहत करीब 31,861 किसानों को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है। इस परियोजना के तहत 30 हजार महिला किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है।

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान की शुरुआत वर्ष 2020 में की गई है, इस अभियान का उद्देश्य महिलाएं जो मजबूरीवश दारु -हड़िया की बिक्री और निर्माण कार्य से जुड़ी थीं, उन्हें आजीविका के सम्मानजनक साधनों से जोड़ना था। इस कार्य में राज्य सरकार को सफलता मिली। इस अभियान से जुड़कर महिलओं ने सम्मान जनक आजीविका को अपनाया।

अभियान से 36 हजार से अधिक महिलाएँ वैकल्पिक आजीविका से अपना जीवन यापन कर रहीं हैं। हमारी सरकार महिलाओं को वैकल्पिक रोजगार के लिए 50 हजार रुपए तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध करा रही है।

महिलाओं के लिए स्वरोजगार के द्वार खुले

स्वयं सहायता समूहों को पलाश ब्रांड से जोड़कर उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं की ब्रांडिंग ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए रोजगार के द्वार खोल दिये हैं। कोविड काल में विश्वव्यापी आर्थिक संकट का असर झारखण्ड पर भी पड़ा था लेकिन अब हालात सुधर रहे हैं जिसका जीता जागता उदाहरण पलाश ब्रांड है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के दिशा निर्देश पर क्रियान्वित किये जा रहे सफल प्रयास पलाश ब्रांडिंग एवं विपणन रणनीति के माध्यम से अब तक 50 विभिन प्रकार के उत्पादों को खुले बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। लगभग चार वर्ष से कम अवधी में लगभग 40 करोड़ से अधिक रुपए की सकल बिक्री की जा चुकी है। पलाश ब्रांड में अपने कृषि उत्पादों की आपूर्ति तथा अन्य प्रसंस्करण, पैकजिंग एवं बिक्री के कार्यों से अब तक राज्य के स्वयं सहायता समूहों की दो लाख से अधिक ग्रामीण महिलाएं जुड़ कर अपने आय में वृद्धि कर रहीं हैं तथा ग्रामीण अर्थवयवस्था को गति प्रदान करते हुए इसे मुख्यधारा से जोड़ रहीं हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों की पहचान बन चुकी पलाश ब्रांड को विशुद्ध व्यवयसायिक परिचालन हेतु "पलाश इंटरप्राइजेज कंपनी" का गठन किया जा रहा है। इस पूरी योजना का मूल ग्रामीण अर्थवयवस्था में तेजी लाने का लक्ष्य है। इन योजनाओं से झारखण्ड की लाखों महिलाओं को लाभ मिल रहा है पिछले 5 सालों में कोरोना काल के बावजूद महिलाएं आर्थिक मामलों में काफी समृद्ध हुई है।

2019 से अब तक ₹10,111 करोड़ का क्रेडिट लिंकेज। अब तक 2.59 लाख सखी मंडलों को बैंक क्रेडिट लिंकेज से जोड़ा गया

भारत सरकार द्वारा समाज कल्याण मंत्रालय को 1.18% का बजट आबंटित किया गया

झारखण्ड **महिला एवं बाल विकास** के लिए कुल बजट का व्यय करेगा **14%**

एवं अन्य राज्यों का आबंटित बजट

उड़ीसा	बिहार	पश्चिम बंगाल	छत्तीसगढ़
6.20%	2.77%	2.31%	1.06%

झारखण्ड ने बजट में आधी आबादी का रखा ध्यान

- झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना **₹13,363 करोड़**
- सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना/मुख्यमंत्री कन्यादान योजना **₹310 करोड़**
- मातृ किट वितरण योजना **₹60 करोड़**
- गर्भवती महिला की देखभाल के लिए **₹60 करोड़**
- पलाश मार्ट **₹30 करोड़**

PR No. 348117 (IPRD) 2024-25

बिना इंश्योरेंस जर्जर वाहनों से क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर हो रहा परिचालन

नवीन मेल संवाददाता

ऊंटारी रोड़। राज्य भर में मैट्रिक और इंटर परीक्षा चल रही है। वाहन चालक अपनी कमाई के लिए परीक्षार्थियों को वाहन की छत पर बैठाकर चल रहे हैं। ऊंटारी रोड़ से रेहला की ओर जाने वाले ऑटो व कमांडर वाले क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर चल रहे हैं। कुछ वाहन परीक्षार्थी व सवारी का भी मजबूरी का फायदा उठाकर क्षमता से अधिक लोगों को बैठा रहे हैं। वाहन चालक गाड़ियों में नीचे से ऊपर तक क्षमता से अधिक बैठा कर चल रहे हैं। जिम्मेदार लोगों का ध्यान भी इस ओर नहीं जा रहा है। कई सवारी गाडी का इंश्योरेंस और फिटनेस भी फेल है। बिना फिटनेस और इंश्योरेंस वाले वाहन में बच्चों को परिवहन करना एक बड़ी दुर्घटना को न्योता देने जैसा है। इस कारण आए दिन दुर्घटना भी घट सकती है।

शादी समारोह से लौट रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

गांव में शोक, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जांच की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। थाना क्षेत्र के ओरिया गांव निवासी मुन्ना कुमार (22) की बीती रात मोटरसाइकिल से सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह एक शादी समारोह में शामिल होने गया था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। सुबह उसकी बाइक व उसका शव शाहद गांव में मिली। थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस को सुबह सूचना मिली कि एक युवक का शव सड़क किनारे पड़ा है। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर भेज दिया गया है। पुलिस घटना के

कारणों का पता लगाने में जुटी है। मुन्ना कुमार के असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बताया जाता है कि युवक के पिता बिंदेश्वरी राम पुलिस विभाग में जमादार की ट्रेनिंग कर रहे थे। घटना की खबर मिलते ही वह तुरंत गांव लौटे। पूरे गांव में शोक व्याप्त है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की गहन जांच की मांग की है।

न्यूज बॉक्स

सात एकड़ से अधिक अफीम की फसल नष्ट

मेदिनीनगर। शुक्रवार को नौडीहा बाजार थाना एवं मनातू थाना क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 7 एकड़ से अधिक फसल नष्ट कर दी गई। नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के चौखड़ा जंगल में 0.6 एकड़, जबकि मनातू थाना क्षेत्र के गीतहर जंगल में 5 एकड़ और सिकनी के गुरहि जंगल में 2 एकड़ अफीम की फसल को ट्रैक्टर से नष्ट किया गया। पुलिस और वन विभाग की टीमों ने इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध अफीम की खेती के खिलाफ आगे भी कठोर कदम उठाए जाएंगे और इस संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

जन औषधि दिवस पर जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

मेदिनीनगर। पलामू संसदीय क्षेत्र के मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में 'जन औषधि दिवस' के अवसर पर जन औषधि केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा, निजी सचिव अलख दुबे, अस्पताल अधीक्षक डॉ. धर्मेंद्र कुमार और डीपीएम प्रदीप कुमार ने संयुक्त रूप से केंद्र का उद्घाटन किया। सभी ने 'सातवें जन औषधि दिवस' की शुभकामनाएं दीं और इस योजना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। देशभर में 28 फरवरी 2025 तक 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं, जहाँ ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50-80% तक सस्ती जेनरिक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वर्तमान में इन केंद्रों पर 300 से अधिक सर्जिकल उत्पादों सहित मधुमेह, रक्तचाप, गैस्ट्रो आदि बीमारियों की दवाएं भी मिल रही हैं। इस योजना के तहत बीते 10 वर्षों में देशवासियों को लगभग 30,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं को जन-जन तक पहुँचाना है। वर्ष 2019 से हर साल 7 मार्च को जन औषधि दिवस मनाया जाता है ताकि इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुँचे।

होली मिलन समारोह का आयोजन 11 को

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के सुआ कौड़िया के गोदाम चौक पर 11 मार्च को होली मिलन समारोह का आयोजन किए जाएगा ।इसकी जानकारी होली मिलन समिति के पदाधिकारियों ने दी। होली मिलन समारोह के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है । जिसमें लेस्लीगंज के व्यास मुनी राम, कलाकारा द्वारा गीत संगीत व नृत्य प्रस्तुत किया जायेगा। समिति के पदाधिकारियों ने लोगों से होली मिलन समारोह में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। समिति के सदस्यों ने कहा कि होली मिलन समारोह की तैयारी पूरी कर ली गई है। होली मिलन समारोह ऐतिहासिक होगा। होली पर्व में लोग गिले शिकवे भूलकर एक दूसरे के गले लग जाते हैं।

मैट्रिक की परीक्षा देने जा रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

दो गंभीर रूप से घायल

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। मैट्रिक की परीक्षा देने जा रहे एक परीक्षार्थी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जबकि दो परीक्षार्थी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना कांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत खरसोता-पातीला मुख्य मार्ग पर सोनपुरवा गांव के पास एनआरबी ईंट भट्ठा के करीब हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेतो गांव से एक मोटरसाइकिल पर तीनों छात्र सवार हो कर परीक्षा देने जा रहे थे। इस दौरान मोटरसाइकिल तीव्र गति में होने के कारण अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मोटरसाइकिल सवार तीनों छात्र सड़क पर अचेत अवस्था में पड़े थे। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण

व परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और सभी घायलों को परिजनों द्वारा मझिआंव रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां पर उपस्थित डॉक्टर विशाल कुमार मिश्रा ने सुल्तान अंसारी को मृत घोषित कर दिया। घायल जयकुमार व लव कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया। इस संबंध में पूछे जाने पर जानकारी देते हुए डॉक्टर विशाल कुमार मिश्रा ने बताया कि सतबहीनी के समीप हुई मोटरसाइकिल दुर्घटना में खादीम अंसारी के 18 वर्षीय पुत्र सुल्तान अंसारी की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो चुकी थी। बबलू बैठा के 17 वर्षीय पुत्र जयकुमार व वाल्मीकि बैठा के 18 वर्षीय पुत्र लव कुमार दोनों गंभीर रूप से घायल हैं। तीनों युवक कांडी थाना क्षेत्र के सेतो गांव निवासी हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

गढ़वा बंशीधर नगर फोरलेन सड़क पर डुमरो गांव के समीप शुक्रवार सुबह सड़क दुर्घटना में 25 वर्षीय युवक की मौत घटनास्थल पर हो गई। मृतक की पहचान केतार थाना क्षेत्र के बेलाबार गांव निवासी सकेंदर सोनी के पुत्र विकास सोनी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, विकास अपने ससुराल नारायणपुर में साला के तिलक समारोह में शामिल होने आया था। समारोह समाप्त होने के बाद वह मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। घटना से गांव का माहौल गमगीन हो गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चंदनी गांव में भालू का आतंक, 10 लोग घायल

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। खरौंधी थाना क्षेत्र के चंदनी गांव में शुक्रवार को एक भालू के हमले से दहशत फैल गई। सुबह से ही गांव में भालू का आतंक जारी रहा। भालू के हमले से 10 लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल तौफीक अंसारी, कईल प्रजापति, मोतीचंद राम और डीसी प्रजापति समेत अन्य लोगों का इलाज स्थानीय क्लीनिक में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार भालू केतार क्षेत्र से चंदनी गांव में पहुंचा। ग्रामीणों ने इसे भगाने का प्रयास किया तब भालू बौखला गया और लोगों पर हमला करने लगा। इस बीच भागते हुए भालू ने नंदलाल मेहता की झोपड़ी में घुसकर करीब पांच घंटे तक आराम किया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम गांव पहुंची

और भालू को पकड़ने के लिए लातेहार से अतिरिक्त टीम बुलाने का प्रयास किया। हालांकि शाम चार बजे भालू झोपड़ी से निकलकर फिर से लोगों पर हमला करने लगा। इससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। हैरानी की बात यह रही कि वन विभाग की टीम वापस लौट गई और भालू को पकड़ने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

दलित एडवाइजरी काउंसिल गठन पर मुख्यमंत्री व मंत्रियों को दी बधाई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड में दलित एडवाइजरी काउंसिल (अनुसूचित जाति परामर्शदात्री परिषद) के गठन पर दलित नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य मंत्रियों से मिलकर बधाई दी। दलित नेताओं ने कहा कि झारखंड निर्माण के बाद से ही 15% आबादी वाले दलित समुदाय अपने सामाजिक विकास के लिए इस काउंसिल की मांग कर रहे थे। हेमंत सोरेन सरकार ने इस दिशा में ठोस संकल्प दिखाया है। काउंसिल के गठन में वित्त मंत्री राधाकृष्ण

किशोर और कांग्रेस प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की की अहम भूमिका रही।
विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में दलित नेताओं ने हेमंत सोरेन, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मुलाकात कर फूल-माला, बुके, शॉल और पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया। नेताओं ने कहा कि 24 वर्षों में पहली बार सरकार ने अनुसूचित जातियों के विकास के लिए ठोस कदम उठाया है।
नेताओं ने उम्मीद जताई कि अब झारखंड में अनुसूचित जातियों के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होगा। बधाई देने वालों में भीम कुमार, सोरेन राम, गणेश रवि, रामचंद्र राम, इंदिरा देवी, पंकज कुमार, विभाष चंद्र, कौशल पासवान, किशोर नायक और दामोदर वाल्मीकि शामिल थे।

पेज एक के शेष

महिलाओं के सशक्तिकरण...

विधायक डॉ नीरा यादव, विधायक लुइस मरांडी, विधायक सविता महतो, विधायक रागिनी सिंह, विधायक ममता देवी, विधायक पूर्णिमा दास साहू, विधायक श्वेता सिंह और विधायक मंजू कुमारी मौजूद थीं।

ग्रामीण विकास और...

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आनेवाले दिनों में विभागों में खाली सभी पदों पर नियुक्तियां करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में हमने 15 लाख अबुआ आवासों को पूरा कर लिया है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष से केंद्र पर बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ लाने में मदद करने का आग्रह किया। इस दौरान विपक्ष सदन से हंगामा करते हुए वॉक आउट हो गया। इस पर मंत्री ने कहा कि कम से कम विपक्ष ने हमें दो घंटे तक तो सुना। यह नई शुरूआत है। उन्होंने केंद्र सरकार पर हर साल मनरेगा की राशि में कटौती करने का आरोप लगाया। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आने वाले दिनों में मनरेगा में 15 करोड़ मानव दिवस का सृजन किया जाए। उन्होंने बताया कि 53 सीएफटी का काम करने पर हमने एक दिन का मानव दिवस के रूप में तय किया है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने बकाया 8868 रुपए नहीं दिया, इसलिए विभाग के बजट में कटौती करनी पड़ी। केंद्र की संवेदनहीनता के चलते आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए राज्या सरकार को तीन गुनी राशि देनी पड़ रही है। मंत्री सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के 98 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया है। इन्हें जल्द रोजगार से जोड़ा जाएगा। उन्होंने जिला स्तर पर प्रशिक्षित महिलाओं को जेएसएलपीएस के जरिए जोड़ने की बात भी कही। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कम रेट पर टेंडर कोट कर घटिया स्तर की सड़कें बनाने वाले ठेकेदारों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले को कैबिनेट में लाया जाएगा। झामुमो के विधायक ने मंत्री से पूछा कि आरईओ की कितनी सड़कें हर विधायक को सरकार देगी। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि सभी सदस्यों को पिछली बार से कम सड़कें नहीं मिलेंगी। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार अपने अदाणी और अंबानी दोस्त के लिए राज्य की खनिजों को देने के लिए ग्राम सभा को कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी प्रखंड कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे ग्रामीणों की बातों को सुनें और उनकी उपेक्षा न करें। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2026 तक पंचायत सचिवालयों को मजबूत कर उन्हें डिजिटल कर दिया जाएगा। मंत्री ने राज्य में 2500 पंचायत ज्ञान केंद्र बनाने की भी बात कही। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही सोमवार को दिन में 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

बाबूलाल मरांडी बने...

विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि उनसे भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र कुमार राय ने बाबूलाल मरांडी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया था। इसके बाद बाबूलाल मरांडी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी गई।

भाजपा नेत्री सीता...

भाजपा नेत्री सीता सोरेन पर हुए हमले की पुष्टि करते हुए डीएसपी (विधि व्यवस्था) नौशाद आलम ने बताया कि सीता सोरेन के पूर्व पीए देवाशीष मनोरंजन घोष के खिलाफ सीता सोरेन पर पिस्टल तानने की प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी के पास से पुलिस ने पिस्टल जब्त कर लिया है। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह पूरा मामला धनबाद के सोनोटेल होटल में गुरुवार देर रात की है। इस मामले में गहनता से जांच-पड़ताल की जा रही है।

लातेहार के मनिका...

मामले की छानबीन के बाद रेंजर ठाकुर पासवान ने बताया कि ऐसा लग रहा है, जैसे किसी वाहन के धक्के के कारण लकड़बग्घा की मौत हुई होगी। उन्होंने कहा कि आशंका है कि रात में किसी गाड़ी की चपेट में लकड़बग्घा आ गया होगा, जिसके कारण यह घटना हुई होगी। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सक को बुलाया जा रहा है। मृत लकड़बग्घा का पोस्टमार्टम करने के बाद जो रिपोर्ट आएगी, उससे स्पष्ट हो पाएगा कि लकड़बग्घे की मौत कैसे हुई है। घटनास्थल एनएच-39 के बहुत करीब है, इसलिए ज्यादा संभावना है कि किसी वाहन के धक्के से लकड़बग्घे की मौत हुई होगी। ज्ञात हो कि लातेहार जिले के वन क्षेत्र में लकड़बग्घा पाए जाते हैं। रात के समय वे जंगलों से निकलकर सड़क पर भी आ जाते हैं।

21 से 23...

इसके अलावा, वर्ष 2021 के जुलाई में सर संघचालक मोहन भागवत ने असम में एक कार्यक्रम में दावा किया था कि लोगों के एक खास वर्ग ने राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस मुद्दे को सांप्रदायिक रंग दिया है। उन्होंने कहा कि यह हिंदू-मुस्लिम मुद्दा बन गया है, जबकि ऐसा कोई मुद्दा ही नहीं है। भागवत ने कहा कि एनआरसी केवल भारत में रहने वाले वास्तविक नागरिकों को निर्धारित करने का एक तरीका है। भागवत ने कहा था कि इस तरह की प्रक्रिया दुनिया भर के कई देशों में अपनाई जाती है। जो गिनती में नहीं आए, उनका मामला अलग है, लेकिन एक बार कम से कम हमें यह तो पता चलना चाहिए कि देश का असल नागरिक कौन है, कौन नहीं।

प्रिय आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका बहनों,

आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च, 2025 की हार्दिक शुभकामनाएँ।

आज इस शुभ अवसर पर मैं अपने प्रिय आँगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका बहनों को राज्य के प्रति आपकी समर्पित सेवा के लिए दिल से सराहना करने के साथ-साथ अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का मुख्य थीम Accelerate Action रखा गया है, जिसका मुख्य भाव महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता तथा सम्पूर्ण विकास को तेज गति देने पर जोर देता है। हमारी आँगनबाड़ी सेविकाएँ एवं सहायिका बहनों के द्वारा इस थीम को पूर्ण रूप से सार्थक करते हुए तन-मन से राज्य हित में कार्य किया जा रहा है। आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से समुदाय की सेवा में आपके अटूट, सम्पूर्ण और निरंतर प्रयासों के लिए अबुआ सरकार आपका आभारी है।

हमारे लिए बहुत गर्व का विषय है कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अन्तर्गत कुल- 37876 सेविकाएँ, 34941 सहायिकाएँ एवं 679 महिला पर्यवेक्षिकाएँ क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता के रूप में समाज में समान अवसर का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण देते हुए निरंतर कार्यरत हैं।

आज आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जाँच, वृद्धि निगरानी, टीकाकरण तथा कुपोषण प्रबंधन के माध्यम से मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है, जो काफी गौरवान्वित करता है। पोषण जैसे महत्वपूर्ण विषय को जन आंदोलन का रूप देकर कुपोषण मुक्त झारखण्ड की कल्पना को साकार करने की यात्रा में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं।

उल्लेखनीय है कि आज झारखण्ड राज्य में 154186 गर्भवती महिलाओं, 121655 धात्री माताओं तथा 1323217 छ: माह से तीन वर्ष के बच्चों को पोषक तत्व से भरपूर शिशु आहार, पौष्टिक मीठा दलिया एवं नमकीन दलिया नियमित रूप से आँगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, 3 से 6 वर्ष के बच्चों को गर्म ताजा पका हुआ भोजन के साथ-साथ अण्डा भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कि बच्चों का विकास सही ढ़ग से हो सके तथा वे राज्य निर्माण में अपना सम्पूर्ण योगदान दे सकें।

आज के Digital युग में हमारी आँगनबाड़ी सेविकाएँ तथा महिला पर्यवेक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए जल्द ही उन्हें Smart Phone उपलब्ध कराया जाएगा।

आपके द्वारा कई महत्पूर्ण योजनाओं यथा-सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयाँ सम्मान योजना, पोषण अभियान योजना, पेंशन योजना, नि:शक्त कल्याणार्थ योजना, सामुहिक कुरीति निवारण योजना, विधवा पुनर्विवाह योजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे कि जनसमुदाय को इन योजनाओं का लाभ ससमय मिल सके। साथ ही, बी.एल.ओ. के रूप में आपके अथक प्रयासों के कारण राज्य भर में मतदाताओं का समावेशीकरण हुआ है एवं चुनाव पर्व में लोगो ने बढ़-चढ़ कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

आज इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आपकी मेहनत और लगन के साथ-साथ महिलाओं के सम्पूर्ण विकास, सशक्तिकरण तथा समान अवसर दिलाने की दिशा में आईए मिल कर हमसब प्रयास करें ताकि **अबुआ झारखण्ड-स्वस्थ और सुपोषित झारखण्ड बन सके।**

आपका आभार और धन्यवाद !

शुभकामनाओं सहित

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

PR No. 348116 (Women, Child Development & Social Security) 2024-25

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

लैंगिक समानता और त्वरित कार्रवाई की **आवश्यकता...**

महिला अधिकारों के संघर्ष से जन्मा आंदोलन

सरिता मुर्मू

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) की शुरूआत 20वीं सदी के आरंभ में महिलाओं के अधिकारों की मांग से हुई। 1908 में, न्यूयॉर्क शहर में 15,000 महिलाओं ने बेहतर वेतन, कम कार्य घंटे और मतदान अधिकार के लिए मार्च निकाला। इस आंदोलन से प्रेरित होकर, 1909 में अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने पहला राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। बाद में, 1910 के अंतरराष्ट्रीय समाजवादी महिला सम्मेलन में जर्मन कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद, 1911 में ऑस्ट्रिया, जर्मनी, डेनमार्क और स्विट्जरलैंड में इसे पहली बार 19 मार्च को मनाया गया। 1913 में, यह तिथि बदल कर 8 मार्च कर दी गई, जो आज पूरे विश्व में आधिकारिक रूप से मनाई जाती है। आज, आईडब्ल्यूडी को 100 से अधिक देशों में महिलाओं के सशक्तीकरण, समानता और नीति सुधारों की वकालत के लिए मनाया जाता है। भारत में लैंगिक असमानता आज भी एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन अब भी कई संरचनात्मक बाधाएं उनके सशक्तिकरण में रोड़ा बनी हुई हैं। आईडब्ल्यूडी केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और समान अवसरों की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

भारत में महिलाओं की श्रमशक्ति भागीदारी दर दुनिया में सबसे कम है। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे 2023 के अनुसार, केवल 25% महिलाएं कार्यबल में शामिल हैं। आईडब्ल्यूडी इस असमानता पर चर्चा करने और आर्थिक समावेशन, समानवेतन और वित्तीय स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करता है। सरकार द्वारा शुरू की गई मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूह और डिजिटल इंडिया महिला उद्यमिता कार्यक्रम जैसी योजनाएं ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो 2023 के अनुसार, 4 लाख से अधिक घरेलू हिंसा, बलात्कार और उत्पीड़न के मामले दर्ज किए गए हैं। हाथरस बलात्कार कांड (2020) और बिलकिस बानो मामला इस बात को दर्शाते हैं कि न्याय प्रणाली में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। आईडब्ल्यूडी उन कानूनी सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक होता है जो महिलाओं को न्याय दिलाने में मदद कर सकते हैं, जैसे कि यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम 2013 और घरेलू हिंसा अधिनियम 2005।

हालांकि भारत में महिला साक्षरता दर 77% तक पहुंच गई है, फिर भी कई लड़कियां बाल विवाह, गरीबी और अस्वास्थ्यकर स्कूल सुविधाओं के कारण पढ़ाई छोड़ देती हैं। कहऊ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी पहलों को बढ़ावा देने का मंच प्रदान करता है। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत महिलाओं को डिजिटल साक्षरता और टेक्नोलॉजी तक पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। पिंक टॉयलेट योजना, जो शहरी और ग्रामीण इलाकों में सुरक्षित शौचालय उपलब्ध कराती है, ने स्कूल जाने वाली लड़कियों की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत में संसद में महिलाओं की भागीदारी केवल 14% है, जो अभी भी बहुत कम है। महिला आरक्षण विधेयक (2023) पारित होने के बावजूद, इसका कार्यान्वयन 2029 तक टल गया है। कहऊ महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने और राजनीतिक भागीदारी को सशक्त करने का एक मंच है। आज, 1.4 मिलियन से अधिक महिलाएँ पंचायतराज संस्थानों में निर्वाचित प्रतिनिधि हैं, जो स्थानीय शासन में महिला नेतृत्व के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। झारखंड में महिलाओं की स्थिति राष्ट्रीय औसत से भी अधिक चुनौतीपूर्ण है। राज्य की कुल साक्षरता दर 66.41% है, लेकिन इस में लिंग असमानता स्पष्ट रूप से देखी जाती है, जहाँ पुरुष साक्षरता दर 76.84% है, जबकि महिला साक्षरता दर मात्र 55.42% है (जनगणना भारत)। यह असमानता आर्थिक भागीदारी में भी दिखाई देती है, जहाँ 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में कार्यशील जनसंख्या अनुपात पुरुषों के लिए 73.0% और महिलाओं के लिए मात्र 28.7% है (प्रेस सूचना ब्यूरो), जो झारखंड में महिलाओं की कम श्रमशक्ति भागीदारी को दर्शाता है।

न्याय में देरी: भारतीय महिलाओं के लिए बढ़ती चुनौतियां

भारत में महिलाओं के लिए न्याय पाना अक्सर एक लंबी और कठिन प्रक्रिया बन जाती है। कई मामलों में, खासकर घरेलू हिंसा, यौन शोषण, दहेज प्रताड़ना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और संपत्ति विवादों में, न्याय मिलने में वर्षों लग जाते हैं। इस देरी का सीधा असर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मसम्मान और सामाजिक स्थिति पर पड़ता है।

देरी से न्याय, अन्याय के समान

जब एक महिला न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाती है, तो उसे लंबी कानूनी प्रक्रियाओं, तारीखों की अनिश्चितता, सबूतों की कमी और कई बार सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ता है। परिवार और समाज अक्सर महिलाओं को चुप रहने की सलाह देते हैं, जिससे अपराधियों को और अधिक हिम्मत मिलती है।

- **घरेलू हिंसा के मामले:** कई महिलाएं हिंसा के बावजूद शिकायत दर्ज नहीं कर पातीं, और जो शिकायत करती हैं, उन्हें कानूनी प्रक्रिया की जटिलताओं के कारण वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है।
- **यौन शोषण के मामले:** निर्भया केस के बाद कड़े कानून बने, लेकिन फिर भी न्याय की प्रक्रिया धीमी है। दुष्कर्म पीड़िताओं को बार-बार कोर्ट में पेश होना पड़ता है, जिससे उन्हें मानसिक आघात झेलना पड़ता है।
- **संपत्ति विवाद:** महिलाओं के संपत्ति के अधिकार को लेकर अब भी समाज में भेदभाव है। अदालतों में चल रहे मामलों के कारण कई महिलाएँ आर्थिक रूप से कमजोर हो जाती हैं।

न्याय में देरी के कारण और प्रभाव

1. **मानसिक स्वास्थ्य पर असर :** लगातार तनाव, असुरक्षा और अपमान झेलने से महिलाओं में अवसाद (डिप्रेशन), चिंता और आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।
2. **सामाजिक बदनामी :** समाज में आज भी पीड़िता को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति है, जिससे कई महिलाएँ शिकायत दर्ज कराने से हिचकती हैं।
3. **आर्थिक निर्भरता :** जब न्याय मिलने में देरी होती है, तो महिलाओं के पास कमाने के अवसर भी सीमित हो जाते हैं।
4. **अपराधियों का हौसला बढ़ना :** जब अपराधियों को सजा नहीं मिलती, तो वे और भी अधिक बेखौफ होकर महिलाओं का शोषण करते हैं।

समाधान: न्याय प्रक्रिया में सुधार की जरूरत

रश्मि साहा

1. **तेज और प्रभावी न्याय प्रणाली :** फास्ट-ट्रैक कोर्ट की संख्या बढ़ानी होगी ताकि महिलाओं के मामलों का निपटारा जल्दी हो।
2. **कानूनी जागरूकता :** महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी देना जरूरी है।
3. **मनोवैज्ञानिक सहायता :** प्रत्येक जिले में महिलाओं के लिए काउंसलिंग सेंटर होने चाहिए ताकि वे मानसिक रूप से मजबूत रह सकें।
4. **सख्त कानून और उनका पालन :** कई बार कानून तो बना दिए जाते हैं, लेकिन उनका सख्ती से पालन नहीं होता। इस पर जोर देने की जरूरत है।
5. **सामाजिक सोच में बदलाव :** समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं का अधिकार सुरक्षित करना पूरे देश की जिम्मेदारी है।

एक सुरक्षित और न्यायपूर्ण समाज की ओर
अगर महिलाओं को समय पर न्याय मिले, तो वे न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकती हैं, बल्कि समाज को भी मजबूत कर सकती हैं। एक महिला जब आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस करती है, तो वह अपने परिवार, समाज और देश के विकास में योगदान देती है। न्याय की देरी केवल एक महिला की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की विफलता है। हमें मिलकर इसे बदलना होगा।

-समाज सेविका

आज महिलाएं हर क्षेत्र में **परचम लहरा** रही हैं

विजय केसरी

आज विश्व भर की महिलाएं हर क्षेत्र में परचम लहराती चली जा रही हैं। भारत की महिलाएं विकसित देशों की तुलना में कुछ पीछे जरूर पड़ रही हैं, लेकिन उनकी गति बहुत तेजी से आगे बढ़ रही हैं । देश की आजादी के बाद बीते 77 वर्षों में भारत की महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी तरक्की की हैं। यह भारतवर्ष के लिए एक अच्छी खबर है। सर्वविदित है कि प्रकृति व ईश्वर ने सृष्टि के संचालन के लिए स्त्री एवं पुरुष को उत्पन्न किया, ताकि सृष्टि की रचना पूर्ण हो सके। इसके साथ ही उन्होंने पशु -पक्षी और विभिन्न प्रकार के कीट -पतंगों को भी उत्पन्न किया । सबों को मिलाकर एक सूत्र में ऐसा बांधा गया कि सभी एक दूसरे के पूरक बन गए।

स्त्री- पुरुष नामक दो लिंगों में विभक्त नर नारी को ऐसा बांधा गया ताकि वे दोनों साथ साथ जीवन बिता सकें। जानवरों, कीट- पतंगों को भी नर -मादा की श्रेणी में विभक्त कर प्रकृति ने इसे और भी मोहक बना दिया । हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार इस सृष्टि में 84 लाख छोटे बड़े जीव निवास करते हैं । इन 84 लाख जीवों में मनुष्य जी को सबसे उत्तम माना गया । मनुष्य की सभ्यता और उसके विकास की एक लंबी कहानी है। वर्तमान समय, जिसे हम सब आधुनिक काल कहते हैं । यहां तक पहुंचने में इस मनुष्य को लंबे सफर के दौर से गुजरना पड़ा है । हमारा भारतीय समाज पुरुष प्रधान है । संभवत विश्व के लगभग देशों में पुरुष की प्रधानता के ही दृष्टांत सामने मिलते हैं । सामाजिक मान्यताओं के अनुसार पुरुष गृहस्थी के संचालन के लिए घर से बाहर जाकर धन की जुगाड़ के लिए विविध प्रकार के श्रम, व्यवसाय और नौकरी करते हैं, ताकि घर के सभी सदस्यों के खान-पान के साथ अन्य जरूरतें पूरी हो सकें। इन्हीं मान्यताओं के साथ हमारा विश्व समाज आगे बढ़ता चला जा रहा है। महिलाओं के जिम्मे में पूरी तरह घर के भीतर गृहस्थी संभालने की जवाबदेही है । यह कोई मामूली जवाबदेही नहीं है बल्कि पुरुषों की तुलना में एक बड़ी जवाबदेही इसे कह सकते हैं । घर के भीतरमहिलाएं सभी के खाने-पीने के इंतजाम के साथ आने वाली नहीं पीढ़ी को भी जन्म देती है।

-(कथाकार/ स्तंभकार)

डॉ0 दीप्ति कुजूर

इस वर्ष का थीम महिलाओं की **समानता** को **गति** देने पर केंद्रीत है

यह दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1908 में तब हुई जब करीब 15,000 महिला श्रमिकों ने न्यूमार्क शहर में एक परेड निकाली। उनकी मांगे थीं कि महिलाओं के काम के घंटे कम हों, तनख्वाह अच्छी मिले और महिलाओं को वोट जलने का हक भी मिले। फिर 1910 में एक वामपंथी कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने कामकाजी महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में (जो डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुआ था, जहां 17 देशो से 100 महिला शामिल थी) अतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का सुझाव दिया और सब एकमत से इस सुझान पर सहमत हो गई थीं।

पहला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 1910 में ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, जर्मनी, स्विटजरलैंड में मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को औपचारिक मान्यता 1975 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिया जाए।

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है

1. महिलाओं को राष्ट्रीय, जातीय, भाषाई, सास्कृतिक, आर्थिक या राजनीतिक भेदभाव से आजाद कराना।
2. महिलाओं के खिलाफ हिंसा और दुर्व्यवहार को दूर करना।
3. महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाना।
4. महिलाओं को रोजगार में शामिल करना।

संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लिए पहली भीम 1996 में चुनी थी गुजरे हुए वक्त का जश्न और भविष्य की योजना बनाना। इस तरह हर साल इस दिवस के लिए थीम चुनी जाती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम है कार्रवाई में तेजी लाना यह थीम महिलाओं की समानता को गति देने पर केंद्रीत है। यूं तो केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही है, हमें उनकी यहां चर्चा नहीं कर रही है। मगर इसके लिए सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है, लैंगिक समानता के लिए मानसिकता बदलती जरूरी है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ, सदर अस्पताल, लोहरदगा

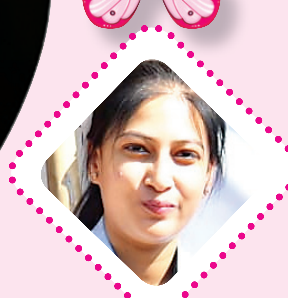

प्रिया बागची

महिला सशक्तिकरण के लिए उषा मार्टिन की पहल

● 200 से अधिक ग्रामीण महिलाएं बनीं स्वावलंबी

● हुनर के साथ मेहनत से ही सफलता संभव

महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने से परिवार में आय वृद्धि और खुशहाली आती है। इसके साथ ही गांव भी स्वावलंबी बनता है। स्वावलंबी गांव के लिए हुनर का ज्ञान और उसका विकास जरूरी है। इसके लिए हुनर के साथ मेहनत जरूरी होती है, ताकि सफलता आए। उक्त बातें उषा मार्टिन के पावर प्लांट हेड तन्मय सिन्हा ने कहीं। वह आज उषा मार्टिन सभागार में विश्व महिला दिवस के पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। यह प्रशिक्षण उषा मार्टिन फॉउंडेशन और मिनी टूल रूम के सौजन्य से महिलाओं को टेलरिंग और फैशन डिजाइनिंग, फैशन डिजाइनिंग, सोहराई पेंटिंग, फूड एंड विभरेज आदि के माध्यम से 210 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया जिनमें से 46 महिलाएं विभिन्न प्रतिष्ठानों में कार्य कर रही है। इस अवसर पर एचआर हेड एन0एन0 झा ने कहा कि प्रतिभा निखारने के लिए लगातार प्रयास करना होगा। अपने लगन और प्रयास से आत्मनिर्भर बनने का राह खोजना होगा। इस प्रयास में कंपनी सदैव सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि आबादी और भूभाग असंतुलन के कारण दक्ष और हुनरमद लोग ही सफल होंगे। एम0के0 गुप्ता ने कहा कि उषा मार्टिन के सौजन्य से ऐसे प्रशिक्षण से गांवों के युवाओं को आगे आने का अवसर मिलेगा। इस कोर्स को करने के बाद न केवल महिलाएं हुनरमंद बनेगी, बल्कि आय संवर्द्धन कर आत्मनिर्भर भी बनेगी। कोर्स के दौरान महिलाओं को मशीन पर खुद से सिलाई और कढ़ाई की बारीकियाँ बतायी गयी।उषा मार्टिन फॉउंडेशन के सचिव डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि गांव के समग्र विकास के लिए किसानों, विद्यार्थी और महिलाओं को केंद्र में रखकर ग्रामीण विकास की गतिविधियां चलायी जा रही है।

गांव के स्तर पर स्वयं सहायता समूह को सशक्त बनाकर और प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण के उपाय किये जा रहे हैं, ताकि गांव में ही रोजगार मिले। रूबी मैम के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रबंधक, उषा मार्टिन

शनिवार 8 मार्च की शाम से रविवार 9 मार्च की शाम तक

- **शनिवार 8 मार्च: 4pm - 6pm** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्ट्रीट थिएटर फेस्ट (ऑक्सीजन पार्क)
- **रविवार 9 मार्च: 6am - 7pm** **होली स्पेशल नाटक:** हमारा विद्यालय (ऑक्सीजन पार्क)
- **रविवार 9 मार्च: 4pm - 6pm** होली स्पेशल कॉमेडी थिएटर फेस्टिवल(जेएफटीए स्टूडियो थिएटर)

प्रतिभा शांडिल्य

लड़की का दु:ख

एक लड़की ने एक रात
सपना देखा-
सपने में जिसे छुआ,
वह गायब हो गया।

पहले लड़की, फूल, चूल्हा-
सब गायब हो गए।
फिर झूला, आंगन, गीत-
सब ओझल हो गए।

फिर लड़की ने छूना चाहा
अपना दु:ख,
तो सपना ही खो गया...
और लड़की का दु:ख
वैसे ही बना रहा-
हमेशा।।

-राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बड़का गांव, सदर, मेदिनीनगर।

सीमा गांगुली

2025 की थीम है 'कार्रवाई में तेजी लाना'

हम महिलाओं का पूर्व इतिहास देखें तो नारी वीरांगना से लेकर आज जिस मुकाम पर पहुंची है वह सर्वविदित है। वर्तमान में महिलाओं की स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं है। एक पीड़िता ही अपनी व्यथा बता सकती है। अब हम बात करें इंसाफ की तो ढांक के तीन पांत रह जाती है। सरकार कार्रवाई में तेजी की प्रक्रिया को गति तो दे रखी है किंतु गति क्या पकड़ी है? एक सवाल है। एक एफआईआर से लेकर कानूनी प्रक्रिया का दंश झेलने वाली महिलाओं के साथ क्या-क्या नहीं होता है जो गंभीर मसला है।

-पत्रकार

अचला चौहान

एक नए युग की **शुरुआत...**

समय चक्र ने एक वर्ष पूरा किया और फिर से हमें 8 मार्च यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर लाकर खड़ा कर दिया। इस बार का थीम है 'कार्यवाही में तेजी लाना'। इस बार सरकार से, पुरुषों से या हालात से प्रश्न करने के बजाय क्यों ना हम अपने-आप से यह सवाल करें कि हमने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए क्या किया? क्या हमने कभी किसी महिला को आगे बढ़ाने में मदद की है? क्या हमने किसी के सपने को पूरा करने में उनका साथ दिया है? क्या हमने अपने आस-पास की किसी भी महिला का हौसला बढ़ाया है कि,तुम आगे बढ़ो, मैं तुम्हारे साथ हूं? यदि हां, तो मुस्कुराइए, अपनी पीठ थपथपाई और आगे बढ़ते रहिए। यदि नहीं तो एक बार जरूर सोचिए कि क्या कभी महिला समाज को बराबरी का दर्जा मिल पाएगा, अगर एक भी महिला पीछे रह जाएगी, इस सफर में तो चलिए शुरु करते हैं स्त्रीत्व का यह वर्ष।

सुनीता सिंह

न्याय की प्रक्रिया में सुधार की **आवश्यकता**

न्याय की प्रक्रिया बहुत जटिल है इस में सुधार की आवश्यकता है। किसी भी केस का फैसला आते आते वर्षों बीत जाते हैं। ऐसे में न्याय की प्रक्रिया में बदलाब लाने की जरूरत है। स्वयं सेवी संस्था को आगे ला कर उन्हें केस को सुलझाने की जरूरत है। गांव के केस को सुलझाने के लिए झारखंड के हर राज्य में संगठन को चयनित कर के काम में तेजी लाने की जरूरत है। देर होने से लोगों का मनोबल टूट जाता है। ऐसे में सख्त कदम उठाने की जरूरत है। आज भी सर्वोच्च न्यायालय में 4,60,25,360 मामले लंबित है। ऐसे में गांव के छोटे-मोटे घरेलू विवाद का निबटारा करने के लिए संगठन की आवश्यकता है। कई केस के सही फैसले आने में 25 से 30 वर्ष तक का समय लग जाता है। ऐसे में फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से मामले की सुनवाई होनी चाहिए। ताकि पीड़ित को सही समय पर न्याय मिल सके।

-कृष्णापुरी चुटिया रांची